रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित www.lagatar.in रांची, मंगलवार 17 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 160 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 17 सितंबर को शुभम संदेश कार्यालय में अवकाश रहेगा. अखबार का अगला अंक 19 सितंबर को बाजार में आएगा. खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें Lagatar.in

- संपादक

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.0	24.2
जमशेदपुर	26.1	22.6
डालटनगंज	26.6	23.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,350
चांदी (किलो)	90,000

ब्रीफ खबरें

कल लगेगा पूरी दुनिया में चंद्रग्रहण

नयी दिल्ली। बुधवार को चंद्रग्रहण लग रहा है. ब्रह्मांण में घटित होने वाली इस खगोलीय घटना से पूरी दुनिया प्रभावित होगी. इस ग्रहण के बाद देश दुनिया में बड़ी हलचल देखने को मिल सकती है. ये ग्रहण विश्व के बड़े देशों में भूचाल लाने वाल प्रतीत हो रहा है. जिन देशों में ये चंद्र ग्रहण दिखाई देगा वहां पर इसका 80 से 90 प्रतिशत बुरा प्रभाव दिखाई देगा. वहीं जहां पर चंद्रग्रहण दिखाई नहीं देगा, उन देशों में इसका प्रभाव 50 प्रतिशत देखने को मिल सकता है.

आरएसएस के उत्सव में पूर्व इसरो चीफ मुख्य अतिथि

नागपुर। आरएसएस के विजयादशमी उत्सव को लेकर संघ की तरफ से तारीख और मुख्य अतिथि के नाम का औपचारिक ऐलान कर दिया गया है. आरएसएस ने इस बार इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के राधाकृष्णन को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया है. इसकी जानकारी आरएसएस ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी.

मुख्तार अंसारी की मौत हार्ट अटैक से हुई

लखनऊ। यूपी की बांदा जेल में बंद बाहुबली मुख्तार अंसारी की मौत दिल का दौरा पड़ने से ही हुई थी. विसरा रिपोर्ट में भी ये बात स्पष्ट हो गई है. बांदा के डीएम ने इससे संबंधित जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है. बांदा डीएम राजेश कुमार ने करीब 5 महीने तक चली जांच करने के बाद शासन को रिपोर्ट भेजी है. लखनऊ भेजी गई विसरा रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं हुई है.

विवादित झंडा लहराने पर दो लोग हिरासत में

पटना। बिहार के सारण जिले में विवादित झंडा लहराए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हिरासत में लिया है. सोमवार को कोपा थाना अंतर्गत कोपा बाजार में मिलाद-उल-नबी के जुलूस के दौरान वीडियो बनाई गई. एसपी के निर्देशानुसार जांच करके कोपा थाना में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की गई है.

ट्रंप पर फिर चली गोली, बाल-बाल बचे

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कथित हत्या के प्रयास की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने एक विवादास्पद बयान दिया है. उन्होंने सवाल किया, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर हत्या का कोई प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है? रविवार को ट्रंप पर दूसरी बार हत्या का प्रयास किया गया, जब फ्लोरिडा में एक गोल्फ कोर्स के बाहर गोलियां चलाई गईं, जहां वो गोल्फ खेल रहे थे. इस हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए. एफबीआई ने कहा कि फ्लोरिडा में उन पर हत्या का प्रयास किया गया था.

-पेज 12 भी देखें

पीएम मोदी के झारखंड दौरे पर झामुमो ने कसा तंज, कहा

भाजपा को सता रहा हार का डर

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने केंद्र सरकार और भाजपा को आगाह किया है कि आगामी दिनों में अगर कोई सरकारी कार्यक्रम आपके हुए तो उसे पार्टी के साथ संलग्न न करें. राजनीतिक दल का कार्यक्रम एकदम अलग है और सरकारी कार्यक्रम अलग होता है. कभी देखे हैं कि कोई प्रधानमंत्री चुनावी सभा के लिए 130 किमी भागता हो. मलतब सत्ता के लिए सबकुछ करेंगे. घर तोड़ेगे, पार्टी तोड़ेंगे, विधायक दल तोड़ेंगे नहीं तो खरीद लेंगे, इसमें सफल नहीं होंगे, तो जेल भेजेंगे, झूठे केस डालेंगे. जमशेदपुर की सभा अगर बहरागोड़ा में होती तो पीएम मोदी 210 किमी भी पैदल चले जाते. हम किसी के आने-जाने पर सवाल नहीं उठा रहे है, मगर वे देश की पीएम हैं, उनके काफिले को सुरक्षा मिलती है. इसलिए एनएच -33 को लगभग 9 घंटे तक कैद कर लिया गया था. उसे राजनीतिक लाभ के लिए ब्लॉक कर देना संभावित हार का डर है.

- अब सरकारी कार्यक्रमों को राजनीतिक में तब्दील न करें
- **केवल चुनावी फायदे के लिए पीएम 130 क्या, बहरागोड़ा 210 किमी पैदल चले जाते**
- केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम के लिए एनएच-33 को नौ घंटे ब्लॉक कर दिया गया
- **सरकारी कार्यक्रम अचानक से राजनीतिक कैसे हुआ**

ये बातें झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं. -शेष पेज 07 पर

प्रोटोकॉल का हुआ उल्लंघन

राजनीतिक कार्यक्रम के पहले सरकारी कार्यक्रम किए जाते हैं. जमशेदपुर कार्यक्रम के पहले रांची में सरकारी कार्यक्रम हुआ. वह भी मौसम के कारण. बताया गया यह रेल मंत्रालय का कार्यक्रम था, बाकी सब पहुंचे, रेल मंत्री ही नहीं आए. प्रोटोकॉल के तहत प्रदेश और देश के मंत्री, सांसद, विधायक, राज्यसभा सदस्य की उपस्थिति होती है क्षेत्रवार. लेकिन सरकारी कार्यक्रम पार्टी कार्यक्रम में बन गया. टाटा नगर के कार्यक्रम में कई ऐसे लोग थे, जो जमशेदपुर के जनप्रतिनिधि नहीं थे. लेकिन चूंकि वे भाजपा के हैं, गठबंधन के हैं, तो उनको प्रमुखता दी गई. स्थानीय विधायक उपेक्षित हुए, क्योंकि वे हमारे दल के हैं. राज्य सरकार के मंत्रियों की उपेक्षा की गई. उसी जिले से झारखंड सरकार में दो-दो मंत्री को स्थान नहीं दिया गया. सरकारी कार्यक्रम में भाजपा नेताओं का आना प्रोटोकॉल का उल्लंघन है. उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार अब हेमंत सोरेन से डरने लगी है.

परिवर्तन यात्रा में भाजपा दिखाएगी ताकत, जारी हुआ कार्यक्रम

घुसपैठ-रोहिंग्या पर रहेगा फोकस

प्रमुख संवादाता। रांची

झारखंड बीजेपी परिवर्तन यात्रा के जरिए अपनी ताकत दिखाएगी. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 20 सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत होगी. इस यात्रा के जरिए हेमंत सरकार से पांच साल का हिसाब मांगा जाएगा. यह यात्रा बेटी-रोटी और माटी की रक्षा, युवाओं के भविष्य और झारखंड में परिवर्तन लाने का संकल्प है.

परिवर्तन यात्रा छह सांगठनिक प्रमंडलों में होगी. जो सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरेगी. 20 सितंबर से 3 अक्टूबर भाजपा अपने सभी 6 सांगठनिक प्रमंडलों में परिवर्तन यात्रा निकलेगी. मरांडी ने कहा कि यह यात्रा पूरे प्रदेश में 200 से अधिक प्रखंडों से गुजरते हुए 5400 किलोमीटर की दूरी तय करेगी. यात्रा में 80 स्वागत कार्यक्रम, 65 सार्वजनिक रैलियां होगी.

- दिन में होगी यात्रा और रात में स्थानीय के साथ होगा संवाद
- **माटी-बेटी और रोटी की रक्षा करने का है संकल्प**
- सभी विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेगी परिवर्तन यात्रा
- **परिवर्तन यात्रा में भाजपा के 50 टॉप लीडर होंगे शामिल**
- परिवर्तन यात्रा का नारा, न सहेंगे, न कहेंगे,बदल के रहेंगे

जिसमें राष्ट्रीय और प्रदेश के 50 से अधिक प्रमुख नेता शामिल होंगे. राज्य की युवा शक्ति ,महिला शक्ति राज्य में परिवर्तन केलिए संकल्पित है. -शेष पेज 07 पर

सरकार पर साधा निशाना

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले लगभग 5 वर्षों से ठगबंधन सरकार ने झारखंड की स्वाभिमान, अस्मिता और पहचान को चोट पहुंचाया है. यहां के लोगो की पहचान ईमानदारी,सच्चाई और परिश्रम से है, लेकिन हेमंत सरकार ने राज्य को देश-दुनिया में बदनाम कर दिया है. झारखंड की पहचान लूट खसोट, भ्रष्टाचार, नोटों के पहाड़ से हो गई है. हेमंत सरकार ने केवल खान, खनिज, जमीन को नहीं लूटा, बल्कि केंद्र सरकार की नल जल योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया. राज्य में घुसपैठियों -रोहिंग्या की संख्या में भारी इजाफा हुआ है.

- **मुख्यमंत्री** हेमंत सोरेन की पहुंच सबसे अधिक लोगों तक
- **लाखों** में फॉलोअर, पोस्ट पर रिएक्शन बहुत कम
- **बधाई** संदेशों पर धन्यवाद तक नहीं देते प्रशंसक
- **मीडिया** से दूर हुए, जनता तक बात पहुंचा नहीं पाते

सोशल मीडिया के भ्रमजाल में राजनेता

अभिषेक मिश्र। रांची

सोशल मीडिया पर नेताओं की अति निर्भरता अब उन्हें आमलोगों से दूर करने लगा है. हर हाथ में मोबाइल है और सोशल मीडिया का जमाना है, यह एक भ्रम है. इसी भ्रम के फेर में कुछ सालों से नेताओं ने पारंपरिक मीडिया से दूरी बनायी और अब पारंपरिक मीडिया में उनकी खबरें या तो गायब रहती हैं या कहीं कोने में. नेताओं को शायद अब भी यह भ्रम है कि अपने साथ एक युवा को रख लो, उसे लैपटॉप दे दो, वह हर गतिविधि की खबर सोशल मीडिया पर डालेगा और उनके प्रशंसक व क्षेत्र की जनता तक बात पहुंच जाएगी, क्या जरूरत है पारंपरिक मीडिया के जरिए खबरें आम लोगों तक पहुंचाने की.

सच, ऐसा नहीं है. यह अधूरा सच है. झारखंड के एक-दो लोकप्रिय नेताओं को छोड़ दें, तो यहां के अधिकांश बड़े नेताओं का सोशल मीडिया पर हाल ठीक नहीं है. ट्विटर (एक्स) पर फॉलोअर, यानी प्रशंसक भले ही लाखों में हैं, लेकिन उनकी पोस्ट को देखने वालों, रीट्वीट करने वालों या पोस्ट पर रिएक्शन देने वालों की संख्या दो-तीन अंकों तक भी नहीं पहुंच पाती. पोस्ट को देखने वालों की संख्या भी तीन अंकों तक ही सिमट कर रह जाती है. पारंपरिक मीडिया की अनदेखी का ही असर है कि अखबारों में सिर्फ चार-पांच पॉपुलर नेताओं की ही खबरें दिखती हैं. यह स्थिति हमेशा से नहीं थी. शुरुआत में सोशल मीडिया के जरिए नेता आम लोगों तक खूब पहुंच रहे थे. लेकिन समय के साथ स्थिति बदलती चली गयी.

पहले लोग सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की पोस्ट को पढ़ने जाते थे. अब ऐसा नहीं है. यह सही है कि अब बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक पहले से कई गुना अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं, लेकिन वह देखते क्या हैं, यह जानना जरूरी है. सभी रील देखते हैं. कोई धार्मिक रील देख रहा है, कोई जोक्स देख रहा है, तो कोई फिल्मी गानों पर मचलती नंगई को देखने में व्यस्त है. देखने के मामले में कुछ लोग तो इससे भी आगे बढ़ चुके हैं. सोशल मीडिया का अलगोरिडम भी ऐसा है कि कोई जो देखना चाहता है, उसे सिर्फ वही चीज दिखाई भी जाती है. ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि नेताओं की पोस्ट कौन पढ़ेगा ? यहां पर हम यहां झारखंड के 14 प्रमुख नेताओं के सोशल मीडिया एकाउंट्स की समीक्षा कर रहे हैं. हमने झारखंड के तमाम मंत्रियों, सांसदों व विधायकों के एक्स व फेसबुक प्रोफाइल को चेक किया, उनके पोस्ट का आम लोगों से जुड़ाव बहुत कम दिखा.

हेमंत सोरेन

राज्य के मुख्यमंत्री के एक्स पर 1.1 मिलियन, यानी 11 लाख फॉलोअर हैं. भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के साथ 29 जून को किये गए ट्वीट को पिन कर रखा है. इस पर 737 लोगों ने रिएक्शन दिया है, 2.2 हजार लोगों ने रीट्वीट किया है, 17 हजार लोगों ने पसंद किया है और 6.68 लाख लोगों ने इसे देखा है. 14 सितंबर को इन्होंने करम पर्व की बधाई दी. इस पर 34 लोगों ने रिएक्ट किया, 137 लोगों ने रीट्वीट किया, एक हजार लोगों ने पसंद किया और इसे 13 हजार लोगों ने देखा. फेसबुक पर हेमंत सोरेन के 8.26 लाख फॉलोअर्स हैं. एक्स की तरह ही यहां भी हेमंत सोरेन की पोस्ट को अच्छा रेस्पांस मिलता है.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के एक्स पर 2.82 लाख फॉलोअर्स हैं.

बाबूलाल मरांडी

इन्होंने दो मार्च के पोस्ट को पिन कर रखा है, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी का भाषण है. इस पर 160 लोगों ने रिएक्ट किया है, एक हजार लोगों ने रीट्वीट किया है, 22 सौ लोगों ने पसंद किया है और 4.94 लाख लोगों ने देखा है. बाकी के पोस्ट पर पसंद करने और देखने को छोड़ कोई भी आंकड़ा तीन अंक नहीं छू पाता है. वैसे इनकी अधिकांश पोस्ट भाजपा व भाजपा के बड़े नेताओं के पोस्ट का रीट्वीट ही हैं. फेसबुक पर इनके 3.16 लाख फॉलोअर है. यहां की स्थिति एक्स से कमजोर है. फेसबुक के पोस्ट्स के कमेंट और लाइक तीन अंकों तक नहीं पहुंच पाते.

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के फेसबुक पर 9.1 हजार फॉलोअर्स हैं.

चंपाई सोरेन

इनके पोस्ट पर लाइक की संख्या मुश्किल से तीन अंकों तक पहुंच पाती है, जबकि कमेंट की संख्या दो अंकों तक नहीं पहुंच पाती. एक्स पर 1.80 लाख फॉलोअर्स हैं. 16 सितंबर की पाकुड़ रैली को लेकर की गई पोस्ट पर 10 रिएक्शन आए हैं, 27 लोगों ने रीट्वीट किया, 196 लोगों ने पसंद किया है. इस पोस्ट को 2.6 हजार लोगों ने देखा है. 15 सितंबर को नरेंद्र मोदी के स्वागत में की गई पोस्ट पर 28 लोगों ने रिएक्ट किया, 118 लोगों ने रीट्वीट किया और 1.2 हजार लोगों ने पसंद किया है. 10 हजार लोगों ने इस पोस्ट को देखा है.

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के एक्स पर 2.62 लाख फॉलोअर्स हैं.

अर्जुन मुंडा

15 सितंबर को उन्होंने जमशेदपुर में दिये गए अपने भाषण को पोस्ट किया है. इसे सिर्फ तीन लोगों ने रीट्वीट किया, 16 लोगों ने पसंद किया है और 352 लोगों ने देखा है. जिस वीडियो को उन्होंने ट्वीट किया है, उसे 13 हजार लोगों ने देखा है. बाकी पोस्ट पर भी यही स्थित है. रिएक्शन न के बराबर रहता है, रीट्वीट की संख्या दो अंकों तक और पसंद की संख्या तीन अंकों तक भी नहीं पहुंच पाती है. इनके फेसबुक पर 1.81 लाख फॉलोअर्स हैं. यहां की स्थिति एक्स से भी खराब है.

सुदेश महतो

आजसू पार्टी के सुप्रीमो, पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश महतो के फेसबुक पर 2.45 लाख फॉलोअर्स हैं. लेकिन कमेंट-शेयर की संख्या तीन अंकों के आंकड़े को भी नहीं छू पाती. हां लाइक जरूर कुछ सौ तक होता है, हजार तक नहीं पहुंचते. एक्स पर इनके 71.3 हजार फॉलोअर्स हैं. इन्होंने छह जून को पीएम से मुलाकात की तस्वीर को पिन कर रखा है. इस पर 54 लोगों ने रिएक्शन दिया है, 209 लोगों ने रीट्वीट किया है, 4.3 हजार लोगों ने पसंद किया है और एक लाख पांच हजार लोगों ने इसे देखा है. बाकी पोस्ट को पसंद करने वालों, रीट्वीट करने वालों और रिएक्शन देने वालों की संख्या तीन अंकों तक भी नहीं पहुंचती. देखने वालों की संख्या जरूर कुछ सौ होती है.

आप विधायकों की बैठक में तय होगा नए नेता का नाम

केजरीवाल आज देंगे इस्तीफा नए सीएम पर अटकलें शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा दे देंगे. नया मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर पार्टी के बड़े नेता बिल्कुल मौन साधे हुए हैं. सोमवार को आप नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा अभी नए सीएम के नाम पर चर्चा नहीं हुई है. इस पर फैसला केजरीवाल के इस्तीफे के बाद विधायक दल लेगा.

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि केजरीवाल के इस्तीफा देने के एक हफ्ता के अंदर उनका उत्तराधिकारी सामने आ जाएगा. इस बीच उन्होंने गणित भी समझाया कि कैसे वो सरकार बनाने में सक्षम हैं. भारद्वाज ने बताया कि जैसे ही केजरीवाल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाता है,

नए नेता के चुनाव के लिए विधायक दल की बैठक होगी. नया प्रस्तावित मुख्यमंत्री का चुनाव होने के बाद उप राज्यपाल के पास प्रस्ताव जाएगा. फिर गवर्नर के जरिए निर्वाचित मुख्यमंत्री राष्ट्रपति के पास सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे.

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि 70 सदस्यों की विधानसभा में हमारे पास 60 विधायक हैं. इसलिए चुना गया सदस्य मुख्यमंत्री बनने और सरकार बनाने में सक्षम होगा. उन्होंने कहा कि संभवतः एक हफ्ता के अंदर प्रकिया पूरी हो जानी चाहिए. इसमें पुराने मुख्यमंत्री के इस्तीफा से लेकर नए मुख्यमंत्री की शपथ लेने तक का समय शामिल है. सौरभ भारद्वाज ने बताया कि वो नहीं जानते कि केजरीवाल का उत्तराधिकारी कौन होनेवाला है. उन्होंने भाजपा के उन दावों को खारिज किया, जिसमें बताया गया है कि केजरीवाल क्यों इस्तीफा दे रहे हैं. बीजेपी का दावा है कि कोर्ट ने जमानत पर बाहर आए केजरीवाल पर कुछ पाबंदियां लगाई हैं जिनके कारण ही केजरीवाल पद से इस्तीफा दे रहे हैं. पाबंदिया जैसे केजरीवाल को दिल्ली सचिवालय में जानेकी अनुमति नहीं है, किसी भी फाइल पर साइन करने की अनुमति नहीं है आदि. उधर, मनीष सिसोदिया और राघव चड्ढा भी सोमवार को केजरीवाल से मिले. -शेष पेज 07 पर

ओडिशा सीएम से किया हेमंत ने आग्रह, छात्र की मौत की जांच कराएं

रांची। राजधानी के डोरंडा निवासी छात्र अभिषेक रवि की मौत के मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने पड़ोसी ओड़िशा के सीएम से आग्रह किया है कि वह इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराएं और दोषियों पर कार्रवाई करें. सीएम ने छात्र की आत्मा को शांति और परिजनों को दुःख की विकट घड़ी में सहन करने की शक्ति देने की कामना की.

- रांची के डोरंडा के छात्र की हुई भुवनेश्वर में संदिग्ध मौत

उल्लेखनीय है कि डोरंडा के रविदास मोहल्ले के अभिषेक रवि की मौत ओड़िशा में हो गई है. वह वहां रह कर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था. अभिषेक के पिता अनूप चंद राम हैं. वह शिक्षक हैं. आइटीआर इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रबंधन का कहना है कि अभिषेक की मौत कॉलेज में सीढ़ी से गिरने से हुई है. -शेष पेज 07 पर

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

भारत फाइनल में, आज चीन से खिताबी मुकाबला

एजेंसी। मोका (चीन)

पेरिस ओलंपिक 2024 की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारतीय हॉकी टीम ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन बरकरार रखते हुए एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है.

ओलंपिक के बाद पहला इवेंट खेल रही टीम इंडिया ने सोमवार को हुए सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हरा दिया और एक बार फिर फाइनल में अपनी जगह बनाई. इस तरह मौजूदा चैंपियन टीम इंडिया अपने पांचवें खिताब के और करीब पहुंच गई है. टीम इंडिया की जीत के स्टार एक बार फिर कप्तान हरमनप्रीत सिंह रहे, जिन्होंने दो गोल दागे और टीम की जीत में अहम योगदान दिया. खिताब के लिए अब टीम इंडिया का सामना मेजबान चीन से होगा. चीन के हुलुनबिर में आयोजित इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने लगातार जोरदार प्रदर्शन किया, जो अब तक तक जारी है. लीग स्टेज के सभी 5 मैच जीतने के बाद कोच क्रेग फुल्टन की टीम ने छठे मैच में भी आसानी से जीत हासिल की. -शेष पेज 07 पर

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी को मिले 84 लाख ईमेल और सुझाव

एजेंसी। नयी दिल्ली

वक्फ बोर्ड की शक्तियों की सीमित करने के उद्देश्य से लाए गए वक्फ संशोधन बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया है. इसे लेकर जेपीसी की अब तक चार बैठकें हो चुकी हैं.

इस दौरान जेपीसी की ओर से आम जनता से वक्फ संशोधन बिल को लेकर उनके सुझाव मांगे गए थे. इस मामले में जेपीसी के सामने अब तक करीब 84 लाख सुझाव ईमेल के जरिए आ चुके हैं. इसके साथ ही लगभग 70 बॉक्स लिखित सुझावों से भरे हुए भी संयुक्त संसदीय समिति के पास आए हैं. जेपीसी ने सुझाव देने की आखिरी तारीख 16 सितंबर रात 12 बजे तक के लिए बढ़ा दी थी.

19 और 20 को अगली बैठक : संयुक्त संसदीय समिति की अगली बैठक 19 और 20 सितंबर को होगी. 19 सितंबर को पटना लॉ कालेज के वीसी के साथ ही ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया गया है. 26 से 1 अक्टूबर के बीच देश के 6 बड़े शहरों में जेपीसी के सदस्य जाएंगे और वहां के संभ्रांत लोगों और मुस्लिम संगठनों से राय लेंगे. जेपीसी के सदस्य मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु शहरों में जाएंगे. वक्फ संशोधन बिल के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल हैं, जो बीजेपी से सांसद हैं. -शेष पेज 07 पर

लेखा-जोखा पीएम ने देश के सामने रखा अपने 100 दिन के काम-काज का हिसाब

मेरा खूब मजाक उड़ाया गया, लेकिन मैं चुप रहा: मोदी

एजेंसी। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों का हिसाब-किताब जनता के सामने रखते हुए सोमवार को कहा कि इस दौरान उनका खूब मजाक उड़ाया गया, अपमानित किया गया. पीएम मोदी ने कहा कि वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार काम कर रहे थे और इस वजह से चुपचाप सब सहते रहे. वह अहमदाबाद में विभिन्न विकास योजनाओं के शुभारंभ और लोकार्पण के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे.

पीएम मोदी ने कहा कि 60 साल के बाद देश की जनता ने एक नया इतिहास रचा है. एक सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया. भारत के लोकतंत्र की बहुत बड़ी घटना है. उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान मैंने गारंटी दी थी कि तीसरे टर्म के पहले 100 दिन में देश के लिए अभूतपूर्व फैसले लिए जाएंगे. बीते 100 दिनों में मैंने दिन नहीं देखा, रात नहीं देखी. 100 दिन के एजेंडे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी. देश हो या विदेश जहां भी जो भी प्रयास करने थे, वो किए. कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी. पीएम मोदी ने विपक्ष पर अपना मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपने काम में जुटे रहेऔर इसलिए चुप्पी साधे रखी. पीएम मोदी ने कहा, आपने देखा होगा कि पिछले 100 दिन में जाने कैसी कैसी बातें बोली गईं. मेरा मजाक उड़ाने लगे. मोदी का मखौल उड़ाने लगे. भांति-भांति के तर्क वितर्क बताते रहे, मजा लेते रहे. लोग भी हैरान थे कि मोदी क्यों चुप है. इतनी मजाक हो रहे हैं, इतना अपमान हो रहा है.

15 लाख करोड़ की की योजनाओं पर काम शुरू

मोदी ने कहा, मेरे गुजरात के भाइयों-बहनों यह पटेल की भूमि का बेटा है. हर मजाक-हर मखौल, हर अपमान को सहते हुए एक प्रण लेकर 100 दिन मैंने आपके कल्याण के लिए नीति बनाने में जुटा रहा. तय किया जिनको मखौल उड़ाना है, उड़ा लो, उनको भी तो मौज आए, ले लो, ले लो. मैंने तय किया था एक भी जवाब नहीं दूंगा. जिस रास्ते पर मुझे देश के कल्याण के लिए चलना है, कितने ही हंसी मजाक होते रहें, मैं अपने रास्ते से नहीं हटूंगा. मुझे खुशी है कि सब अपमानों को पचाते हुए 100 दिन में देश के हर परिवार, हर वर्ग के कल्याण की गारंटी पक्की की. इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ से अधिक की योजनाओं पर काम शुरू हुआ. पीएम मोदी ने कहा कि 3 करोड़ परिवारों को घर देने की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है. 70 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी को पूरा किया गया है. इन 100 दिनों में नौजवानों की नौकरी, उनके रोजगार के लिए बड़े फैसले लिए गए. नौजवानों के लिए दो लाख करोड़ रुपए के विशेष पीएम पैकेज की घोषणा की गई. इसका फायदा 4 करोड़ से अधिक नौजवानों को होगा. अब कंपनियों में पहली नौकरी की पहली सैलरी भी सरकार देगी. तीसरे टर्म में पहले 100 दिन में गुजरात समेत पूरे देश में 11 लाख नई लखपति दीदी बनी हैं.

17 विधानसभा क्षेत्रों की महिलाएं और लाभुक हिस्सा लेंगी, महिलाओं को भी सम्मानित किया जाएगा

हेमंत के सम्मान में मंईयां सम्मेलन 22 को, सीएम होंगे शामिल

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन सरकार की योजना मंईयां सम्मेलन का आयोजन 22 सितंबर को रांची के आईटीआई बस स्टैंड बजरा में किया जाएगा. विगत साढ़े चार वर्षों के दौरान महागठबंधन की सरकार में जनता के हित में जितने कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और उससे जितने लोग लाभान्वित हो रहे हैं, उसी को देखते हुए मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेताओं के सम्मान में मंईयां सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है. ये बातें कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने सोमवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

मंईयां सम्मेलन को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में विचार रखते बंधु तिर्की व अन्य.

विस चुनाव में महिलाओं की भागीदारी और मनोबल बढ़ाने का होगा काम : उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में 15 विधानसभा क्षेत्र से हजारों महिलाओं के भागीदारी होगी. जिसमें लातेहार, मनिका, लोहरदगा, गुमला, बिशनपुर, सिसई, सिमडेगा, कोलेबिरा, खूंटी, मांडर, रांची, कांके, हटिया, खिजरी, कोलेबिरा, तोरपा, कोडरमा विधानसभा से महिलाएं भाग लेंगी. इसके अलावा प्रदेश महिला कांग्रेस तथा अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़ी महिलाएं भी शामिल होंगी. इस सम्मेलन के माध्यम से विधानसभा स्तर पर जो महिलाएं कार्य कर रही हैं उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा. इसके माध्यम से आगे आने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भूमिका,भागीदारी के साथ-साथ उनका मनोबल बढ़ाने पर भी चर्चा कर तैयारी की जाएगी.

विधानसभा चुनाव का होगा आगाज

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एसटी एससी ओबीसी एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के कोऑर्डिनेटर के राजू कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष नेटा डिसूजा शामिल होंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है. इसके अलावा कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों, प्रदेश स्तर के नेताओं मोर्चा ,विभाग के नेताओं को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जा रहा है. इस कार्यक्रम से कांग्रेस के विधानसभा चुनाव का आगाज भी झारखंड में होगा.इस मौके पर प्रवक्ता सोनाल शांति एवं निरंजन पासवान भी उपस्थित थे.

बड़कीवाली पार्टी में बउरईनी वर्सेज लाल बबुआ...

खेल रहे तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात वाला खेल

संजय सिंह

अपने अनोखे राज्य में दलबदलुओं को बहार है. कुछ नेताजी लोग तो दल बदले के चक्कर में हेरा-भुला गए. ऊ लोग के गुमशुदगी की सूचना सगरो दे दी गई हैं. लेकिन एगो संथाल इलाके के पुरनका तीर-धनुषधारी रहे हैं, बेचारे तीर-धनुष फेंक के कमल खिलावे के चक्कर में घुसियाए थे, लेकिन ऊ पार्टिया में कोइयो पूछबे न किया, तो खुद के जिंदा रखे लगी कभी-कभार बलि से बाहर कर मीडिया में अंडबंड बोल निकल लेते हैं. लेकिन ई साहिब के बारे में बाद में कभी चर्चा होगी या नहींयो होगी, काहें कि ई नेताजी ऊ लायक हईए न हैं. अभी तो कमल वाला नेताजी लोगन कमल राज्य में कमल खिलावे ला बेचैन है. दुगो आयातित नेताजी लोग दु-चार दिन में टपक जाते हैं, सरकार के अंडबंड बोल कर नकिल लेते हैं, लेकिन ईहां उहे फूल ब्रांड में दुगो दलबदलु महोदय भी हैं, जो एक-दूसर के टंगरी खींचे में जुटल रह रहे हैं. एगो नेताजी के तो ढेरे बउरईनी ढुकल है, तो दूसरवाले बाबू उनके चाल-चलन से लाल भइल हैं. अभी दुनो नेताजी में तू डाल-डाल तो हम पात-पात वाला खेला चल रहल है. पहिले दुनो नेताजी लेग के खेला की चर्चा पार्टिए में होती थी, लेकिन अब तक सभी लोग ई दुनों के खेल से वाकफि हो गए हैं. दुनों नेताजी के बुझाए लगल है कि अबकी कमलवा खिलाइए लेंगे, तो काहें न अभिए से बड़की कुरसी लभभी तिकड़म बइठाइल जाए. दुनो नेताजी में ओकरे लगी कंपीटशिन हो रहल हैं.राज्य में एगो गोल-मटोल गुलथुल बउरइनी धईले नेताजी तनिका ज्यादा ही फुदक रहे हैं. पिछिला के पिछिलका चुनाव में ईनको फूल ब्रांड बड़का नेताजी लोग साईड धरा दीहिस था, मुंह लटकाईले घूमले थे. चुनाव लड़े लगी तड़पड़ाईल थे. जब कोनो उपाय न सूझ रहिस था, तो दूसराका बड़क कहावेवाला दलबदलू नेताजी इनको सहारा दीहिन थे. बउरइनी जी ठीके चुनाव के वक्त कंघी करे लगे. चूल सजा के फेंटा कसे, मैदान में कूदे तो फतह करके ही निकले. लेकिन बउरईनी जी के मन न लग रहिस था. किसी तरह कंघी कईले घूम रहे थे. मौका की तलाश में लगले थे, रघुपति राघव राम के जाप करे लगे. जाप के फल भी मिला और लेले-देले छक्का मार दीहिन. द से दलबदलु हुए, तो पुरस्कारो मिला. मंत्री बन गिए, तो पैरवा धरतिया पर पड़ ही न न रहा था. बेचारे बाबू जी लाल पीयर होते रह गए. खिसियाए, तो अंडबंड बके लगे. फूल पार्टिया के बड़का-बड़का नेतवन के लगे कोसे. बाबू जी संगे दु लोग ताली बजावे ला रह गयया था. लेकिन ई का, कुछे दिन बाद लाले लाल हो रहे बाबू को समझ में आ गिया कि लाल होवे से कुछ न होगा, तो पूरा पार्टिया के लेले-देले कमल खिलावेला चल दिए, लेकिन इनके पुराने साथी दु गो साइडे रहे. अब कमल खिलावे ला गए, तो पुरस्करो मिला. लेकिन इहां बेचारे अभियो बेचारू ही बनल हैं. पहिले जईसन तो पूछ नहींए है, लेकिन जेकरा ऊंगरी धर के आगे बढ़ाए, ऊहे आज उनको ऊंगरी कईले है. दुनो में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा चल रहल है. जेकरा लाल बाबू जी सहारा दीहिन थे, ऊ उनका पैरलल खड़ा हो गया है, तो लाल बाबू जी हांफे लगल हैं. ई दुनो नेताजी जे र रहे हैं, ओकर पार्टिया में तो चर्चा होइए रहिस है, अब तो बाहरे भी लोग जान लगे हैं. दुनो लोग मीडिया में छाये वास्ते बायनवीर बनल हैं. एगो लाल बाबू जब कोइयो मुद्दा पर सरकार पर निशाना साधे का प्लाने करते हैं तो ऊ कियारीधारी नेताजी बउराए लगते हैं. लाल बाबू से पहिले ही ऊ मुद्दा पर एक्स पर निशाना साध देते हैं. बेचारे लाल बाबू तकइत रह जाते हैं. लेकिन करें तो करें का. इ लाल बाबू भी कम न हैं. ईहो ताक में लगल रहते हैं बउरईनी ब्रांड के नशा उतारे में. बउरईनी महोदय अभी आयातित असम ब्रांड चाय के आगे-पीछे पैडल मारले हैं. पटावे में लगल हैं. दरअसल दुनो नेताजी के लगे लगा है कि आयातित ब्रांड के सहारे तीर-धनुष के निशाना फेल करा देंगे. दुनो के नजर बड़की कुरसिया पर लगल है, सो दुनो लोग तेजी से पैडल मारले हैं, तू डाल-डाल, तो मैं पात-पाता वाला खेल खेल रहिन हैं. तुम बड़का कि हम बड़का. दुनो लोग एक मंच पर दिखाई तो देते हैं, लेकिन दुआ सलाम तक ही दोस्ताना रह गईल है. पार्टियो में एकर चर्चा हो रहल है. बाकी मीडिया और एक्स पर दुनो बयानवीर बनल हैं. एक-दूसरे के नीचा देकावे में जुटल हैं. इहे हाल रहा, तो ई लोग तो पार्टिया के नाशे न करेगा.

चुनावी चकल्लस

जेबीकेएसएस से अलग होकर संजय मेहता ने बनायी नयी पार्टी

रांची। साथ-साथ आंदोलनों को धार देने वाले जयराम महतो और संजय मेहता के राह अलग-अलग हो गए हैं. हजारीबाग लोकसभा सीट से जयराम महतो की पार्टी जेबीकेएसएस के उम्मीदवार रहे संजय मेहता ने अपनी नई पार्टी बना ली है. मेहता ने अपनी पार्टी का नाम झारखंड बचाओ क्रांति सेना रखा है. पार्टी के नाम का ऐलान करने के बाद संजय मेहता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि झारखंड को बचाने के लिए नई पार्टी बनाई गई है. साथ ही कहा कि वह चुनाव से दूर रहेंगे. लेकिन अगर कोई इस पार्टी से चुनाव लड़ना चाहेगा तो वह चुनाव लड़ सकता है. इस पार्टी के बैनर तले विस्थापन, नियोजन और स्थानीयता जैसे प्रमुख मुद्दों पर बात होगी. सामाधान का रास्ता नीतियों के आधार पर निकाला जाएगा. बताते चलें कि कुछ दिन पहले संजय मेहता ने जयराम महतो की पार्टी से इस्तीफा दे दिया था.

- जुदा हो गए जयराम और संजय की राह
- नई पार्टी का नाम झारखंड बचाओ क्रांति सेना समिति

स्कूल बसों में महिला शिक्षक या वार्डन होनी चाहिए सुनिश्चित हो कि बच्चे सुरक्षित घर पहुंचे : हाईकोर्ट

विनित आभा उपाध्याय । रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कहा है कि सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्कूल बसों और वैनों में एक महिला शिक्षक तब तक उपस्थित रहे जब तक कि अंतिम बच्चा सुरक्षित अपने घर नहीं पहुंच जाता. दरअसल, झारखंड के अलग-अलग जिलों में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराधों पर रोक के लिए हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता भारती कौशल ने एक जनहित याचिका दायर की था, जिसपर हाईकोर्ट ने पिछले दिनों सुनवाई की थी.

महिलाओ एवं छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता : सुनवाई के दौरान अदालत ने महिलाओ एवं छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी. प्रार्थी के द्वारा अदालत को बताया गया कि सभी प्राइवेट स्कूलों में ड्राइवर और कंडक्टर पुरुष ही होते हैं. बसों में हर उम्र के स्कूली बच्चे और बच्चियां रहती हैं, लेकिन कोई महिला स्टाफ नहीं रहती. इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी स्कूली बसों में एक महिला शिक्षक या वार्डन रहे. प्रार्थी के इस आग्रह पर अदालत ने इस बात पर सहमति जताई है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ अब 18 सितंबर को इस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी. उस दिन अदालत ने राज्य के गृह सचिव, नगर विकास विभाग के सचिव, महिला बाल विकास सचिव, रांची के डीसी, नगर निगम के आयुक्त और रांची एसएसपी को उपस्थित होने का निर्देश दिया है.

हाईकोर्ट में खुलेगा बार काउंसिल का एक्सटेंशन ऑफिस

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में स्टेट बार काउंसिल का एक्सटेंशन ऑफिस जल्द ही खुलेगा. स्टेट बार काउंसिल के एक्सटेंशन ऑफिस के लिए हाईकोर्ट ने जगह उपलब्ध करा दी है. हाईकोर्ट के दूसरे टाइपिस्ट ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर पर एक्सटेंशन ऑफिस के लिए जगह उपलब्ध कराया गया है. एक्सटेंशन ऑफिस खुलने से हाईकोर्ट के वकीलों को काउंसिल से जुड़े काम कराने में काफी सुविधा होगी. स्टेट बार काउंसिल के लिए जो जगह हाईकोर्ट ने दी है, उसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गई है.

जमीन के लिए पैसा लेने वाले परवेज को वापस देने होंगे 12 लाख

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने चेक बाउंस में सजायाफ्ता हिंदपीढ़ी निवासी परवेज आलम की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी क्रिमिनल अपील खारिज कर दी है. सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने अपीलकर्ता के विरूद्ध दोष सिद्धि के निर्णय और सजा के आदेश की पुष्टि कर दी है. परवेज को न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने पांच जुलाई 2024 को चेक बाउंस के आरोप में दोषी करार देते हुए परवेज आलम को एक साल की सजा सुनाई थी और 12 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था. परवेज ने हिंदपीढ़ी निवासी मो. अर्श से 5.50 डिसमिल जमीन दिलाने के एवज में 31 अक्तूबर 2017 को पैसा लिया था. लेकिन पैसे लेने के बावजूद उसे जमीन नहीं दिया. जमीन के एवज में लिए पैसे वापस करने के लिए उसने चार जनवरी 2022 को अर्शी को 10.30 लाख रुपए का चेक दिया. जो बाउंस कर गया. जिसके बाद अर्शी ने 18 जनवरी 2022 को चेक बाउंस का केस किया था.

25 साल कम नहीं होते...सुदेश महतो को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट वायरल

25 साल बीते.... सिल्ली में ना साढ़ू डैम बना न कोई जलाशय

संवाददाता । रांची

आजसू सुप्रीमो और सिल्ली विधायक सुदेश महतो को उन्हीं के इलाके सिल्ली में घेरने की रणनीति चल रही है. जेबीकेएसएस से जुड़े राजू सिल्ली नामक युवक ने एक पोस्ट डाला है. इसमें लिखा है कि सात सालों तक जल संसाधन विभाग मंत्रालय, फिर भी सिल्ली के किसानों को पलायन करना पड़ रहा है ? 25 साल कम नहीं होते, सिल्ली में ना साढ़ू डैम बना न कोई और जलाशय, कौन है जिम्मेदार? इस पोस्ट के साथ एक गाना भी चलाया जा रहा है, जिसके बोल हैं- दुनिया भर को

धोखा देकर कोई नहीं बच पायेगा .इस पोस्ट को 1.2 हजार व्यूज मिल चुके हैं. जिस व्यक्ति ने यह पोस्ट किया है, उसका परिवार कभी आजसू से जुड़ा रहा था. उसके परिवार ने महिला आजसू में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायी, लेकिन अब वह जेबीकेएसएस से जुड़ गया है.

सुदेश महतो उप मुख्यमंत्री तक की कुर्सी तक भी पहुंचे : उल्लेखनीय है कि सुदेश महतो सिल्ली से विधायक हैं. पिछले 25 सालों में चार बार सुदेश महतो ही विधायक रहे हैं. इस दौरान सुदेश महतो उप मुख्यमंत्री तक की कुर्सी तक पहुंचे. उनके रिश्तेदार चंद्र प्रकाश चौधरी अलग-अलग सरकारों में सात साल तक जल संसाधन मंत्री रहे हैं. पोस्ट में इसी पर सवाल उठाया जा रहा है कि इस सबके बाद भी सिल्ली के किसानों की जमीन के लिए पानी की व्यवस्था क्यों नहीं की गयी. क्यों आज भी सिल्ली के किसान पलायन करने को मजबूर हैं.

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को दूसरे जेल में किया शिफ्ट, कारोबारियों से मांग रहा था लेवी

वरीय संवाददाता । रांची

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को रांची से पलामू जेल में शिफ्ट किये जाने की खबर है. सोमवार की सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिनेश गोप को जेल में शिफ्ट किया गया है. सूत्रों के अनुसार रांची जेल में बंद रहकर भी वह कारोबारियों से लेवी मांगने का काम कर रहा था. जिसके बाद जेल प्रशासन ने उसे दूसरे जेल में शिफ्ट करने का निर्णय लिया. बता दें कि दिनेश गोप को एनआइए ने 21 मई 2023 को दिल्ली से गिरफ्तार किया था. उसे ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची लाया गया था.

झारखंड, बिहार और ओड़िशा में 102 से अधिक मामले दर्ज : दिनेश गोप के खिलाफ झारखंड, बिहार और ओड़िशा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआइ के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. झारखंड पुलिस द्वारा दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआइए की ओर से पांच लाख कुल 30 लाख इनाम घोषित था. एनआइए ने 22 मई 2023 को दिनेश गोप को कोर्ट में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी. अदालत ने दिनेश गोप को आठ दिनों के रिमांड पर एनआइए को सौंपा था. पूछताछ के दौरान एनआइए ने दिनेश गोप की निशानदेही पर कई हथियार और गोलियां बरामद किये थे.

पुलिस की गिरफ्त में दिनेश गोप.

एनआईए ने झारखंड पुलिस से डीएसपी रैंक के अधिकारियों की रखी मांग

वरीय संवाददाता । रांची

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने झारखंड पुलिस से डीएसपी रैंक के अफसरों को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का अनुरोध किया है. एनआईए ने इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा गया है कि डीएसपी रैंक के 17 अफसरों की जरुरत है. इन अफसरों की प्रतिनियुक्ति एनआईए के अलग-अलग ब्रांचों में की जायेगी. एनआईए के दिल्ली, रांची, गुवाहाटी, हैदराबाद, मुंबई, लखनऊ, कोलकाता, कोच्चि, रायपुर, चंडीगढ़, इंफाल, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, जयपुर, पटना और अहमदाबाद में प्रतिनियुक्ति होगी.

22 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन : विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर फॉर्म भरे जाने हैं. आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर है. एनआईए में डीएसपी रैंक के कुल 17 पद भरे जाने हैं. इन पदों पर नियुक्ति डेपुटेशन के आधार पर की जायेगी. एनआईए में डीएसपी के पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास किसी भी क्षेत्र में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए और कम से कम तीन वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए.

न पुलिस अधिकारी के हत्यारे मिले, न ही टायर कारोबारी के हमलावर

सौरव सिंह । रांची

राजधानी रांची के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई दो महत्वपूर्ण हत्याओं की गुत्थी अभी तक सुलझ नहीं पायी है. स्पेशल ब्रांच के दारोगा अनुपम कच्छप के हत्यारे अभी भी पकड़े नहीं जा सके हैं. वहीं टायर कारोबारी गोपाल श्रीवास्तव के हमलावर भी फरार हैं. अब तक यह पता नहीं चल सका पुलिस अधिकारी और कारोबारी को गोली क्यों और किसने मारी है.

दारोगा हत्याकांड के 44 दिन हो गये : स्पेशल ब्रांच के दरोगा अनुपम कच्छप की हत्या दो अगस्त को गोली मारकर कर दी गयी थी. तीन अगस्त को खून से लथपथ अनुपम कच्छप का शव कांके थाना क्षेत्र के संग्रामपुर रिंग रोड के पास स्थित एक होटल के समीप से बरामद हुआ था. दरोगा की हत्या को 44 दिन होने को है. लेकिन अब तक पुलिस के हाथ अपराधियों का कोई सुराग नहीं लगा है. 15 पुलिस अधिकारियों की गठित एसआईटी के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं.

टायर कारोबारी के हमलावर अबतक फरार

रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र स्थित लाह कोठी में पिछले साल 11 दिसंबर 2023 को टायर कारोबारी गोपाल श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. पुलिस इस घटना की जांच में जुटी हुई है, लेकिन अब तक पुलिस को इस मामले में कोई सफलता हाथ नहीं लग पायी है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में पुरानी दुश्मनी के कारण ही हत्या की घटना को अंजाम देने की बात सामने आयी है. पुलिस को अपनी जांच में यह पता चला है कि गोपाल का एक युवक के साथ कुछ दिनों से विवाद चल रहा था. पुलिस को आशंका है कि उसी युवक ने गोपाल पर गोली चलायी थी.

अव्यवस्था पशु चिकित्सा परिषद खुद है लाचार, बढ़ी परेशानी

झारखंड में कौन करेगा पशुओं का इलाज!

- 2.36 करोड़ से अधिक पशुधन
- डॉक्टर व स्टॉफ के 604 पद खाली
- 2500 पशु चिकित्सकों की है जरूरत

रवि भारती। रांची

झारखंड में पशुओं का इलाज कौन करेगा? इस पर बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है. प्रदेश में पशुधन की संख्या दो करोड़ 36 लाख 12 हजार 394 है. जिसमें चिकित्सक सहित स्टॉफ के 604 पद खाली पड़े हुए हैं. सब डिवीजनल स्तर पर 20 पद, ब्लॉक ऐनिमल हसबैंडरी ऑफिसर के 194 पद रिक्त हैं. वहीं राज्यभर के 427 डिस्पेंसरी में 390 पशु चिकित्सकों और स्टॉफ के पद खाली पड़े हैं. राज्यभर में पशुओं की संख्या के हिसाब से लगभग 2500 पशु चिकित्सों की जरूरत है. राज्य में गायों की संख्या एक करोड़ 12 लाख 23 हजार 052 है. भैंस की संख्या 13 लाख 50 हजार 323 है. भेड़ों की संख्या छह लाख 41 हजार 183 है. बकरी की संख्या 91 लाख 21 हजार 173 है. जबकि सूकर की संख्या 12 लाख 76 हजार 973 है. नेशनल एग्रीकल्चर कमीशन के गाइडलाइन के अनुसार हर पांच हजार पशु पर एक पशु चिकित्सक का होना जरूरी है.

झोलाछाप पशु चिकित्सकों के भरोसे पशुधन : झारखंड में पशुधन की चिकित्सा व्यवस्था झोला छापा पशु चिकित्सकों के भरोसे है. राज्य में लगभग 2500 से अधिक झोलाछाप पशु चिकित्सक हैं. इन पर लगाम लगाने के लिए राज्य पशु चिकित्सा परिषद का भी गठन किया गया है. इसके लिए 14 पद भी सृजित हैं, जिसमें सिर्फ तीन ही कार्यरत हैं.

किस जिले में कितना पशुधन

जिला	पशुधन	जिला	पशुधन
बोकारो	808353	खूंटी	654854
चतरा	987689	कोडरमा	328157
देवघर	1275081	लातेहार	713575
धनबाद	708115	लोहरदगा	348716
दुमका	1360047	पाकुड़	911927
पूर्वी सिंहभूम	973826	पलामू	1189902
गढ़वा	1246614	रामगढ़	381535
गिरिडीह	1881487	रांची	1654631
गोड्डा	1179066	साहिबगंज	736058
गुमला	1373282	सरायकेला	818663
हजारीबाग	1142773	सिमडेगा	972889
जामताड़ा	784369	पश्चिमी सिंहभूम	1181135

क्लासिफाइड

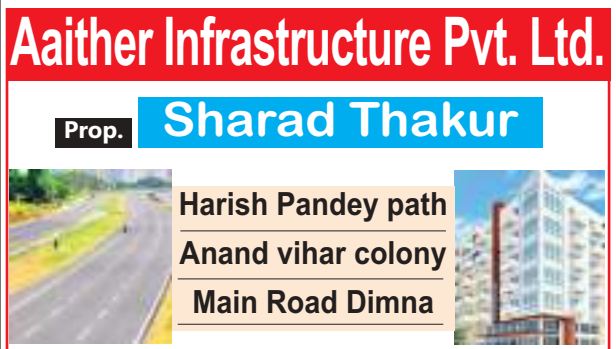

तापमान
23.7° अधिकतम | 21.4° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, मंगलवार 17 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 160 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लगातार बारिश से डैम लबालब,नदियां उफान पर

रांची के रुक्का डैम का बढ़ा हुआ जल स्तर.

गेतलसूद डैम में पानी खतरे के निशान से पांच इंच नीचे

- तेनुघाट और दामोदर नदी का जल स्तर बढ़ा, अलर्ट जारी
- स्वर्णरेखा और खरकई नदी भी उफान पर, जल स्तर बढ़ा

प्रमुख संवाददाता। रांची

पिछले तीन दिनों से झारखंड में हो रही बारिश से डैम और नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है. रांची के गेतलसूद डैम में पानी का स्तर खतरे के निशान से सिर्फ पांच ईंच कम है. बारिश जारी रही, तो डैम के फाटक खोले भी जा सकते हैं. पतरातू डैम के जलस्तर में भी वृद्धि हो गई है. वहीं, तेनुघाट डैम में भी जल स्तर काफी बढ़ गया है. डैम का जल स्तर बढ़ जाने के कारण डैम के छह फाटक खोल दिए गए हैं, जिसके कारण दामोदर नदी का भी जल स्तर काफी बढ़ गया है. कई क्षेत्रों में नदी का पानी भी घुस गया है. तेनुघाट डैम से दामोदर नदी में 12 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड पानी छोड़ा जा रहा है. इसे लेकर नदी के किनारे रहने वालों के लिए अलर्ट जारी किया गया है. फिलहाल तेनुघाट डैम में 848.10 फीट पानी है.

पलामू-गढ़वा में भी नदियां उफान पर : पलामू में लगातार भारी बारिश से जिले के कई क्षेत्रों की नदियां उफान पर हैं. पांडू के बांकी नदी उफान पर है, जिससे बेलहरा गांव के कई घर पानी में डूबे पड़े हैं. गुमटी, किराना दुकान, सैलून समेत कई चीजों के नदी में बह जाने की सूचना सामने आई है. गढ़वा जिले में भी शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण इलाकों में भारी जलजमाव हो गया है. हर ओर बाढ़ जैसा मंजर है. शहरी क्षेत्र में कई घरों के बेसमेंट और पहले तल में पानी घुस गया है. सड़क पर दो-तीन ऊपर पानी बह रहा है. नदियों के उफान और बाढ़ग्रस्त हालात के कारण आमजनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है.

स्वर्णरेखा और खरकई नदी में बढ़ा जल स्तर : लगातार हो रही बारिश से स्वर्णरेखा और खरकई नदी भी उफान पर हैं. दोनों नदियों में जलस्तर काफी बढ़ गया है. नदियों के किनारे रहने वालों से सर्तक रहने की अपील की गई है. साथ ही नदी की ओर नहीं जाने का भी आग्रह किया गया है.

बिरगोड़ा नदी पर बना बांस का डायवर्सन बहा : मांडर के टांगरबसली पचपदा मुख्य पथ पर बिरगोड़ा नदी पर बनाया गया बांस का डायवर्सन तेज बारिश से बह गया. इस वैकल्पिक डायवर्सन के बह जाने के बाद एक बार फिर क्षेत्र में आवागमन ठप हो गया है.

कैबिनेट मंत्री बन्ना गुप्ता ने किया आगाह : नदियों के बढ़ते जल स्तर को लेकर कैबिनेट मंत्री बन्ना गुप्ता ने आगाह किया है. उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर जमशेदपुर डीसी से राहत एवं बचाव कार्य में जुटने का किया आह्वान किया है. कहा है कि लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के कारण स्वर्णरेखा एवं खरकई नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और खतरे के निशान के करीब है. नदी तट पर रहने वाले लोगों से अनुरोध है कि सतर्क रहें. डीसी को कहा है कि मामले में सतर्कता बरतते हुए ऐसे पीड़ितों को चिन्हित करते हुए सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने का उपाय करें. साथ ही उनके रहने, खाने और दवाइयों का भी इंतजाम करें.

गोंदा डैम फिर हुआ लबालब तीनों फाटक खोल दिये गये

गोंदा डैम का खोला गया रेडियल गेट.

- रूक्का और हटिया डैम में तेजी से बढ़ रहा है जल स्तर
- पिछले साल की तुलना में 16 सितंबर को अच्छी बढ़ोतरी

रांची। पिछले 24 घंटे से जारी झमाझम बारिश के बीच रांची के तीनों डैम में पानी के भंडारण की स्थिति काफी अच्छी हो गयी है. कांके का गोंदा डैम फिर लबालब हो चुका है. डैम अपने क्षमता के अनुसार 28 फीट पर पहुंच गया है. डैम के तीनों फाटक को खोल कर वाटर लेबल को नियंत्रित रखा जा रहा है. रूक्का डैम भी अपने क्षमता से पांच फीट नीचे है. डैम का जल स्तर 32.04 फीट पर पहुंच चुका है. वहीं हटिया डैम का जल स्तर 31 फीट तक पहुंच चुका है. अगर पूरी रात इसी तरह बारिश होती रही, तो मंगलवार की सुबह तक और बढ़ोतरी हो सकती है.

आठ अगस्त का जल स्तर

डैम	वर्तमान	पिछले साल	क्षमता
रूक्का	33.04	19.04	36
गोंदा	27.06	15.06	28
हटिया	25.08	25.11	38

16 सितंबर का का जल स्तर

डैम	वर्तमान	पिछले साल	क्षमता
रूक्का	32.04	25.05	36
गोंदा	28.00	18.08	28
हटिया	31.11	26.9	38

जलस्तर फीट में

मैथन, पंचेत व तेनुघाट डैम में तेजी से बढ़ रहा जल स्तर

तेनुघाट डैम का खोला गया रेडियल गेट.

मैथन/कथारा/धनबाद। तीन दिनों से मूसलाधार बारिश के कारण डीवीसी के मैथन एवं पंचेत डैम का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है. दोनों डैम से पानी छोड़ना शुरू कर दिया गया है, जिससे दामोदर घाटी के निचले क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है. मैथन डैम में करीब 64 हजार एकड़ फीट पानी प्रति घंटा दामोदर घाटी के ऊपरी क्षेत्र से आ रहा है, जिसके अनुपात में मैथन डैम से 12,298 एकड़ फीट पानी छोड़ा जा रहा है. इसी प्रकार पंचेत डैम में 93303 एकड़ फीट पानी प्रति घंटे आ रहा है और 38,484 एकड़ फीट पानी छोड़ा जा रहा है.

तेनुघाट डैम का आठ रेडियल गेट खोला गया

लगातार हो रही बारिश के कारण तेनुघाट डैम के आठ रेडियल गेट को खोल दिया गया है. तेनुघाट बांध प्रमंडल द्वारा बताया गया है कि डैम का जल स्तर बढ़ने और डैम पर संभावित दबाव को देखते हुए तेनुघाट डैम के 08 रेडियल गेट को खोला गया है. इससे नदी का जलस्तर बढ़ गया है. निचले इलाके एवं नदी किनारे वाले इलाकों में बाढ़ की संभावना बढ़ गई है. इसको लेकर स्थानीय प्रशासन ने आस-पास के पंचायतों में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत भी दी है.

चांडिल डैम का जलस्तर बढ़ा

चांडिल। बारिश के कारण चांडिल डैम का जलस्तर बढ़ने के बाद ईचागढ़ गांव जलमग्न हो गया है. गांव की सड़कें पानी में डूबी हुई हैं. स्कूल और बासंती मंदिर भी जलमग्न हैं. सड़कों पर घुटने तक पानी भरा हुआ है. चांडिल डैम का जलस्तर बढ़ते हुए डूब क्षेत्र के गांवों में स्थित विस्थापित परिवारों के मकानों की ओर बढ़ता जा रहा है. सोमवार को तीसरे दिन भी सुबह से बारिश होती रही. झमाझम हो रही बारिश के बाद डैम का जलस्तर 181.95 मीटर तक पहुंच गया है. डैम का जलस्तर बढ़ने के कारण

जलमग्न ईचागढ़ गांव.

परियोजना प्रशासन ने छह रेडियल गेटों को एक-एक मीटर तक खोल दिया गया है. डैम का रेडियल गेट संख्या 3, 5, 6, 7, 8 और 12 को एक-एक मीटर तक खोलकर जलस्तर को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है.

दुमका: मसानजोर पहाड़ पर लैंड स्लाइड

लैंड स्लाइड के बाद नीचे गिरे पत्थर से क्षतिग्रस्त दुकानें.

रांची/दुमका। झारखंड में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है. साथ ही तबाही भी मचा रही है. दुमका में भारी बारिश के कारण मसानजोर पहाड़ पर लैंड स्लाइडिंग हुई है. जिसके कारण आवागमन भी ठप हो गया. सड़क से मलवा हटाने का काम जारी है. हालांकि इससे किसी भी तरह के जान माल का नुकसान नहीं हुआ है. सिर्फ दो दुकानें क्षतिग्रस्त हुई हैं. लैंड स्लाइडिंग रानीश्वर के बांसकुली मसलिया सड़क के पास हुई है. इस कारण बांसकुली-मसलिया सड़क पर आवागम ठप रहा.

रामगढ़: दामोदर व भैरवी नदी उफनाई

रजरप्पा में उफान पर बह रही दामोदर व भैरवी नदी.

रामगढ़। इलाके में दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मां दामोदर और भैरवी उफान पर है. रजरप्पा के मां छिन्नमस्तिका मंदिर स्थित दोनों नदियों का संगम स्थल समतल हो गया है. इधर, नदी के किनारे लगे कई दुकानों में नदी का पानी घुस गया है. रविवार की देर रात नदी के तेज बहाव में कई दुकानों की बांस-बल्लियां बह गई थीं. इधर, लगातार हो रही बारिश के कारण सोमवार को मंदिर में श्रद्धालु भी कम आए. भैरवी नदी का जल स्तर इतना बढ़ गया है कि छिलका पुल से ऊपर पानी बह रहा है. सोमवार को श्रद्धालु दो-ढाई किलोमीटर ज्यादा दूरी तय कर चितरपुर के रास्ते मंदिर पहुंचे.

लोहरदगा: जिले की नदियां उफान पर

किस्को प्रखंड के लावापानी फॉल में पानी का रौद्र रूप.

लोहरदगा। लगातार हो रही बारिश के कारण जिले की तमाम नदियां उफान पर हैं. तीन दिनों की बारिश में नदियों का विकराल रूप देखने को मिल रहा है. दक्षिण कोयल नदी, शंख, फुलझर नदी, बंजारी नदी, उपर तुरियाडीह, हेसाग, गम्हरिया, केरार, हुसरू, सुकरी नदी उफान पर है. बराटपुर, बाघा, लालपुर तिगरा, हरमू, थाना टोली, कोयला टोली आदि गांव में जल-जमाव परेशानी का सबब बन गया है. वहीं, किस्को प्रखंड के लावापानी फॉल में भी पानी का प्रवाह बढ़ गया है. कुडू प्रखंड में भी कई नदियां खतरे के निशान से उपर बह रही हैं.

गिरिडीह: बारिश से जमीन धंसी, बना गोफ

बनियाडीह-कबरीबाद सड़क किनारे बना गोफ.

गिरिडीह। गिरिडीह में भारी बारिश से बनियाडीह-कबरीबाद सड़क के किनारे तेज आवाज के साथ जमीन धंस गया. इसके कारण आस-पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई. बताया जा रहा है कि अवैध खनन के कारण जमीन धंस गई. जमीन के धंसने से बड़ा गोफ बन गया. इसको देखते हुए सीसीएल प्रबंधन ने गोफ को भरने का निर्देश दिया है.

लातेहार: एनएच 75 पर डायवर्सन बहा

डुडंगी-होटवाग मार्ग पर क्षतिग्रस्त डायवर्सन.

लातेहार। एनएच-75 पर डुडंगी-होटवाग मार्ग पर एक पुल के पास बनाया गया डायवर्सन बह गया. इस कारण यातायात प्रभावित हो गया. बता दें कि रविवार की रात अचानक नदी में जल स्तर बढ़ने के बाद पानी डायवर्सन के उपर से बहने लगा. इतने में डायवर्सन का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया. लातेहार पुलिस ने ऐहतियात के तौर पर इस मार्ग पर वाहनों का परिचालन रोक दिया. हालांकि, सोमवार की सुबह पथ निर्माण ने डायवर्सन मरम्मति कार्य प्रारंभ कर दिया था. इस दौरान यात्री बस व अन्य वाहनों का परिचालन डायवर्सन के पास बने पुल से धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक कराया जा रहा था.

पलामू : नदियां खतरे के निशान के करीब

पांडू प्रखंड में पुलिया के समानांतर बहता नदी का पानी.

मेदिनीनगर। बांग्लादेश से उठे साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण पलामू में भी लगातार दूसरे दिन बारिश जारी रही. सोमवार की शाम 5:30 बजे तक 20.2 मिमी बारिश दर्ज की गई थी. पलामू जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोमवार को भारी बारिश हुई. इससे कई संपर्क पथ बह गए हैं. पलामू से होकर गुजरने वाली कोयल, अमानत और औरंगा नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है. वहीं, जिले के पांडू प्रखंड में बाकी, धुरिया, झांसी और ढोढरी नदी में उफान पर है. नदी किनारे बसे गांवों में पानी भर गया एवं लोगों के समान बह गये हैं.

संथालपरगना के कुछ भाग को छोड़ कर पूरे झारखंड में जोरदार बारिश

पूर्वानुमान: चार जिलों में आज भी भारी बारिश

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर देखने को मिल रहा है. सोमवार को संथालपरगना के कुछ भाग को छोड़ कर पूरे झारखंड में बारिश हुई. कुछ जिलों में तेज बारिश से नदियों और जलस्रोतों का स्तर भी बढ़ गया. कई डैम के फाटक भी खोलने पड़े. मौसम विभाग ने मंगलवार को भी भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है. 17 सितंबर को चार जिलों में अत्यधिक भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें गढ़वा, पलामू, लातेहार और सिमडेगा शामिल हैं.

वहीं पांच जिलों चतरा, लोहरदगा, गुमला, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. साथ ही रांची समेत सात जिलों रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, हजारीबाग और कोडरमा में येलो अलर्ट जारी किया गया है. वहीं 17 से 18 सितंबर के लिए गढ़वा और पलामू में ऑरेंज अलर्ट और लातेहार व चतरा में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान विभाग ने कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना भी जताई है. 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवा के झोंके चल सकते हैं.

12 घंटों के दौरान कमजोर होगा साइक्लोन: मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को साइक्लोनिक सर्कुलेशन ने झारखंड में प्रवेश किया. साइक्लोन का इंटेन्स प्रेशर पुरुलिया, जमशेदपुर, रांची के आसपास केंद्रित था. इंटेन्स प्रेशर के पश्चिम बंगाल और झारखंड में पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए अगले 12 घंटों के दौरान कमजोर होने की संभावना है. इसके बाद अगले 24 घंटों के दौरान यह झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ में पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखेगा.

सोमवार की शाम राजधानी रांची में बारिश के बीच थमी वाहनों की रफ्तार.

चतरा के टंडवा में हुई सबसे अधिक बारिश

पिछले 24 घंटे में राज्य में मॉनसून गतिविधि अति सक्रिय रही. राज्य में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हुई. सबसे अधिक बारिश 163.0 एमएम टंडवा (चतरा) में दर्ज किया गया. वहीं सिंदरी में 112, चंदनकियरी में 110, लातेहार में 106, जमशेदपुर में 100, जामताड़ा में 92 एमएम बारिश दर्ज की गई. इस दौरान सबसे अधिक उच्चतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया.

रांची में पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर रांची में भी देखने को मिला. रविवार की शाम से शुरू हुई बारिश लगातार 24 घंटे से अधिक तक जारी रही. बारिश से सामान्य जीवन प्रभावित रहा. सड़कों पर चार चक्का वाहन ज्यादा और दो पहिया वाहन कम दिखे. बारिश के कारण शहर के कई नालियों का पानी सड़क पर आ गया. वहीं कई घरों में नाली का पानी घुसने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा.

गढ़वा : नाला में बहने से प्रधान शिक्षक की मौत

रंका/गढ़वा। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण जिले भर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र जलमग्न हो गये हैं. क्षेत्र की नदियां उफान पर हैं. प्रशासन की ओर से लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है. इस बीच रंका थाना क्षेत्र के सेवाडीह खरवार टोला के प्रधान शिक्षक मनोज कुमार सिंह (50) की नाले में बह जाने से मौत हो गई. इस संबंध में रंका थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि शिक्षक मनोज सिंह सोमवार की सुबह करीब 8:30 बजे सेवाडीह बाजार टोला से अपने घर जा रहे थे. इस क्रम में देवी धाम के पास नाला पार करने के क्रम में वे बह गए. उस समय वहां पर कोई व्यक्ति नहीं था, जिसके कारण वे बहते हुए चले गए. स्थानीय लोगों ने उन्हें सेवाडीह-रंका मार्ग के गेरूआ उचरी के नाले के पास कटीली तारों से घिरे नाले में फंसा हुआ देखा, तो पुलिस को सूचना दी. रंका पुलिस ने मौके पर पहुंचे कर मनोज सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया.

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
Birla Knowledge City, Vill – Ara, P.O. – Mahilong,
Ranchi-Purulia Highway, Ranchi – 835103 (Jharkhand)
Phone: 9507035717, 9507035987
E-mail – info@sbpsranchi.com • Website : www.sbpsranchi.com

REGISTRATION FOR ADMISSION (2025-26)

Registration forms for admission in Nursery, KG-I, KG-II, Std. I & Std. IX can be filled and submitted online through the school's official website www.sbpsranchi.com from 16.09.2024 to 15.10.2024. Online registration forms (2025-26) available for provisional admission in Std. XI (Science, Commerce & Humanities). For further details please log on to www.sbpsranchi.com or call front office 9507035717, 9507035987 on working days. (Timing: 08:00 am to 01:00 pm).
BPL/EWS category candidates can apply online through www.rte.dseranchi.com (as per Govt. norms) for admission in Nursery only.

VACANCY FOR TEACHERS (2025-26)

PGT, TGT and PRTs are required for all the subjects including foreign languages.
How to Apply: The eligible candidates are instructed to fill and submit the online application form along with a recent scanned photograph and a brief narrative (500-1000 words) on their professional ideology through the link https://sbpsranchi.in/career on or before 15.10.2024.

Principal

ब्रीफ खबरें

राजद नेता विजय राम ने कई गांवों का दौरा किया

पाटन (पलामू)। राजद नेता पूर्व प्रत्याशी पाटन छतरपुर विधानसभा क्षेत्र विजय राम ने कर्मा पूजा पर पाटन प्रखंड के कई गांव का दौरा किया. इस दौरान नवा जयपुर के ग्राम दुआमा ,रोल ,करमाही, तीसीबार कतरी ,टुईया ,चुरादोहार, महुलिया सिक्की मैरल इत्यादि क्षेत्रों का दौरा कर आदिवासी समाज के अखड़ा में हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए. वहीं अंतु भूईया की धर्मपत्नी के दाह संस्कार में हुए शामिल. साथ में विनोद पासवान, अगस्त तिवारी, विजय यादव, नंदू यादव ,जागो भाई,भोलानाथ कुजूर ,रामनाथ उरांव, शिक्षक जनेश्वर इत्यादि मौजूद रहे.

ऋषीकेश सिंह ने की हुसैनाबाद से दावेदारी

हुसैनाबाद(पलामू)। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने हुसैनाबाद विधानसभा के लिए कांग्रेस से टिकट की दावेदारी की है. झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए रांची पहुंचे कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडानकार, सदस्य प्रकाश जोशी एवं पूनम पासवान के समक्ष हुसैनाबाद विधानसभा के हैदरनगर प्रखंड में खरडीहा गांव के निवासी ऋषीकेश सिंह ने कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए टिकट की मजबूत दावेदारी पेश की है. ऋषीकेश सिंह कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता हैं.

गुरूद्वारा रोड में एक गोदाम में आग लगी

लातेहार। शहर के गुरूद्वारा रोड में एक गोदाम में रविवार की रात अचानक आग लग गयी. स्थानीय लोग और दमकल वाहन के द्वारा आग पर काबू पाया जा सका. गोदाम राजेश कुमार महलका का बताया जा रहा है. श्री महलका ने उताया कि उन्हें रात के तकरीबन साढ़े तीन बजे मोबाइल पर सूचना मिली कि उनके गोदाम में आग लग गयी है. सूचना मिलने के बाद वे यहां पहुंचे तो देखा कि स्थानीय लोग और दमकल विभाग का वाहन आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहा है. थोड़ी देर बाद आग पर काबू पा लिया गया.आग कैसे लगी यह तो जांच के बाद ही पता चल पायेगा.

हाईवा ऑनर एसोसिएशन की बैठक संपन्न

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड मुख्यालय स्तिथ होटल काजरिया में लातेहार जिला हाईवा ऑनर एसोसिएशन की बैठक अध्यक्ष चंद्रदीप प्रसाद की अध्यक्षता मे संपन्न हुई. बैठक में मुख्य रूप से मगध परियोजना से हो रही ट्रांसपोर्टिंग में भाड़ा में लगातार हो रही गिरावट को रोकने पर विचार विमर्श किया गया. तुबैद कोलियरी में स्थानीय वाहन के साथ हो रहे भेदभाव पर भी चर्चा एवं विर्मश की गई. सभी ऑनर ने इसकी निंदा की और इसके लिये विशेष चर्चा करने हेतु एक वृहत बैठक 22 सितम्बर को करने की सहमति बनी.

गौकशी के आरोप में दो गिरफ्तार

कांडी। थाना पुलिस द्वारा दो लोगों को गौकशी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं. घटना थाना क्षेत्र की कुरकुट्टा गांव की बताई जा रही है. प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना पर कांडी पुलिस गांव में पहुंची व दो आरोपी को कटी हुई गाय के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया वहीं दो अन्य आरोपी फरार हो गये. गिरफ्तार आरोपियों में गांव के ही अल्लाहुद्दीन अंसारी व मुमताज अंसारी शामिल है. पुलिस द्वारा इस मामले में कांडी थाना कांड संख्या 84/2024 दर्ज कर दोनों आरोपियों को जेल भेजते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है.

करोड़ों के कोयले की हेरा फेरी : जला कोयला व ओबी मिलाकर भेजा दिया जा रहा है बाहर

फुलवसिया व बालूमाथ साइडिंग पर करोड़ों की हेराफेरी

कमरुल आरफी ।बालूमाथ (लातेहार)

सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड (सीसीएल) द्वारा संचालित एशिया की सबसे बड़ा ओपन कोल माइंस मगध कोलियरी में इन दिनों करोड़ों रुपए का कोयला की हेरा-फेरी जोरशोर से की जा रही है. धंधा पिछले एक माह से अधिक समय से बेरोकटोक चल रहा है.

जानकारी के अनुसार सीसीएल द्वारा संचालित फुलबसिया में प्रत्येक दिन लगभग छह रैक कोयला का ट्रांसपोर्टिंग एवं परिवहन किया जाता है. बालूमाथ सीसीएल की साइडिंग से औसतन तीन रैक कोयला परिवहन किया जाता है. पिछले एक महीने से सीसीएल मगध कोलियरी में निकाले गए ओबी एवं स्टॉक स्थल पर पड़ा जले हुए कोयला को दोनों साइडिंग में गिराकर अच्छे कोयला के साथ मिलाकर धड़ल्ले से भेजा जा रहा है.एक कोयला कारोबारी ने बताया कि एक दिन में दोनों साइडिंग मिलकर लगभग 36000 टन कोयला बाहर भेजा जा रहा है. जिसमें लगभग 10 से 15000 टन जला व ओबी को मिलाकर कोयला भेजा जा रहा है. इस खेल में सीसीएल, ट्रांसपोर्टर व खनन करने वाली वीपीएन कंपनी की मिलीभगत है. बालूमाथ सीसीएल के साइडिंग में जय अंबे रोड लाइंस ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करती है. जबकि फुलवसिया साइडिंग में सैनिक ट्रांसपोर्ट एवं पीएनएम कंपनी (प्रणब नमन) द्वारा ट्रांसपोर्टिंग किया जा रहा है. जो कोयला बाहर भेजा जा रहा है.

महीने में 36 करोड़ के जला कोयला बाहर भेजा जाता है

उसकी कीमत 18 सौ रुपए प्रति टन जीएसटी सहित बताया जाता है. इस तरह देखा जाए तो एक दिन में 36000 में न्यूनतम 10000 टन जले हुए कोयले की भी मिलावट हो रही है. इस प्रकार एक दिन में एक करोड़ 80 लाख रुपए एवं महीने में लगभग 36 करोड रुपए का जला हुआ कोयला को मिक्स कर हेराफेरी की जा रही है. सही तरीके से इसकी जांच की जाए तो आंकड़े चौकाने वाले आ सकते हैं. सीसीएल अधिकारियों, लोडर व कोयला खनन करने वाली कंपनियों के मिलीभगत से स्टॉक स्थल पर आग लगने से जले हुए कोयले का राख और ओबी हाईवा के माध्यम से दोनों कोल साइडिंग तक पहुंचाया जाता है. इसके बाद लोडर के माध्यम से पहले कोयला लोड किया जाता है, फिर जले हुए कोयले के राख और ओबी को एक सतह पर लोड कर उसके उपर कोयला डाल दिया जाता है, ताकि यह पता नहीं चल सके इसमें मिलावट की गयी है. मालगाड़ी के अनलोडिंग के समय सबकुछ मिक्स हो जाता है. जिस वजह से यह मामला पकड़ में नहीं आता. इस मामले पर मगध संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेन्द्रनाथ से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में नहीं है. मगध बहुत बड़ी कोलियरी है जहां से दो चार हाइवा जला हुआ कोयला व ओबी जाता होगा, इससे मैं इंकार नहीं कर रहा. अगर इस तरह की सूचना हो तो मुझे दीजिए, मैं इस पर नियंत्रण करूँगा.

बीडी प्रसाद ने बूथ जीतो चुनाव जीतो का नारा दिया

बैठक को संबोधित करते बीडी प्रसाद व अन्य.

संवाददाता ।विश्रामपुर(पलामू)

विश्रामपुर कार्यालय में नावां प्रखंड के बूथ कमेटी के प्रबुद्ध जन लोगों के साथ ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय बीडी प्रसाद ने बैठक की. बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अपने - अपने बूथ के लोगों के बीच जाकर उन्हें अपने हक अधिकार के लड़ाई के लिए जागरुक करे. लोगों से अपने - अपने बूथ जीतो चुनाव जीतो का नारा देते हुए अपने - अपने बूथ को मजबूत करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि लोगों को ओबीसी के साथ देने के लिए तथा मेरे विचारो को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए .लोगो ने संकल्प लिया की आपकी इस लड़ाई को ओबीसी, एससी और एसटी परिवार के लोगों के बीच जाकर बताना होगा. आने वाले चुनाव में ओबीसी के लोग साथ मिलकर अपने समाज के लोगों को विधानसभा में भेजे.

पलामू प्रमंडल में लगातार बारिश भी नहीं रोक सकी पैगंबर के दीवानों को

सरकार की आमद मरहबा...

संवाददाता ।मेदिनीनगर

गगनभेदी नारों के साथ हुसैनाबाद में निकला जुलूस ए मोहम्मदी

हुसैनाबाद में जुलूस-ए-मोहमदी में शामिल लोग.

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर सोमवार को मेदिनीनगर में भव्य जुलूस निकला. जुलूस का नेतृत्व मोहर्रम इंतजामिया के जनरल जिशान खान व पलामू सदर मुस्तफा कमाल कर रहे थे. जुलूस की शुरुआत सुबह 8 बजे मरकरी मदरसा से शुरू हुई, जो मुस्लिमनगर, लाल कोठा, भट्टी मोहल्ला, कनीराम चौक, सत्तार सेठ चौक, विष्णु मंदिर पंचमुहन, जिला स्कूल चौक होते हुए छहमुहान पहुंचा और वहां से थाना रोड, हॉस्पिटल चौक, कुंड मोहल्ला, मिल्लत मस्जिद रोड होते हुए गम्हैल रोड मरकरी मदरसा पर जाकर फतेह खान दुआ कर जुलूस की समाप्ति की गई. जुलूस के दौरान लोग तकबीर अल्लाह हू अकबर, रिसालत या रसूल अल्लाह हुजूर की आमद मरहबा दिलदार की आमद मरहबा की सदाएं से गूंजता रहा. कई जगह आयोजित कार्यक्रम में मस्जिदों के इमाम ने पैगंबर साहब के बारे में प्रकाश डाला. कई जगह लंगर का भी आयोजन किया गया था. छहमुहान पर आयोजित कार्यक्रम में मदीना मस्जिद के इमाम सैयद राजी अहमद ने कहा कि मुसलमानों को हजरत मुहम्मद के बताए रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची मोहब्बत होगी. सभी मुस्लिम भाई-बहन हजरत मुहम्मद (स) को आखिरी नबी मानते हैं. उन्होंने कहा कि इस्लाम न जुल्म सहने की इजाजत है और न जुल्म करने की. कोई दुश्मन हमारे मुल्क पर उंगली उठाएगा तो उसकी उंगली तोड़ देंगे. जुलूस में मौलाना महताब नुरी, मौलाना एजाज, मुफ्ती मौजीबुल्ला अंसारी, कारी जसीम, मो. बरूहक, मो. कलाम, मो. नेयाज अहमद, मो. असगर हुसैन, टार्जन आलम, जिमी सिद्दीकी, इस्माइल खलीफा, मो. रजी, शमशेर खान, सबलू खान, सोनू खान, आशीफ राइन, इमरान कुरैशी, मासूम अंसारी, सोनू साह, जाफर महबूब, समीम अहमद उर्फ हाजी ललन, सन्नू सिद्दीकी आदि शामिल थे.

संवाददाता ।हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण इलाकों में सोमवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स. अ.) की पैदाइश का जश्न पुरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया. जुलूस की शुरूआत मदरसा खैरुल इस्लाम परिसर से शूरू हुई. हल्की बारिश के दौरान भी सुबह से लोगों की भीड़ मदरसा परिसर में इक्कठा होने लगी. जुलूस ए मोहम्मदी में हजरत मोहम्मद साहब के जीवन और कुरान हदीस से जुड़ी मक्का मदीना की झलक की झाकियां व मस्जिदों के माडल व रोजा ऐ रसूल का मॉडल आकर्षण का केंद्र रहा. जुलूस शहर के इस्लामगंज, लंबी गली, मोकबरा रोड, पुरानी बाजार, गांधी चौक, मधुशाला रोड होते हुऐ कई मुख्य चौक चौराहे होते हुऐ मदरसा खैरुल इस्लाम परिसर में पहुंचा. जुलूस के दौरान बच्चे, युवा बुजुर्ग हाथों में झंडे और बैनर लिए, नबी की शान में नात पाक, सलातो सलाम व नारे गूंजते रहे. रसूल की अजमत का नारा बुलंद करते हुऐ मरहबा, सरकार की आमद मरहबा के नारे बुलंद करते रहे. जूलूस का नेतृव हाजी एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, हाजी अब्बास कादरी, मदरसा खैरुल इस्लाम के अध्यक्ष फिरोज ऊर्फ चंगेज, सचिव, शहजादा खुर्रम खान, मौलाना खुर्शीद नूरी, मौलाना वसीम ख़ान गजाली, असलम रजा नूरी, सुहेब अख्तर कुदुस अंसारी, जुल्फीकार अली कर रहे थे. जुलूस में मोहम्दाबाद, मिर्जापुर, राज टोली, लंबी गली, चिक टोली, खलीफा मोहल्ला, जपला चौबे, दाता नगर समेत कई मोहल्हा, और गांव के लोग शमिल थे. इलाका गूंजता रहा. प्रमुख और निर्धारित मार्ग से होकर जुलूस गुजरा. पुनः उसी उत्साह के साथ निर्धारित जगह पर जुलूस का समापन किया गया. अंजुमन कमेटी ने जुलूस का नेतृत्व किया. जुलूस में कमेटी ने साउंड बाजा के साथ इस जुलूस की शान बढ़ाया. हर चौक पर आलीमों की तकरीर हुई.

मेदिनीनगर। ईद मिलादुन्नबी के मौके पर सोमवार को मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा पोलपोल में भव्य जुलूस निकाला गया. इस दौरान हुजूर की आमद मरहबा सरकार की आमद मरहबा, नारे ए तकबीर अल्लाह हू अकबर के नारे से पूरा के लोगों के द्वारा जुलूस निकाला गया. पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन के अवसर पर मनाये जाने वाले इस पर्व को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहा. भारी बारिश के बीच मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बेतला और पोखरी के मदरसा में पढ़ने वाले बच्चों के साथ जुलूस निकाला. कार्यक्रम में विधायक रामचंद्र सिंह भी शामिल हुए. पोखरी और बेतला में उनका इस्लाम मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भव्य स्वागत किया.

लातेहार। ईद -ए -मिलादुन्नबी के मौके पर बरवाडीह प्रखंड के बेतला और पोखरी ग्राम में मुस्लिम समुदाय

तत्कालीन एसपी अंजनी अंजन के नेतृत्व में बना था ओणम सेतु

मूसलाधार बारिश से पिछले तीन दिनों से टापू बना हुआ है तिसिया

- बूढ़ा नदी के किनारे जंगल में बसा है अक्सी पंचायत का गांव तिसिया

उमेश यादव ।गारू (लातेहार)

लातेहार जिले के महुआडांड़ प्रखंड के अक्सी पंचायत का एक गांव तिसिया है. तिसिया गांव साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण हो रहे पिछले तीन दिनों से मूसलाधार बारिश में टापू बन कर रह गया है. बूढ़ा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण बाहरी दुनिया से तिसिया में निवास करने वाले लोगों का संपर्क कट गया है. बताते चलें कि लातेहार जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर और महुआडांड़ प्रखंड मुख्यालय से 40 किलोमीटर की दुरी पर बुढ़ा नदी के किनारे जंगल में बसा अक्सी पंचायत का एक गांव है तिसिया. लगभग 70 घरों में सात सौ की आबादी पारंपरिक तरीके में जीवन जीने को विवश है. सघन जंगल के बीच आदिम जनजाति के कोरवा समुदाय तथा नगेसिया जनजाति के अलावा यादव समुदाय के लोग निवास करते हैं.

दो सौ सालों से निवास कर रहे हैं : इस गांव में विभिन्न टोला डाडूलबार, हेसलबार, सेंबरखाड़, बरदरा, नवाटोली और खुटी करम है. मुख्य रूप से इस गांव का पहाड़ी क्षेत्र, सेंबरखाड़ तथा बरदास में दस-दस घर केवल कोरवा समुदाय के लोग निवास करते हैं. इस क्षेत्र में कोरवा एवं नगेसिया समुदाय लगभग दो सौ सालों से भी अधिक दिनों से निवास करते आ रहे हैं. जबकि यादव समुदाय के लोग अपने गाय भैंसो के साथ लगभग सौ साल पहले उत्तरप्रदेश, तथा पलामू क्षेत्र से आकर बस गये हैं.

मामूली बीमारी में भी जान गंवानी पड़ती है : हाल ही में तिसिया गांव के बरदारा टोला की रहने वाली ज्योति कोरवा का प्रसव के लिए खटिया के सहारे नदी पार किया गया था. नदी में पुलिया नहीं होने के कारण कई बार मामूली बीमारी में भी जान गंवानी पड़ जाती है. हालांकि बूढ़ा पहाड़ में नक्सलियों के विरुद्ध चलाए जाने वाले ऑपरेशन ऑक्टोपस के दौरान एक विकल्प के तौर पर एसपी अंजनी अंजन द्वारा ओणम सेतू का निर्माण कराया गया था. जो बुढ़ा नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण अनुपयोगी हो जाता है. गांव के लोग बताते हैं की बरसात में नदी में बाढ़ आ जाती है जिसके कारण कभी कभी नमक तेल के बिना ही भोजन बनना पड़ता है. पठारी और पत्थरिला क्षेत्र होने के कारण यहाँ खेतीबारी लगभग नहीं के बराबर होती है.

जोगा रेलवे फाटक के समीप खोद दिया गड्ढा, परेशानी

उंटारी रोड(पलामू)। मुगलसराय रेल खंड के करकट्टा रेलवे स्टेशन से एक किमी पीछे जोगा रेलवे फाटक के समीप रेलवे के अधिकारियों ने जेसीबी के माध्यम से सड़क पर गड्ढा खोदवा दिया गया है. मालूम हो की रविवार की अहले सुबह हुई तेज बारिश से रेलवे ट्रैक पर पानी बह रहा था. जोगा रेलवे फाटक के समीप सड़क पर गड्ढे खोदे जाने से बसडिया मोड़ से होकर जोगा गांव में जाने को लेकर राहगीरों को काफ़ी परेशानी हो रही है. जोगा पंचायत के मुखिया कमला देवी ने बताया कि रेलवे अपना सुविधा को लेकर सड़क पर गड्ढा तो खोदवा दिया लेकिन राहगीरों को आवागमन को लेकर कोई वैकल्पिक व्यवस्था नही किया. उन्होंने बताया कि रेलवे विभाग द्वारा सड़क पर खोदे गए गड्ढे को अभिलंब भरवाएं या सड़क का कोई वैकल्पिक व्यवस्था करे अन्यथा बाध्य होकर आंदोलन का रूप तैयार किया जाएगा. इधर करकट्टा स्टेशन के समीप भी रेलवे ट्रैक के बगल में विभाग द्वारा की गई गड्ढे की खुदाई से लोगों को आवागमन में परेशानी बढ़ गई है.

ईद मिलादुन्नबी पर निकाला गया जुलूस

लातेहार। महुआडांड़ प्रखंड में ईद-मिलाद-उन नबी के अवसर पर जूलूस निकाला गया. झमाझम बारिश के बीच लोग छाता लेकर जूलूस में शामिल हुए. जूलूस सुबह 10 बजे जामा मस्जिद से निकली. शहीद चौक, गुरगुटोली, पोस्ट आफिस रोड होते हुए, शास्त्री चौक गांधी चौक, डिपाटोली होते आजाद बस्ती पहुंचा. इसके बाद जामा मस्जिद पहुंची. जूलूस में जामा एवं गौसिया मस्जिद अंजुमन कमेटी लोग शामिल थे. जामा मस्जिद के इमाम मौलाना रेयाज रिज्वी और गौसिया मस्जिद के मौलाना गुलाम सरवर फ़ैज़ी ने हजरत मोहम्मद साहब की जीवनी से लोगों को अवगत कराया. उन्होने कहा, हजरत मोहम्मद के पैदाईस ने दुनिया को एक नई रौशनी दी. मौके पर हाफिज जिशान रज़ा, कारी गुलाम अहमद रज़ा, वामिक हाफिज, नदीम अख्तर, गयाबी हाफिज शमशीर रज़ा, मस्जिद गौसिया मस्जिद के अंजुमन के सदर इमरान अली मजूल अंसारी, सिक्रेट्री मजहर खान फिरोज अंसारी, खजांची शाहिद अहमद तस्वर आदि शामिल थे.

मधुर वाणी से शिक्षक ला सकते हैं छात्रों में सुधार: डॉ. खान

संवाददाता ।मेदिनीनगर

स्थानीय एमकेडीएवी पब्लिक स्कूल में चल रहे दो दिवसीय सम्भागस्तरीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ. कार्यशाला में डीएवी पब्लिक स्कूल आई जोन के छह जिलों के आठ विद्यालयों के 340 शिक्षक शामिल हुए. कार्यशाला में नई शिक्षा नीति 2020 द्वारा प्रस्तावित प्रावधानों को लागू करने तथा पाठ योजना में शामिल करने की विधियों एवं तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की गई. कार्यशाला तीन वर्गों नर्सरी से दूसरी कक्षा, तीसरी से आठवीं व नवमी से 12 वीं कक्षा तक में विभक्त थी. इन सभी वर्गों में अलग-अलग शीर्षक जैसे खेल-खेल में, एजुकेटिंग द पैरेंट्स अबाउट एजुकेशन, हैप्पी क्लास रूम, पैडागोजी फॉर पीस विषयों के अतिरिक्त सभी विषयों के मास्टर ट्रेनर्स ने अलग-अलग शीर्षको पर गहन चर्चा की. विषयों की दुरूहता, प्रस्तुतीकरण की सहजता व शिक्षण तकनीक के प्रयोग पर विशेष बल दिया गया. डीएवी पब्लिक स्कूल्स झारखंड क्षेत्र आई के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जी एन खान ने कहा कि शिक्षण एक सतत प्रक्रिया है. एक ही तरीके से पढ़ाते पढ़ाते-पढ़ाते शिक्षण की गुणवत्ता को बनाए रखना संभव नहीं है. शिक्षकों को नई तकनीक, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या में बदलाव व बदलते परिवेश के अनुसार अपने शिक्षण तकनीक को नया कलेवर देने की आवश्यकता होती है.

28 को पाटन में जदयू की बैठक, तैयारी जारी

पाटन(पलामू) । 28 सितंबर को जनता दल यूनाइटेड का छतरपुर विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन डाक बंगला पाटन में होगी .उक्त कार्यक्रम में बिहार से कई मंत्री व प्रदेश के नेता उपस्थित होंगे. उसकी तैयारी हेतु पूर्व मंत्री सुधा चौधरी ने जनसंपर्क अभियान चला कर कर कार्यकर्ताओं से संपर्क किया और उन्हें 28 सितंबर को पाटन डाक बंगला में उपस्थित होने को कहा. इस क्रम में निमिया, दुलही, नागेश्वर, दूसरा, पाटन, केलहर, आदि गांव का दौरा कर लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया .दौरा में के क्रम में निमिया दूसरा गांव में शंकर सिंह के पांच भैंसे की मृत्यु के संबंध में घटनास्थल पर जाकर जानकारी प्राप्त की. प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी से बात कर उसे हर संभव सहायता पहुंचाने का भरोसा दिलाए. उक्त जानकारी पलामू जिला जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार दुबे ने दी .

परिचर्चा **इप्टा की सांस्कृतिक पाठशाला में सिद्धेश्वर नाथ ओंकार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर चर्चा**

सिद्धेश्वरनाथ ओंकार अक्खड़ स्वभाव के कवि थे : ओझा

संवाददाता ।मेदिनीनगर

इप्टा की परिचर्चा में शामिल वक्तागण अपनी बातों को रखते हुए.

सिद्धेश्वरनाथ ओंकार बिहार के उत्तरनावां गांव के थे. उनका जीवन काफी संघर्षमय रहा. रोजगार की तलाश में उन्हें डाल्टनगंज आना पड़ा. उनके जीवन और व्यक्तित्व के विकास में उनकी पत्नी मधुर जी का काफी योगदान रहा है. जीएलए कॉलेज के पुस्तकालय में लाइब्रेरियन के पद पर कार्य करते हुए साहित्य की साधना में लग रहे. उनकी कविताएं आग उगलती है. यह आग समाज के उस व्यवस्था के विरुद्ध था जिस व्यवस्था में वह रह रहे थे और संघर्ष कर रहे थे. विडंबना है कि जब उनकी मृत्यु हुई तो उनकी शव यात्रा में साथ जाने वाला कोई नहीं था. स्वभाव से सरल, नेक और अक्खड़ स्वभाव के कवि थे." उक्त बातें पलामू के साहित्यकार एवं साहित्य विषय पर शोध कार्य के क्रम में इप्टा द्वारा संचालित संस्कृतिक पाठशाला के 53वीं कड़ी में " सिद्धेश्वरनाथ ओंकार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व " विषय पर आयोजित परिचर्चा के दौरान व्याख्याता केडी ओझा ने कही. विषय प्रवेश कराते हुए प्रेम प्रकाश ने कहा कि पलामू के साहित्य का इतिहास काफी समृद्ध रहा है. प्रमाण के तौर पर देखा जाए तो साहित्य समाज नामक चौक पलामू के मुख्यालय में ही देखने को मिलेगा. विडंबना इस बात की है कि नाम बदलने के क्रम में उस चौक का नाम आज भारत माता चौक कर दिया गया है. फिर भी उसे साहित्य समाज चौक के नाम से ही पुकारा जाता है. इस इतिहास को समृद्ध करने में कई साहित्यकारों ने अपनी अहम भूमिका निभाई है. इप्टा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य उपेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि सिद्धेश्वर नाथ ओंकार एक जब्बर कवि थे. सभी कवि सम्मेलनों में जाया करते थे. लंबी लंबी कविता सुनाने के कारण कई लोग उन्हें सम्मेलन के दौरान हुट भी किया करते थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व्याख्याता केडी ओझा एवं प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव ने की. पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि संस्कृत पाठशाला के माध्यम से पलामू के साहित्य और साहित्यकार विषय पर जो कार्य किया जा रहा है उसे संग्रहित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा. कार्यक्रम के अंत में रविशंकर ने धन्यवाद प्रेषित किया. इस मौके पर प्रगतिशील लेखक संघ के जिला सचिव नुदरत नवाज, पीयूसीएल के निषाद खान इप्टा के समरेश सिंह, शशि पांडे, संजीव कुमार संजू संजू, गोविंद प्रसाद, सहित अन्य लोगों उपस्थित थे.

द्वितीय कमिश्नरी लेवल कराटे चैंपियनशिप का समापन, अविनाश देव ने कहा

समय की मांग है कराटे का प्रशिक्षण

संवाददाता ।मेदिनीनगर

द्वितीय कमिश्नरी लेवल कराटे चैंपियनशिप का आयोजन संत मरियम किड्स स्कूल चैनपुर में किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने दीप प्रज्वलित कर चैम्पियनशिप का शुभारंभ किया. चैंपियनशिप में पलामू प्रमंडल के विभिन्न विद्यालय के लगभग 200 कराटेकारों ने हिस्सा लिया. प्रतिभागियों में संत मरियम स्कूल के अलावा आनंद मार्ग स्कूल, रोटरी क्लब स्कूल, एलिट पब्लिक स्कूल , ग्रीन वैली इंटरनेशनल स्कूल , इंडियन पब्लिक स्कूल, सनातन विद्या निकेतन, ब्राइट फ्यूचर स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बिश्रामपुर, इत्यादि विद्यालय के कराटेकारों ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा की कराटे आज के समय की प्रासंगिक मांग है. यह एक ऐसी कला है जिसे महिलाओं एवं लड़कियां सिखकर अपनी सुरक्षा कर सकती. चैंपियनशिप का नेतृत्व मुख्य मार्शल- आर्ट्स प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार किया ,जबकि जज एवं रेफरी की भूमिका में सेन्साई सकेन्दर कुमार प्रजापति, सेन्साई संजय कुमार पासवान, सेन्साई अभिषेक कुमार, सेम्पाई नटवर पांडे, सेम्पाई गुनगुन प्रिया, सेम्पाई डोली कुमारी, सेम्पाई संध्या कुमारी, सेन्साई उज्जवल इत्यादि कराटे प्रशिक्षकों ने चैंपियनशिप को सफल बनाने में अपना योगदान दिया. कार्यक्रम में विजेता कराटेकारों को संत मरियम किड्स स्कूल के डायरेक्टर आनंद कुमार ने मेडल देकर सम्मानित किया.

कोको टोली पड़हा टांड़ में पहली बार करम पूजनोत्सव का हुआ आयोजन, उमड़ी लोगों की भीड़

हमारे पुरखामन बड़े विद्वान और कुशल वैज्ञानिक थेः सुखदेव

संवाददाता। लोहरदगा

संसदीय क्षेत्र के कोको टोली पड़हा टांड़ में पहली बार करमा पूजनोत्सव का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद सुखदेव भगत थे.. सांसद का आयोजन समिति ने पारंपरिक ढंग से स्वागत एवं आदिवासी संस्कृति के तहत महिलाओं ने सांसद की गोड़ धोवाई किया. मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सुखदेव भगत ने कहा कि हमारे पुरखामन उस समय स्कूल देखे होंगे या नहीं देखे होंगे लेकिन वे विद्वान व वैज्ञानिक थे. उन्हें पता था कि करम पेड़ 24 घंटा ऑक्सीजन देता है. इसलिए उन्होंने

करमा महोत्सव में शामिल हुए सांसद सुखदेव भगत.

इसे धार्मिक कार्यक्रम से जोड़कर प्रकृति के प्रति लोगों को जागृत करने का काम किया है. आदिवासी होने का हम सबो को गर्व करना चाहिए, क्योंकि आदिवासी समाज के कारण ही पूरे विश्व में पर्यावरण संरक्षित हो रहा है .

श्री भगत ने कहा कि अखड़ा, नगड़ा, मांदर ,नृत्य यह सब आदिवासियों की पहचान एवं पुरखामन की देन है इसे हमें बचा कर रखना है . उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को करमा पर्व की हार्दिक बधाई दिए. कार्यक्रम के दौरान सांसद सुखदेव भगत ने आदिवासी नृत्य कार्यक्रम में भाग लेकर खोड़हा दलों के लोगों को उत्साहित किया. मौके पर कांग्रेस नेता आलोक कुमार साहू, फूलदेव उरांव, बेल सतीश उरांव, दिवान सुनित उरांव, बैगा तेतरू उरांव, पुजार सतीश उरांव, महात्मा उरांव, मनमैत उरांव ,समरित उरांव, जसिंता उरांव, सारिंद्र उरांव,सीमा चट्टा, कमला उरांव सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

इग्नू में नामांकन की अंतिम तिथि 20 सितंबर तक

सिमडेगा। इग्नू के अंतर्गत जुलाई 2024 सत्र में नामांकन एवं पुनः पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है.जानकारी देते इग्नू के समन्वयक डॉ रामकुमार प्रसाद ने बताया कि पुनः पजीकरण के लिए 20 सितंबर 2024 तक 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ आवेदन किए जा सकते हैं. उन्होंने बताया कि सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम को छोड़कर अन्य विषय में 20 सितंबर 2024 तक नामांकन लिए जा सकते हैं. इसके साथ ही साथ सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2024 में सम्मिलित होने के लिए, नौ सितंबर से 15 अक्तूबर को संध्या छह बजे तक परीक्षा प्रपत्र ऑनलाइन इग्नू के वेबसाइट में भरे जा सकते है. उन्होंने बताया कि 16 अक्तूबर से1100 रुपया विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फार्म भरा जाएगा.

न्यूज अपडेट

जिला दुर्गा पूजा समन्वय समिति के अध्यक्ष बने ओम प्रकाश

सिमडेगा। सिमडेगा जिला दुर्गा पूजा समन्वय समिति की महावीर मंदिर में संरक्षक श्यामलाल शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में पुरानी समिति को भंग करते हुए सफल संचालन हेतु नई समिति का गठन किया गया . जहां पर सर्व समिति से ओम प्रकाश साहू को पुनः अध्यक्ष बनाया गया. वहीं सचिव के रूप में अनूप केसरी जबकि कोषाध्यक्ष के रूप में दीपक अग्रवाल उर्फ रिंकू को बनाया गया. उपाध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव,संजय शर्मा,उदय प्रसाद,प्रकाश कुमार लल्ला,अजय प्रसाद, उपसचिव राजेश केशरी,हरि केशरी,घनश्याम केशरी,विष्णु दयाल शर्मा को बनाया. संरक्षक के रूप में अमरनाथ बामलिया, श्यामलाल शर्मा,डीडी सिंह वही मीडिया प्रभारी में नरेश शर्मा,विकास साहू विकास वर्मा को बनाया गया.इस मौके पर बताया गया कि सिमडेगा जिला के सभी पूजा पंडालो पर जिला दुर्गा पूजा में समिति समन्वय स्थापित करते हुए धूमधाम के साथ इस बार दुर्गा पूजा का आयोजन करेगी .

युवा सदन के लिए मोहम्मद दानिश का चयन

लोहरदगा। झारखंड सरकार के खेल एवं युवा कार्य विभाग द्वारा आयोजित युवा सदन में लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से मोहम्मद दानिश अली का चयन हुआ है. वह 27 से 29 सितंबर तक लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र सहित झारखंड के युवाओं से संबंधित मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे. मोहम्मद दानिश अली ने बताया कि उन्हें 15 सितंबर को ई-मेल के माध्यम से पता चला कि झारखंड युवा सदन खेल मंत्रालय, झारखंड सरकार के द्वारा चयनित कर लिया गया है. उन्होंने बताया कि कुछ दिनों पहले ऑनलाइन युवा साइट के माध्यम से फॉर्म अप्लाई किया था. फॉर्म के साथ कई सवालों का जवाब देना था. उनके चयन पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिनव सिद्धार्थ, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुखेर भगत, कार्यकारी अध्यक्ष हाजी शकील अहमद, प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, सचिव शाहिद अहमद बेलू, नाजिम ए आला हाजी जब्बारूल अंसारी, सैयद फिरोज शाह, मोकिम खान आदि ने बधाई देते हुए उनके सुनहले भविष्य की कामना कीं है.

जुलूस ए मोहम्मदी उमड़ा जनसैलाब, मुबारकबाद दी

लोहरदगा। अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी ने बयान जारी कर कहा कि आज ईद मिलादुन्नबी के मौके पे तमाम मुसलमानों को तहे दिल से मुबारकबाद देता हूं. आज 16 सितंबर को लोहरदगा में बहुत बारिश हो रही थी, ऐसा महसूस हो रहा था कि आज का जुलूस ए मोहम्मदी निकालना संभव नहीं है. लेकिन हमारे अंजुमन इस्लामिया के सेक्रेटरी शहीद अहमद बेलू और तमाम मेम्बरों ने मिलकर इस प्रोग्राम को कामयाब बनाया है. उन्होंने कहा कि जब हम लोग निकले थे, जुलूस के शक्ल में तो संख्या काफी कम थी, लेकिन जैसे ही जुलूस निकली, लोहरदगा में जन सैलाब उमड़ पड़ा. इतनी बड़ी तादाद में जुलूस निकाला गया कि ये तारीफे काबिल है और बहुत बड़ा प्रोग्राम हुआ. उन्होंने जुलूस ए मोहम्मदी के कामयाबी पर खासकर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सुरक्षा बलों को और नौजवान कमिटियों को दिल से मुबारकबाद देते हुए आभार प्रकट करता हूं.

सरकार की आमद मरहबा मरहबा नारों से गूंजा कुडू

कुडू/लोहरदगा। हुजूर सल्लाहू अलैहि वसल्लम के पैदाइश दिन के मुबारक मौके पर सोमवार को प्रखंड में जश्न का माहौल रहा। मुस्लिम समाज के लोगों ने धूमधाम से बड़ी सादगी के साथ जुलूस निकाले उलेमाओं ने अपनी तकरीर में देश-दुनिया में अमन-चैन की दुआ मांगी जगह-जगह इस्तकबाल का भी आयोजन किए गए रवाना हुए जुलूस में भीड़ उमड़ पड़ा था बुजुर्ग एवं युवाओं से लेकर बच्चों ने इसमें बड़ी शिद्दत से शिरकत की . सभी लोग अपने हाथ में हरे परचम लहरा रहे थे सबसे आगे उलेमा, बच्चे थे अपने हाथों में तख्तियां, और झंडा लिए चल रहे थे. जुलूस अब्दुल हमीद चोक ब्लॉग मोड़ से शुरू हुई . जुलूस कुडू पुराना पेट्रोल पंप से वापस मस्जिद मोड़ होते हुए रहमत नगर जा पहुंचा, जहां पर दुआओं के साथ समाप्ति हुई. इस बीच जुलूस का जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया, कई जगहों पर समाज के लोग नबी के नारे सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा आदि नारे से पूरा क्षेत्र गूंज उठा.

अकीदत के साथ मना ईद मिलादुन्नबी का त्योहार

गढ़वा। जिला मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में आज सोमवार को अकीदत व मसर्रत के साथ जश्ने ईद मिलादुन्नबी का त्योहार मनाया गया. इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाली. जुलूस-ए-मोहम्मदी की शुरुआत मदरसा तब्लीगुल इस्लाम से की गई. मदरसा तब्लीगुल इस्लाम से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाले जाने के बाद शहर के विभिन्न मोहल्ला के लोग जगह-जगह जुलूस में शामिल हुए. जुलूस में शामिल अकीदतमंद शहर के मुख्य पथ का भ्रमण करते हुए हाजी हनीफ खान के पेट्रोल पंप तक गए. इसके बाद पुनः शहर के मुख्य पथ होते हुए उंचरी रोड स्थित कर्बला के मैदान में पहुंचे. जहां सलातो सलाम का नज़राना पेश किया गया. इसके बाद उपस्थित लोगों के बीच सिरनी तकसीम की गई. ततपश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया.

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील थे श्यामदेव सिंहः डीडीसी

मेदिनीनगर। पलामू जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह के पिता श्यामदेव सिंह के निधन पर सोमवार को उनके पैतृक गांव हुसैनाबाद के महुअरी में ब्रह्म भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया. ब्रह्मभोज कार्यक्रम में प्रशासनिक पदाधिकारी के अलावा कई गणमान्य लोग शामिल हुए. इस अवसर पर मृतक श्यामदेव सिंह की स्मृति में उनके पुत्र आलोक कुमार सिंह उर्फ टुटू सिंह समेत पलामू डीडीसी शब्बीर अहमद, औरंगाबाद के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, राजद प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक संजय सिंह यादव ने लोगों के बीच इमारती व फलदार पौधों का वितरण किया. मौके पर अतिथियों ने कहा कि दिवंगत श्यामदेव सिंह का व्यक्तित्व न सिर्फ सामाजिक था, बल्कि वे प्रकृति प्रेमी भी थे. वे गांव के लोगों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करते थे.

सिमडेगा की दो सीटों पर कांग्रेस के दो दर्जन दावेदार

सिमडेगा। विस चुनाव का बिगुल बजने वाला है. जिले में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों ने अपने अपने स्तर से विस चुनाव की तैयारी में जुट गई है. इधर कांग्रेस पार्टी से सिमडेगा विस से 16 प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश की है. जबकि कोलेबिरा विस से आठ प्रत्याशियों ने दावेदारी ठोंकी है. सभी सदस्यों ने जिलाध्यक्ष के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष को सूची सौंप दी है.सिमडेगा विस से वर्तमान विधायक भूषण बाड़ा, फुल जेंसिया बिलूंग, विशाल तिर्की, शांतिबाला केरकेटटा, जोनसन मिंज, दिलीप तिर्की, पुष्पा कुल्लू, रावेल लकड़ा, नवीन विरेन तिर्की, सीमा सीता एक्का, सायलिन जया एक्का, पुष्पा सेकुंदा टेटे, अनूप लकड़ा,भानू प्रताप बड़ाईक और अनुग्रह टेटे शामिल है. वहीं कोलेबिरा विस सीट से कांग्रेस के वर्तमान विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, शिशिर डांग, अनुराग लुगुनगु, सामरोम पॉल टोपनो, नोमिता बा, पुनित हेमरोम, सिलवेस्टर बा, फ्लेंक जोलिनी समद शामिल है. जिलाध्यक्ष डेविड तिर्की नेबताया कि प्रत्याशियों की सूची प्रदेश अध्यक्ष के अलावेस्क्रीनिंग के पास भी भेज दी गई है.

ब्रीफ खबरें

दुर्गा पूजा मनाने को लेकर कमेटी की बैठक

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत चपरी पंचायत के सिघीताली हनुमान मंदिर के प्रांगण में जय हिंद संघ सिघीताली कमेटी ने दुर्गा पूजा मनाने को लेकर एक बैठक किया. जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाया जाएगा. जिसमें अध्यक्ष जितेंद्र कुमार चौबे, सचिव मनोज कुमार चौबे, कोषाध्यक्ष चंदन कुमार, मुख्य संरक्षक राकेश चौबे, उपेन्द्रनाथ चौबे को बनाया गया है. जबकि सदस्य में रिकू पाण्डेय, रवि रंजन चौबे, निकी चौबे, सुमित चौबे, शुकांत चौबे, सत्यप्रकाश चौबे आदि शामिल थे.

लूना व टेंपो की टक्कर में कई लोग हुए घायल

कांडी। थाना क्षेत्र के कांडी-मझिआंव मुख्य सड़क में चोरांटी पहाड़ के समीप एक लूना व टेम्पू की आमने सामने की टक्कर में दो लोग घायल हो गए. जिसमें लूना चालक युवक गंभीर रूप से घायल है. पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल मझिआंव भेज दी. घायल युवक सतीश कुमार पासवान 20 वर्ष अपने घर मझिआंव थाना के कुन्दरहे से अपनी लूना से कांडी आ रहा था. टेम्पू लमारी की ओर तेज गति से जा रहा था कि चोरांटी पहाड़ के सामने आमने सामने टक्कर हो गयी.

धुरकी पुलिस ने किया महिला का शव बरामद

धुरकी। थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की सुबह खाला गांव में एक कुएं से महिला का शव बरामद किया गया. उक्त महिला की पहचान ग्राम खाला निवासी धनदेव राम उर्फ बबलू राम की 40 वर्षीया पत्नी राधिका देवी के रूप में की गई है. धनदेव ने लिखित आवेदन देकर बताया कि उनकी पत्नी राधिका देवी जिसे फरका बीमारी था जो पहले भी घर से निकल कर कहीं चली जाती थी. फिर अपने आ जाती थी. शनिवार को सुबह इनकी पत्नी घर से निकल कर कहीं चली गई काफी देर तक नही आई.

प्रतिज्ञा यात्रा का कारवां पहुंचा चैनपुर के मतौली

मेदिनीनगर। प्रतिज्ञा यात्रा के सातवें दिन पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी चैनपुर प्रखंड के मतौली, बोड़ी व करसो पंचायत के मतौली गांव पहुंचे. यहां लोगों ने पूर्व मंत्री त्रिपाठी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. श्री त्रिपाठी ने कहा कि पिछले दस सालों में चैनपुर प्रखंड का समुचित विकास नहीं हो पाया. इसका मुख्य कारण यह है कि विधानसभा में जब बजट पारित होता है तो दूसरे जिलों के जनप्रतिनिधि उसे मेजोरिटी के साथ अपने जिलों में ले जाते है और पलामू को पर्याप्त हिस्सा नहीं मिल पाता है .

सरकार की आमद मरहबा, लदार की आमद मरहबा आदि नारों से गुंजायमान हुआ शहर

लोहरदगा जिले में भारी बारिश के बीच निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

संवाददाता। लोहरदगा

पैगम्बर-ए-जहां हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्म दिवस के मुबारक मौके पर सोमवार को शांति एवं सौहार्द के साथ ईस्लाम धर्मावलंबियों ने जश्न-ए-ईद मिलादुन नबी के रूप में मनाया. इस मौके पर अंजुमन ईस्लामिया के निगरानी में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाली गयी. जिसका नेतृत्व मसाजिदों के आइमा-ए-कराम और अंजुमन ईस्लामिया कमिटी के ओहदेदरान व विभिन्न पंचायतों के सदर व सेक्रेटरी कर रहे थे. झमाझम बारिश में हरे रंगों के परचम और खुबसूरत रंग-बिरंगे पताके हाथों में लिये जनसैलाब के रूप में मुस्लिम समुदाय स्थानीय जामा मस्जिद के समीप से होते हुए बड़ा तालाब, बगडू रोड़, तैगी नगर, अमला टोली, सोमवार बाजार, पावरगंज, बाबा मठ, न्यू रोड, महात्मा गांधी पथ, गुदरी बाजार, शास्त्री चौक, तेतर तर, थाना रोड समेत विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः जामा मस्जिद के पास पहुंचे. जहां दरूदो सलाम के बाद जिला समेत देश में शांति, सौहार्द एवं समृद्धि के लिए दुआओं के साथ जुलूस का समापन हुआ. इस दौरान सरकार की आमद मरहबा, सरदार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा, असस्लातो वसस्लामो अलैका या रसूल अल्लाह जैसे नारों से पूरा शहर गुंजायमान

देश में शांति, सौहार्द एवं समृद्धि के लिए मांगी गई दुआएं

लोहरदगा में जुलूस-ए मोहम्मदी में शामिल लोग.

होता रहा. विभिन्न चौक-चौराहों पर जुलूस का स्वागत भी किया गया. जुलूस में अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के सदर अब्दुल रउफ अंसारी, सचिव शाहिद अहमद बेलू, मजलिस ए अम्मा के नाजिम हाजी जब्बारूल अंसारी, नाइब सदर हाजी नईम खान, अनवर अंसारी, सह सचिव अल्ताफ कुरैशी, जामा मस्जिद के इमाम मौलाना शमीम अहमद रिजवी, कुरैशी मस्जिद के इमाम मौलाना अशदक, हाजी व कारी शाहीद साहब, परवेज आलम, मौलाना रेयाजउद्दीन, कारी कलीमुल्ला के अलावा विभिन्न मदरसों के नाजिम पूर्व सदर हाजी मोहम्मद अफसर कुरैशी, हाजी शकिल अहमद आदि के अलावे बड़ी संख्या में लोग शामिल थे. जुलूसे ए मोहम्मदी में शामिल हजरत मोहम्मद के दीवानों को शर्बत, फल, खजूर, चना, चॉकलेट, और पानी पिला कर स्वागत किया गया.

प्रशासन ने किया था सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : जश्न-ए-ईद मिलादुन नबी के जूलूस को लेकर जिले के पुलिस-प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे. हर चौक-चौराहों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षा बल के जवान तैनात किए गए थे. किसी भी अनहोनी को ले स्वयं उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण एवं पुलिस कप्तान हारिस बिन जमां स्वयं मॉनेटरिंग कर रहे थे. इसके अलावे अतिसंवेदनशील इलाकों में एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, डीएसपी समीर तिर्की, सीओ, बीडीओ, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रत्नेश मोहन ठाकुर आदि लगातार पेट्रोलिंग करते नजर आए.

सरकार की आमद मरहबा, मरहबा से गूंजा भंडरा क्षेत्र

भंडारा/लोहरदगा। हुजूर सल्लाहू अलैहि वसल्लम के पैदाइश दिन के मुबारक मौके पर सोमवार को प्रखंड में जश्न का माहौल रहा. मुस्लिम समाज के लोगों ने धूमधाम से बड़ी सादगी के साथ जुलूस निकाले. उलेमाओं ने अपनी तकरीर में देश-दुनिया में अमन-चैन की दुआ मांगी. जगह-जगह लंगर के आयोजन किए गए रवाना हुए जुलूस में जनसमंदर उमड़ पड़ा था बुजुर्ग एवं युवाओं से लेकर बच्चों ने इसमें बड़ी शिद्दत से शिरकत की जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ मुकाम पर पहुंचा. उलेमाओं ने तकरीर पेश की तथा पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के बताए उसूलों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया. जुलूस में शामिल युवा पैगम्बर मुहम्मद मुस्तफा सल्लाहो अलैहि सल्लम के जन्मदिवस पर खुशी का जश्न मना रहे थे सभी लोग अपने हाथ में हरे परचम लहरा रहे थे सबसे आगे उलेमा, बच्चे थे. मदरसों के बच्चे अपने हाथों में तख्तियां, और झंडा लिए चल रहे थे.

कोलेबिरा में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया

सिमडेगा /कोलेबिरा। आज ईद-मिलादुन्नबी के मौके पर कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी अपने विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत कोलेबिरा पहुंच कर अकीदतमंदों से मिले . मुबारकबाद देते हुए कहा कि आज बहुत ही खुशी का मकाम है, क्यों कि हमारे प्रोफेट मोहम्मद का जन्मदिन है. चूंकि प्रोफेट मोहम्मद जन्म के साथ ही पुरे विश्व में उजाला का आभास हुआ, उनके घराने और उनके अनुयायियों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई. उन्होंने प्रेम का संदेश लोगों को दिया. जब इस्लाम का प्रचार प्रसार करना शुरू किए.

लोहरदगा में तीन लोगों को सांप ने डंसा, एक की मौत

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा जिले में बारिश होते ही सर्पदंश के मामले सामने आ गए हैं. अलग-अलग स्थान में तीन लोगों को सांप ने काटा है. जिसमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है. जबकि दो लोगों का इलाज लोहरदगा सदर अस्पताल में चल रहा है. बता दे कि लोहरदगा जिला के अलग-अलग स्थान में एक वृद्ध, एक बच्ची और एक युवती को सांप ने काट लिया. जिसमें से इलाज के दौरान वृद्ध की मौत हो गई. जबकि बच्ची और युवती का लोहरदगा सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है.

लोहरदगा जिला के सदर थाना क्षेत्र के बंजार किस्को गांव के रहने वाले वृद्ध वासुदेव उरांव को सांप ने काट लिया. वासुदेव उरांव अपने घर में सोए हुए थे. तभी उन्हें सांप ने काटा. इसके बाद उन्होंने घर वालों को इसके बारे में बताया. वासुदेव को तत्काल इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल लाया गया. जहां पर इलाज के दौरान वासुदेव की मौत हो गई.वहीं अन्य घटना में लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र के रोरद गांव निवासी जीरालाल उरांव की नौ वर्षीय पुत्री सोनी अपनी सहेलियों के साथ जंगल की तरफ घूमने गई थी. इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया. इसके बाद उसने घर आकर घरवालों को इसके बारे में बताया. उसे तत्काल इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल लाया गया. जहां पर उसका इलाज किया जा रहा है. वहीं तीसरी घटना में लोहरदगा जिला के सेन्हा थाना क्षेत्र के गगेया छापर टोली गांव में दशरथ उरांव की पुत्री सुमिता कुमारी को सांप ने काट लिया. सुमिता को भी इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां पर उसका इलाज चल रहा है.

गंगा-ओ-जमुना तहजीब की मिसाल है गढ़वा : मिथिलेश

- जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल हुए मंत्री,
- लोगों को दी ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद, कराया जलपान

संवाददाता। गढ़वा

जश्ने ईद मिलादुन्नबी का त्योहार जिले भर में अकीदत व मसर्रत के साथ मनाया गया. जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर गढ़वा में आयोजित जुलूस-ए-मोहम्मदी में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल हुए. इस दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से जलपान का स्टॉल लगाया गया था. स्टॉल पर मंत्री श्री ठाकुर ने जुलूस में शामिल लोगों के बीच मिठाई व पानी का वितरण किया. साथ ही गुलाब का फूल दे कर मुबारकबाद दी. तत्पश्चात

जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल मंत्री.

मंत्री खुद भी जुलूस में शामिल हुए.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि गढ़वा गंगा-जमुनी तहजीब का मिसाल है. यहां सभी जाति, धर्म के लोग आपस में मिल जुल कर एक दूसरे का पर्व त्यौहार मनाते हैं. सभी पर्व त्योहारों में हर समुदाय के लोग एक दूसरे को सहयोग करते हैं. होली, दशहरा, मोहर्रम, ईद, ईद मिलादुन्नबी, क्रिसमस सभी पर्व के मौके पर हिंदू, मुस्लिम सभी समुदाय के लोग आपसी सहयोग के लिए जलपान आदि का स्टॉल लगते हैं. उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारा, एकता एवं सद्भावना गढ़वा में बहुत ही बेहतर ढंग का देखने को मिलता है. मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, कंचन साहू, मदनी खान, नीलू खान, संतोष केशरी, दिव्य प्रकाश केशरी, शमीम अंसारी, आशीष अग्रवाल, मासूम खान सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

परेशानी

लोहरदगा में तीन दिनों से कहर बरपा रही है बारिश, कई घर गिरे

आफत की बारिश से जिले की नदियां उफान पर

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

झारखंड के लोहरदगा जिला में पिछले तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से नदियों और तालाबों का जलस्तर काफी बढ़ गया है. सभी नदियां खतरे के निशान से काफी उपर बह रहे हैं. इधर तेज बारिश का पानी लोहरदगा-बेड़ो मुख्य मार्ग पर स्थित सीठियो सेरेंगहातू से गुजरने वाली दक्षिण कोयल नदी पर पुरानी पुल के उपर से बह रहा है. बरही के पास पुलिया से उपर पानी भर जाने से घंटों लोहरदगा-रांची भाया बेड़ो का आवागमन बाधित रहा. लोहरदगा के कई गांवों का संपर्क मुख्यालय से टूट

बारिश के बाद चेक डैम का नजारा.

गया है. लोहरदगा शहरी क्षेत्र स्थित विकटोरिया टैंक बड़ा तालाब में पहाड़ी क्षेत्र से उतरने वाले पानी से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है. सैकड़ों घर जलमग्न होने को हैं. बारिश की वजह से कई लोगों की जान जोखिम में है. कई गरीबों के मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं. लोहरदगा शहरी क्षेत्रों में भी कई जगहों पर जलजमाव से लोगों को परेशानी हो रही है. कुल मिलाकर यह बारिश लोहरदगा में कहर बरपा रही है. साथ ही जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत कुजरा-किस्को भाया होंदगा रोड का पुल टूटने से कुजरा-किस्को का संपर्क टूट गया. यहां पर बता दें कि किस्को प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत खरकी से नवाडीह पंचायत को जोड़ने वाले पुल टूट जाने से लोगों का संपर्क टूट गया है.

लोहरदगा जिले तमाम नदियां उफान पर हैं. उनका विकराल रूप देखने को मिल रहा है. दक्षिण कोयल नदी, शंख, फुलझर नदी, बंजारी नदी, उपर तुरियाडीह, हेसाग, गम्हरिया, केरार, हुसरू, सुकरी नदी उफान पर है. लोहरदगा-भंडरा-रांची रोड पर आवागमन बंद है. पहाड़ी नदियों के तेज बहाव की वजह से नदी और नाले के किनारे लगे सैकड़ों एकड़ पर लगी फसल भी बह गई है. बराटपुर, बाघा, लालपुर तिगरा, हरमू, थाना टोली, कोयला टोली आदि गांव में जल-जमाव परेशानी का सबब बन गया है.

राहत-बचाव कार्य में मुस्तैद हैं जिला प्रशासन की टीम : उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर जिला प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है. जिले के सभी नदियां उफान पर हैं. दक्षिणी कोयल का पानी पुल पर से होकर बह रही है. सुरक्षा के दृष्टिकोण से एसडीओ अमित कुमार मुख्य रूप से लगे हैं. लोहरदगा-बेड़ो मुख्य पथ पर बैरिकेड कर आवागमन रोक दिया गया था.

सिमडेगा में 23 सितंबर से शुरू होगी भाजपा की परिवर्तन यात्रा

संवाददाता। सिमडेगा

भाजपा सिमडेगा में परिवर्तन यात्रा शुरू करने जा रही है. परिवर्तन यात्रा की तैयारी को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक की अध्यक्षता में परिसदन भवन सभाकक्ष में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं संग बैठक का आयोजन हुआ. छत्तीसगढ़ के मंत्री श्री केदार कश्यप और बीरमित्रापुर विधानसभा के पूर्व विधायक शंकर उरांव बैठक में उपस्थित हुए. जिला महामंत्री दीपक पुरी ने बताया कि 23 से 25 सितंबर तक सिमडेगा और कोलेबिरा विधानसभा के प्रखंडों में परिवर्तन यात्रा चलेगा. यात्रा के दौरान रोड शो, नुक्कड़ नाटक और सभा का

छत्तीसगढ़ के मंत्री केदार कश्यप का स्वागत करते भाजपा के लोग.

आयोजन जगह-जगह होगा. 23 को अनिल एंटनी राष्ट्रीय प्रवक्ता और समीर उराँव राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा कोलेबिरा में सभा को संबोधित करेंगे. बानो में रोड शो होगा. 24 को मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ विष्णु देव साय तथा हटिया विधायक नवीन जायसवाल सिमडेगा तथा कुरडेग में जनसभा को संबोधित करेंगे. ठेठईटांगर, बोलबा तथा केरसई में रोड शो किया जाएगा. 25 सितंबर को पालकोट में रोड शो होगा.बैठक में जिला महामंत्री दीपक पुरी, जिला महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव आदि लोग थे.

भाजपा की बैठक में परिवर्तन यात्रा की रूपरेखा पर चर्चा

यात्रा 21 सितंबर से आरंभ होकर 28 सितंबर तक चलेगी

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग भाजपा प्रमंडल की बैठक जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में हुई.

जिला पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा की तैयारी को लेकर हजारीबाग प्रमंडल की बैठक जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में हुई.

इसमें झारखंड बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक शर्मा उपस्थित हुए. बताया गया कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा 21 सितंबर से 28 सितंबर तक चलेगी. आठ दिवसीय परिवर्तन यात्रा यात्रा 695 किलोमीटर की दूरी तय करेगी जो की 9 विधानसभा, 29 प्रखंड से होकर गुजरेगी. इस यात्रा के अंतर्गत दो महाजनसभा, 6 जनसभा, सभा एवं 18 रोड शो का आयोजन होगा. यात्रा का शुभारंभ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी चतरा जिले के इटखोरी में स्थित मां भद्रकाली मंदिर में दर्शन एवं पूजा पाठ के बाद करेंगे. साथ ही सभा को संबोधित करेंगे. इस आठ दिवसीय परिवर्तन यात्रा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, प्रदेश मंत्री सह राज्य सभा सांसद आदित्य साहू, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो मुख्य रूप से शामिल होंगे. यात्रा का समापन 28 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हजारीबाग में एक जनसभा के बाद होगा. बैठक में आठ दिवसीय यात्रा की सफलता को लेकर के चर्चा की गई. इस बैठक में हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, चतरा जिला अध्यक्ष रामदेव भोक्ता, कोडरमा के उपाध्यक्ष, हजारीबाग जिले के महामंत्री सुमन कुमार सिन्हा, सुनील मेहता हजारीबाग जिला के उपाध्यक्ष दामोदर सिंह, सुनील साहू हजारीबाग जिले के भाजपा कार्यालय प्रभारी जितेंद्र जैन, रामगढ़ जिले के महामंत्री राजू चतुर्वेदी, रामगढ़ भाजपा नेता विजय जायसवाल, भाजपा नेता राजेश गुप्ता मुख्य रूप से शामिल हुए. इस खबर की सूचना जिला मीडिया सह प्रभारी विवेक जोशी ने दी.

मुखिया पर जानलेवा हमला अस्पताल में चल रहा इलाज

संवाददाता। चतरा

जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत कोबना पंचायत के मुखिया बबलू कुमार मेहता के ऊपर रविवार की देर रात जानलेवा हमला किया गया.

मुखिया गांव में एक छोटिहारी में सम्मिलित होने गए थे इसी दौरान रात के लगभग 10:00 बजे एक अज्ञात बाइक सवार के साथ पीछे बैठे युवक ने उनकी गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया. हमले में मुखिया गंभीर रूप से घायल हो गए. आनन फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हंटरगंज लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया रेफर कर दिया. हमला करने वाले युवक की पहचान गांव के ही आनंद पासवान के पुत्र सौरभ पासवान के रूप में की गई है. मुखिया के परिजनों का कहना है कि दो दिन पूर्व लीलाजन नदी पर 14 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पुल के शिलान्यास समारोह में मंत्री के साथ शामिल थे. समारोह स्थल पर शिलापट्ट में गांव की ही रहने वाली जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी का नाम अंकित नहीं था, जिसका पुरजोर विरोध करते हुए अध्यक्षा ने मंत्री की साजिश बताया था.

ब्रीफ खबरें

त्योहारों पर शहर में नहीं हुई पानी की सप्लाई

हजारीबाग। सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने जिले उपायुक्त को पत्र लिखकर जानकारी दी है कि हजारीबाग शहर का एक बड़ा हिस्सा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी पर निर्भर करता है. बावजूद इसके तीन दिन से शहर में पीने के पानी की सप्लाई नहीं हुई है. 14 सितंबर को हिंदुओं का करमा पर्व था और आज मोहम्मद साहब का जन्मदिन है. बावजूद इसके अधिकारियों ने पानी और बिजली जैसे मूलभूत आवश्यकताओं पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया, जबकि 14 सितंबर को स्थानीय गुरु नानक पैलेस में शहर के वरिष्ठ पदाधिकारी ने शांति समिति की बैठक आयोजित कर लोगों को आश्वासन दिया था कि पर्व के मौके पर पानी, बिजली और शहर की सफाई में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी, लेकिन हुआ उल्टा.

तीन दिन की बरसात में गिर गए आठ घर

चौपारण। तीन दिन से लगातार मूसलाधार बारिश ने प्रखंड में लगभग आठ गरीब परिवार का कच्चा घर गिर गया. इस दौरान एक मिट्टी का घर गिरने से चार बच्चे दब गए. शुक्र है कि कोई हताहत नहीं हुआ. सभी भुक्तभोगी अपने परिवार के साथ रहता था. वहीं सोहरा में गिरे घर के संबंध में दैहर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि नागेंद्र कुमार ने बताया कि प्रतीक्षा सूची में नाम नीचे रहने के कारण दोनों को अभी तक अबुआ आवास नहीं मिला है. वहीं गोबिंदपुर पंचायत के लराही में जीतन यादव, चोरदाहा पंचायत के ग्राम नावाडीह में सुकर गंझू, भगहर के मालती देवी पति स्व. लखन दांगी, लोहरा के नारायण भुइयां, पिता बालेश्वर भुइयां, भंडार में नगिया देवी पति स्व. राधे साव, नगीना देवी पति मुकेश दांगी का घर बारिश से गिर गया है.

जेवरात चोरी के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले चोर गिरोह और चोरों से जेवरात खरीदने वाले दुकानदार को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की पहचान ब्राम्बे हाउस जबरा निवासी इरशाद अंसारी उर्फ रोमियो, पिता स्व कैशर खान, मो जफर हुसैन, पिता मो रकीब अंसारी, फुरकान साह, पिता हदीश साह, कमल प्रसाद मेहता, पिता चंद्र प्रसाद मेहता, रामगढ़ के गोला निवासी दीपक कुमार स्वर्णकार, पिता स्व कालीचरण स्वर्णकार के रूप में हुई है. इस संबंध में पुलिस ने कोर्रा थाने केस दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. एसपी ने बताया कि 29 अगस्त को विकासनगर दिपुगढ़ा निवासी प्रभावती देवी के मकान में चोरी होने के संबंध में प्राप्त आवेदन के आधार पर केस दर्ज किया गया था.

बदबू और गंदगी से आम लोग हुए परेशान, नगर निगम बेपरवाह

बारिश के बाद सड़क व गली में पसरा कचरा घरों में घुसा

संवाददाता। हज़ारीबाग़

जिले में 24 घंटे से हो रही बारिश ने आम लोगों को अस्त-व्यस्त कर दिया है. कहीं सड़क पर घुटने भर पानी जमा है, तो कहीं नाली का पानी सड़कों पर बह रहा है. हालांकि अब बारिश धीरे-धीरे कम हो रही है, लेकिन उसके बाद भी शहर के जो हाल देखने को मिल रहे हैं उससे शहर का हर व्यक्ति परेशान है. जहां देखो वहां सड़कों पर गंदगी फैली नजर आ रही है, लेकिन इसको साफ कराने का जिम्मा रखने वाले अधिकारी कुंभकरणी नींद में सो रहे हैं और सफाई नहीं कराई जा रही है. सफाई कर्मियों की हड़ताल टूटी लेकिन सफाई अभियान में वो गतिशीलता नहीं दिखी जो दिखनी चाहिए थी.

बता दें कि सफाई कर्मियों की हड़ताल से पूरे शहर में कचरा पसरा था. हड़ताल को खत्म हुए तीन दिन हो गए थे, बारिश का अलर्ट लगातार आ रहा था उसके बावजूद नगर निगम के अधिकारियों ने सफाई को लेकर वो तत्परता नहीं दिखाई जो दिखानी चाहिए थी. परिणामस्वरूप शहर में का कूड़ा तेज़ बारिश के बहाव में सड़कों के बीच, गलियों में और घरों में प्रवेश कर गया है. अभी जहां देखो वहां नालियां चोक हैं, शहर की छोटी से छोटी गली भी गंदगी से पटी पड़ी है. बारिश में सड़कें गंदगी से लबालब हो गयी हैं. सड़कों पर आधा-आधा फिट तक पानी बह रहा है, जितनी देर बारिश होती है उतने समय तक लोग मजबूरी में घर से बाहर नहीं निकल पाते हैं. लोगों की कई शिकायतों के बाद भी नगरपालिका की नींद नहीं खुल रही है. ऐसी स्थिति में लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है. शहर के कोर्रा थाना की घासी मोहल्ला की दर्जनों शिकायत मिलने के बाद भी कूड़े की सफाई नहीं की जा रही है जहां करीब आधा फिट तक सड़क पर पानी भर जाता है। जलभराव वाली जगहों की जानकारी होने के बाद भी अधिकारी इस ओर ध्यान देना नहीं चाहते हैं. शहर के ओमपुरी रोड, मटवारी चौराहा, हुडहुडु रोड, पंडित जी रोड, कल चौक, हिंदू स्कूल गली, सेठ मोहल्ला चौक, बड़ा बाजार की मुख्य सड़क पर स्थित नालियां तक साफ नहीं की गई हैं. ऐसे में पूरे सदर विधानसभा क्षेत्र के लोग बदबू से परेशान हैं. इस क्षेत्र के दुकानदार भी बदबू से परेशान हैं. बदबू के कारण उनकी ग्राहकी पर असर पड़ रहा है. दुकानदारों का कहना है कि यदि जल्द से जल्द नगरपालिका द्वारा नालियों की सफाई नहीं कराई जाती है तो सभी दुकानदार नगरपालिका में जाकर धरना देने के लिए मजबूर हो जायेंगे. वहीं इस संबंध में कई शहर वासियों ने बताया कि नगर निगम के आधे सफाई कर्मी अब नगर निगम के बाबू बन चुके हैं. कुछ सफाई कर्मी है जो समय-समय पर सफाई करते देखे जाते हैं. शहर वासियों ने यह भी बताया कि अभी करमा खत्म हुआ है. रोड में दर्जनों लोग करम बेच रहे थे और जो नहीं बिका वह भी सड़क के किनारे ही फेंक कर चले गए. जनप्रतिनिधि भी मौन धारण किए हुए हैं, जबकि नगर निगम पर जनप्रतिनिधियों को ध्यान होना चाहिए न कि वह केवल अपने ही प्रचार प्रसार करते रहे.

मोहम्मद साहब के पाठ को हम सबों को है आत्मसात करने की जरूरत : यशवंत

संवाददाता। हजारीबाग

अटल विचार मंच के संस्थापक सह पूर्व वित्त, विदेश मंत्री यशवंत सिन्हा ने ईद मिलाद उन नबी के पावन अवसर पर समस्त मुस्लिम समुदाय को शुभकामना देते हुए अपने संदेश में कहा कि आज ही के दिन पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म हुआ था, उनके जन्मदिन को मुस्लिम समाज बड़े ही हर्ष और उल्लासपूर्वक सदियों से मनाता आ रहा है. उन्होंने आगे कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब ने सारी दुनिया को इंसानियत का पैगाम दिया था जिस पर आज हम सबको चलने की आवश्यकता है. उन्होंने अपने पैगाम के अनुसरण करने के लिए इस्लाम धर्म की स्थापना की. उन्होंने इंसानियत का जो पाठ दिया था उसको आज हम सबों को आत्मसात करने की आवश्यकता है. उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही हमारा मुल्क तरक्की की ओर अग्रसर करेगा. जो लोग आज विकास के रास्ते में पीछे छूट चुके हैं उन्हें आगे लाने की आवश्यकता है. इसके साथ ही उन्होंने अटल विचार मंच की ओर से विश्वकर्मा पूजा और अनंत पूजा की शुभकामना भी लोगों को दी है. उक्त जानकारी अटल विचार मंच के मीडिया प्रभारी अनिल सिन्हा ने दी.

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने मिलाद उन-नबी की दी लोगों की शुभकामना

हजारीबाग। मिलाद-उन-नबी के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं देकर सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया. सुजैत चौक में कांग्रेस के मुन्ना सिंह ने मुस्लिम समाज के भाइयों के साथ इस पर्व को उत्साह के साथ मनाया. उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से आए जुलूसों का स्वागत किया. इस अवसर पर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, नगर उपाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद, रितेश तिवारी, युवा कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता, सादब, रेयान, बबलू सिंह, पप्पू सिंह, प्रासाद, पिंटू, खान साहब, अशोक यादव, विक्की कुमार धान इत्यादि उपस्थित रहे.

ईद मिलादुन्नबी पर निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

संवाददाता। चतरा

चतरा में जुलूस-ए-मोहम्मदी में शामिल लोग.

शहर में सोमवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन पर ईद मिलादुन्नबी धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर जुलूए-ए-मोहम्मदी निकाला गया, जिसमें काफी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने भाग लिया. जुलूए-ए-मोहम्मदी मखदुम यहिया मनेरी मस्जिद से निकाली गयी, जो पोस्ट ऑफिस, गुदरी बाजार होते हुए केशरी चौक पहुंचे. इसके बाद पुनः जुलूस मस्जिद वापस लौट गये, जहां सलातो सलाम पढ़ा गया. जुलूस के दौरान नबी की शान में नात पढ़ा गया. सरकार की आमद मरहबा दिलदार की आमद मरहबा, अल्लाह हू अकबर समेत अन्य नारे लगाये. इस मौके पर लोगो ने हजरत मोहम्मद साहब के बताये रास्ते पर चलते हुए इंसानियत को बनाये रखने का संकल्प लिया. सैय्यद सदरुद्दीन अहमद के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया. मौके पर सैयद अफताब अहमद, जुनैद खान, मो. जावेद, मो तसलीम, अरशद खान, मो मोहसीन, मो खुशिंद समेत अन्य मुस्लिम धर्मावलंबी शामिल थे.

कांग्रेस नेता ने सदर विधानसभा क्षेत्र की खुटरा एवं पबरा पंचायत का दौरा किया

अनाज की जगह युवाओं को रोजगार एवं मुफ्त शिक्षा दे सरकार : डॉ. मेहता

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस नेता डॉ आरसी प्रसाद मेहता ने सदर विधानसभा क्षेत्र की खुटरा एवं पबरा पंचायत का दौरा किया. इस दौरान मुखिया नारायण कुशवाहा, मो. सरकार, संजय रविदास, शिवकुमार मेहता, टिंकू भुइयां, राजू मेहता, विक्रम रविदास साथ रहे. खुटरा में डॉ मेहता ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार से गुजारिश है कि पांच किलो अनाज की जगह नौजवानों को रोजगार एवं निशुल्क स्वास्थ्य एवं शिक्षा दे.

उन्होंने कहा कि वैसे झारखंड सरकार सभी समाज के हितकारी है. दर्जनों योजनाएं जैसे- नौजवान वकीलों को 5000 रुपये प्रति का प्रतिमाह देना, सीनियर वकीलों को 7000 प्रतिमाह पेंशन देना, मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास, सखी सहायता, महिला ग्रुप योजना, हजारों हजार, नियुक्तियां, 2 लाख तक कृषि ऋण माफी, 200 यूनिट बिजली निशुल्क मुख्यमंत्री असाध्य योजना, ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण बिल प्रस्ताव पारित करना, पारा शिक्षकों को सहायक शिक्षक एवं होमगार्ड को सहायक पुलिस का दर्जा देना तथा तीन गुना वेतन बढ़ाना, सोबरन साड़ी धोती, छात्रों को दोगुनी छात्रवृत्ति, प्रखंड से शहरों तक बस सेवा, बेरोजगारों रोजगार, बोलोरो गाड़ी देना, कृषि संबंधी सामग्री एवं दुधारू पशुओं पर 80 प्रतिशत के सब्सिडी देना इत्यादि योजनाएं झारखंड वासियों के लिए खुशिहाली दायक है. डॉ चूड़ामणि डांगी ने कहा कि सरकार की योजनाओं की संपूर्ण भारत में प्रशंसा की जा रही है, जबकि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण लाखों सरकारी नौकरियां समाप्त हो चुकी हैं. अनेकों उपकरण या तो बंद हो चुके हैं या गुजरात के धनाढ्य व्यापारी खरीद रहे हैं, जबकि झारखंड सरकार अनेक नौकरियां दे रही हैं. मुखिया नारायण कुशवाहा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार किसान, बेरोजगार एवं महिला विरोधी है, जिसका जल्द पतन होगा. कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ सिपी दांगी, मनोज मेहता, प्रो भुवनेश्वर महतो, संजय रविदास, राजकुमार कुशवाहा, नारायण कुशवाहा, सुरेंद्र मेहता, रवि यादव, छोटू कुशवाहा, बालेश्वर महतो, बबलू मेहता, अशोक मेहता, मौलाना मुख्तार, राजू दास, नरेश, दीपक, राजू इत्यादि मौजूद थे.

120 से भी ज्यादा सीबीएसई विद्यालय और लगभग 1500 खिलाड़ी ले रहे भाग

चार दिवसीय वालीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता। हजारीबाग

वालीबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित अतिथि.

बस स्टैंड स्थित संत स्टेफेन प्लस टू स स्कूल में सोमवार को वालीबॉल की चार दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआईजी राकेश रंजन लाल, एडीएम बीएसएफ हजारीबाग हरेंद्र नारायण, कमांडेंट 02 बटालियन सीआईएसफ रांची शेखर बोस, सेक्रेटरी झारखंड वालीबॉल एसोसिएशन सह अंतर्राष्ट्रीय कोच एवं लोकेश ब्रांगे प्रोविजनर आइएएस अधिकारी ने संयुक्त रूप से किया. यह प्रतियोगिता जोनल स्तर के सीबीएसई क्लस्टर' 03 की ओर से आयोजित की गई. इसमें बिहार झारखंड से लगभग 120 से भी ज्यादा सीबीएसई विद्यालय और लगभग 1500 खिलाड़ी एवं डेढ़ सौ से भी ज्यादा टीम मैनेजर, कोच भाग ले रहे हैं.

सेंट स्टीफेंस स्कूल प्लस टू के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान प्रस्तुत किया एवं उसके पश्चात अद्भुत नृत्य कौशल का भी प्रदर्शन किया. इस आयोजन में आए अतिथियों ने भारी बारिश के बीच कहा कि इस प्रकार के खेलकूद एवं आयोजन से सभी खिलाड़ियों का शारीरिक, मानसिक विकास होता है, प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत होती है और सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए. उन्होंने इस आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों, छात्रों एवं आयोजकों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद इस प्रकार के आयोजन को करना आसान नहीं होता. हालांकि बंगाल की खाड़ी में आए साइक्लोन की वजह से हुए कई दिनों की लगातार बारिश ने इस आयोजन में खलल डालने की भरपूर कोशिश की, परंतु फिर भी खिलाड़ियों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के सब्र, जोश और जुनून से भारी बारिश के बावजूद डटे रहे एवं आयोजन के आरंभ को सफल बनाया. भारी बारिश की वजह से आज के सारे मैच अगले दिन के लिए स्थगित किए गए हैं, जिन्हें इस टूर्नामेंट के अगले निर्धारित दिनों में संपन्न कराया जाएगा.

सेंट स्टीफेंस स्कूल प्लस टू की प्राचार्या कल्पना बारा ने अपने संबोधन में कहा कि जीवन में कई मुश्किलें आती है परंतु सब्र और जुनून से इन मुश्किलों से पार आ जाना ही जीवन है, खेलकूद कला संस्कृति एक छात्र के संपूर्ण विकास का स्तंभ है एवं सभी को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए. साथ ही साथ उन्होंने इस आयोजन में आए सभी अतिथियों खिलाड़ियों छात्र-छात्राओं का सहृदय स्वागत किया एवं हौसला बढ़ाया.

कार्यक्रम अपनी मांग को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से मिलेंगे सवंदेक

हजारीबाग संवेदक संघ ने स्थापना मनाया दिवस

संवाददाता। हजारीबाग

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोग.

संवेदक संघ ने सोमवार को केनरी इन होटल में स्थापना दिवस मनाया. कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान के साथ हुई. उसके पश्चात केक काटकर कार्यक्रम को गति दी गई. सभी संवेदकों के बीच 10 प्रतिशत अधिकतम न्यूनतम राशि की मांग के लिए अपनी वचनबद्धता जताई. सभी संवेदक अधिक से अधिक संख्या में मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी मांग को रखेंगे.

इस अवसर पर संवेदक संघ के अध्यक्ष दीपक कुमार मेहता ने कहा कि अपनी मांग को लेकर पुणः एक बार मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव सहित अन्य विभाग को ज्ञापन दिया जायेगा. दस प्रतिशत की अधिकतम सीमा को हटा देने और ग्रामीण विकास कार्य विभाग में छोटे-छोटे ग्रुपों को जोड़कर पैकेज कर देने से छोटे-छोटे संवेदकों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है. ऐसी स्थिति में छोटे संवेदक को एक भी काम नहीं मिल पा रहा है. पिछले एक वर्ष से कई ऐसे संवेदक हैं, जिनको काम नहीं मिला है. ठेकेदारों के समक्ष आर्थिक स्थिति उत्पन्न हो गई है. इस लड़ाई में सभी संवेदक को एक साथ मिलकर चलना होगा, तभी हम सफल हो पायेंगे. संरक्षक दीपक कुमार ने कहा कि निविदा में दस प्रतिशत तक ही अनुसूचित दर से डालने की सीमा निर्धारित किया जाये. हम सभी संवेदक एक साथ मिलकर सरकार से मांग करेंगे. सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की गई तो झारखंड के सभी जिलों के संवेदक एकजुट होकर मुख्यमंत्री व विभाग के मंत्री से मुलाकात करेंगे. कार्यक्रम का संचालन करते हुए मुकेश कुमार ने कहा कि अगर सरकार दस प्रतिशत की सीमा को यथावत नहीं रखती है तो हजारीबाग संवेदक संघ से जुड़े लोग आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे. मौके पर सचिव मुकेश कुमार, संरक्षक दीपक कुमार, अजय कुमार सिंह, संजय उपाध्याय, उपाध्यक्ष विशेश्वर यादव, कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता, चित्रगुप्त सिंह, बहादुर पटेल, दिनेश मेहता, विपिन मेहता, सुजीत मेहता, बालेसर मेहता, पवन पांडे, रविंद्र सिंह, वसंत प्रजापति, अखिलेश नायक, संजय सिंह, बादल कुमार, मनोज कुमार, संजय यादव, प्रदीप मेहता, अशोक मेहता, नीरज सिंह, प्रकाश कुशवाहा, पंकज सिंह, पारस कुशवाहा, राजेंद्र प्रसाद, बालकिशन कुशवाहा, अखिलेश नायक, बादल कुमार रामचंद्र, यादव संजय अकोरी, छोटन प्रसाद, जयप्रकाश मेहता, प्रदीप पांडे अरुण कुमार, मोहम्मद असलम, मोहम्मद कलीम खान, दीनानाथ यादव, महावीर यादव, पुरुषोत्तम सिंह सैकड़ों संवेदक सहित अन्य उपस्थित थे.

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के पास धरना

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोमवार को चिकित्सा व्यवस्था को लेकर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज, अस्पताल के अधीक्षक कार्यालय के निकट विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया गया. इस संबंध में धरनारत लोगों ने बताया कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में इलाज के लिए गरीब और माध्यम वर्ग में लोग आते हैं, लेकिन इस परिसर की व्यवस्था से लोग परेशान हैं. इलाज के नाम पर लोगों को रोज ठगा जा रहा है. अस्पताल कर्मी ही उन्हें बहला फुसलाकर कर प्राइवेट डॉक्टर और नर्सिंग होम में भर्ती करा रहे हैं. हर दिन इलाज में गड़बड़ी के कारण मरीजों की मृत्यु हो रही है. धरने में मनोज गुप्ता, गणेश सीटू, राजेश मिश्रा, अर्जुन यादव आदि मौजूद रहे.

मौसम की मार से पीड़ित परिवार के समक्ष सर छिपाने का संकट

बारिश में गरीब का आशियाना धराशायी, सहायता की गुहार

संवाददाता। मयूरहंड(चतरा)

प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण कदगांवा कला पंचायत अंतर्गत मखरोल निवासी बिजेंद्र चंद्रवंशी का कच्चा मकान धराशायी हो गया, जिससे पीड़ित परिवार के समक्ष सर छिपाने को लेकर परेशानी उत्पन्न हो गई है. पीड़ित परिवार बच्चों संग दूसरे के घर शरण लेने को मजबूर हैं. पीड़िता की माली हालत इतनी ज्यादा खराब है कि अपने जीर्ण-शीर्ण कच्चे मकान के ऊपर प्लास्टिक ढक कर किसी तरह बच्चों के साथ जीवन यापन कर रही थी, परंतु लगातार हो रही बारिश के कारण कच्चा मकान धराशायी हो गया. पीड़ित दिहाड़ी मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण पोषण करता है. वह बिना सहायता के आवास निर्माण कर नहीं सकता. पीड़िता ने पंचायत की मुखिया अशोक कुमार के अलावा अंचल अधिकारी व थाने में आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई है. सबसे बड़ी विडंबना है कि इस तरह के जरूरतमंद लोगों को अभी तक प्रधानमंत्री आवास एवं अबुआ आवास मुहैया नहीं कराया जा सका है. इससे जिम्मेदार जन प्रतिनिधि एवं प्रखंड व जिला प्रशासन की कथनी व करनी दर्शाता है. आखिर ऐसे पीड़ित लाभुकों को आवास जैसी महत्वपूर्ण योजना से लाभान्वित नहीं करना क्या कहलाता है? आज भी गैर जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व प्रशासन के रवैये से दर्जनों योग्य लाभुक जर्जर आवास में रहने को मजबूर हैं या दूसरे के घरों में शरण लेने को मजबूर हैं.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कोई फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है, बस प्रयास करने की जरूरत है. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता और उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. आपके अच्छे व्यवहार से पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. अन्न दान करें.

वृष अटका हुआ सरकारी कार्य मे गति मिलेगा. लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें.

मिथुन धर्म कर्म में मन नहीं लगेगा. पर भाग्य का साथ मिलेगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कर्क शुभ समाचार प्राप्त होंगे. घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. सब आलस्य का त्याग करना चाहिए.

सिंह बात के जगह कार्य पर ध्यान दे. आय में बृद्धि होगा और आगे भी इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय शुभ है. संतान के प्रति जिम्मेदार बनना चाहिये. कुटुम्ब में खर्च होगा साथ ही संतुष्टि भी होगा. पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी.

तुला गलत दोस्तों से बचें. किया गया कार्य लाभ का मौका देगा. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे.

वृश्चिक घर में कोई परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें. पार्टनरों तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं.

धनु जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी. गुरु गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए.

मकर धन का आगमन होगा. पेट मे कुछ समस्या हो सकता है. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी.

कुंभ शनि अपने घर में हैं. दिन बहुत ही उत्तम होगा, पर विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन खर्च पर नियंत्रण अति आवश्यक है. दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें.

शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए सीएम को किया आमंत्रित

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान नामकुम, रांची के निदेशक डॉ अभिजीत कर एवं कंसल्टेंट डॉ निर्मल कुमार ने मुलाकात की. इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के 20 सितंबर को आयोजित होने वाले शताब्दी समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया. मालूम हो कि संस्थान के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी.

झारखंड की जनता को गुमराह कर रहा केंद्र : सीपीएम

रांची। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार उच्च न्यायालय में बांग्लादेशी घुसपैठ के मुख्य मुद्दे पर साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रही है. जनसांख्यिकी परिवर्तन पर डेटा की भ्रामक व्याख्या प्रस्तुत करना पसंद किया. गलत बयानी के लिए मशहूर मोदी वाकपटुता से गुमराह कर रहे हैं. सत्ता हथियाने के लिए झारखंड के मासूम लोगों की सामाजिक एकता को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं. लोग उन्हें और भाजपा को इस अपमान के लिए उचित सबक सिखाएंगे.

संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत केशव 19 से संथाल दौरे पर

रांची। संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश तीन दिवसीय दौरे पर संथाल परगना में जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षों वरीय नेताओं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करेंगे. उक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि कमलेश 19 सितंबर को तीन बजे जामताड़ा, 20 सितंबर को सुबह 10:30 बजे दुमका, 3:30 बजे गोड्डा, 21 सितंबर को सुबह 11 बजे साहिबगंज, तीन बजे पाकुड़ जिला के कांग्रेस नेताओं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद संवाद करेंगे.

पांच-पांच पूर्व सीएम के बावजूद भाजपा जनता के दिल में जगह नहीं बना पा रही है : कैलाश यादव

तीन बार के पीएम राज्य में एक कारखाना नहीं लगा पाए

विशेष संवाददाता। रांची

राजद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राजद, कांग्रेस और झामुमो कोसे जाने पर पलटवार किया है. प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि तीन बार के पीएम रहे अपने पूरे कार्यकाल में एक कारखाना तक झारखंड में नहीं लगा सके, उपर से एचईसी को बर्बाद कर दिया. इसलिए उन्हें गठबंधन की सरकार पर बोलने का नैतिक हक नहीं है. उक्त बातें यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

मोदी को गठबंधन सरकार पर बोलने का हक नहीं : उन्होंने कहा कि देश में तीन बार से लगातार सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजद का जीन (वोटर/सुपोर्टर) से परेशानी और सदैव भय बना रहता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह सहित बीजेपी व आरएसएस के तमाम बड़े नेताओं के सभी तरह के हथकंडा अपनाने और अथक प्रयास के बावजूद राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और पार्टी को नुकसान नहीं पहुंचा सके. बिहार हो या झारखंड राजद से सर्वमान्य नेता एवं बिहार सरकार में विरोधी दल के युवा लोकप्रिय नेता तेजस्वी यादव के जनाधार को सांप्रदायिक शक्तियां बिगाड़ नहीं सकीं. लालू यादव की विचारधारा व राजद के नीति सिद्धांत जन जन तक एक मजबूत पिलर की तरह खड़ा है.

झारखंड की जनता जुमले पर अब विश्वास नहीं करने वाली

यादव ने कहा कि पीएम मोदी को झारखंडवासियों और राजनीतिक दलों पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है. बीजेपी राज्य में पांच पूर्व मुख्यमंत्री और तीन केंद्रीय मंत्रियों के साथ राज्य में पसीना बहा रही है. लेकिन झारखंड की जनता भाजपा के जुमले और झूठे आश्वासन और लोकलुभावन बातों के जाल में फंसना नहीं चाह रही है. यहां तक कि आदिवासी समाज के नेताओं और लोगो को धन का लालच देकर बहकाने का कार्य कर रही है, उसके बावजूद राज्यवासी बीजेपी के बहकावे में नहीं जा रहे. इसलिए भाजपा लाख प्रयास कर ले फिर भी महागठबंधन सरकार की पुनः सरकार बनेगी. देश में आजादी के बात प्रचंड बेरोजगारी और बेतहाशा महंगाई से जूझ रही है और बीजेपी एवं पीएम मोदी प्रशंसा में झूठी पीठ थपथपा रहे हैं.

एचईसी को बर्बाद कर दिया : यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने गए हैं लेकिन झारखंड हो या बिहार दोनों प्रदेशों में एक सुई का कारखाना स्थापित कर न सके. उल्टा एशिया के सबसे बड़ा मातृ उद्योग कारखाना एचईसी बंद के कगार पर है. लगभग 30 महीनों से कर्मचारियों का नियमित वेतन भुगतान नहीं किया जा रहा है. देशभर में पीएसयू की हालत बीमारू उद्योग जैसी हो गई है. आर्थिक स्थिति बेहद खराब है, उसके बावजूद पीएम मोदी झारखंड में चल रही मजबूत जेएमएम कांग्रेस और राजद की संयुक्त महागठबंधन सरकार पर नकारात्मक सोच के साथ कटाक्ष कर रहे हैं.

जन्म लेने के बाद एक मां ने नवजात को बेच दिया

चतरा। जिले के प्रतापपुर प्रखंड में जन्म लेने के बाद एक मां ने नवजात को बेच दिया. घटना 13 सितंबर की है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कुंदा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती (बिन ब्याही) ममता वाहन से प्रसव पीड़ा से तड़पते हुए प्रतापपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंची. मौके पर मौजूद कर्मियों ने पीड़िता का सुबह 7:10 पर अस्पताल में दाखिला लिया. प्राथमिक उपचार करते मात्र आधे घंटे मे 7:40 पर नॉर्मल डिलीवरी के तहत युवती ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया. शिशु के जन्म लेने के पश्चात पीड़िता के साथ आए परिजन व ममता वाहन के चालक अस्पताल प्रबंधन से जोर जबरदस्ती करते हुए मात्र 2 घंटे बाद ही जच्चे बच्चे को अपनी जिम्मे पर लेकर वापस चले गए. इस दौरान रास्ते में ही बच्चा को बेच देने का मामला सामने आया.

राकेश लोहरा कुछ दिनों से जिले के कुछ इलाकों में सक्रिय था

पीएलएफआई कमांडर समेत तीन गिरफ्तार

कार्रवाई के संबंध में जानकारी देते बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम.

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

पुलिस ने नक्सली संगठन पीएलएफआई के कमांडर समेत तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार उग्रवादियों में पीएलएफआई का कमांडर राकेश जी उर्फ राम विजय लोहरा, चंदवा निवासी रूपेश राम और धर्मेंद्र लोहरा शामिल है. दरअसल, बालूमाथ के इचाक का रहने वाला राकेश लोहरा कुछ दिनों से जिले के कुछ इलाकों में सक्रिय था और लोगों को फोन कर लेवी के लिए धमकी दे रहा था.

इस बीच लातेहार एसपी को गुप्त सूचना मिली कि राकेश अपने कुछ साथियों के साथ बाइक से लेवी वसूलने के लिए हेरहंज की ओर जा रहा है. इसके बाद पुलिस टीम गठित कर छापेमारी की गई. इस क्रम में बाइक पर सवार राकेश और उसके दो अन्य साथियों को पुलिस ने दबोच लिया. तलाशी में पीएलएफआई के हस्तलिखित पर्चे और कुछ खाली पर्चे बरामद किये गये. बालूमाथ एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों से पूछताछ में कई अहम जानकारी मिली है. छापेमारी दल में हेरहंज थाना प्रभारी विक्रम कुमार, एएसआई सुबोध सिंह व अन्य पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे.

खास बातें

- ठेकेदार से लेवी वसूलने हेरहंज की ओर जा रहे थे तीनों
- पीएलएफआई के हस्तलिखित और खाली पर्चे बरामद

ठेकेदारों से लेवी व रंगदारी मांग रहे थे

एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी ठेकेदारों व व्यवसायियों से रंगदारी मांग रहे थे. एक दिन पूर्व क्षेत्र में कार्यरत एक ठेकेदार से रंगदारी मांगी गई थी. इसको लेकर ठेकेदार द्वारा हेरहंज थाने में मामला भी दर्ज कराया गया था. क्षेत्र में भय का माहौल बनाने के लिए उग्रवादियों ने हिंसक घटना को अंजाम देने की भी योजना बनाई थी. लेकिन उग्रवादियों की योजना पूरी होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

भोगनाडीह से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे गृह मंत्री अमित शाह

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 सितंबर को संताल के भोगनाडीह से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे. इसी दिन वे साहिबगंज के पुलिस लाइन मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे. लोकसभा चुनाव के बाद अमित शाह का यह पहला झारखंड दौरा है.

ऐसा है अमित शाह का कार्यक्रम

- बरहेट के भोगनाडीह में सिदो-कान्हो की जन्मस्थली में सुबह 9-30 बजे पूजा-अर्चना करेंगे
- इसके बाद वहां से हेलीकॉप्टर से सुबह 10 बजे साहिबगंज पहुंचेंगे, जहां वे पुलिस लाइन मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे
- दोपहर 12:30 बजे गिरिडीह के जमुआ में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे

ग्राहक पंचायत की बैठक 28 और 29 को

हजारीबाग। देशभर में ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी को लेकर जागरूकता अभियान और उसका समाधान बताने वाली राष्ट्रीय संस्था अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की बैठक रविवार को मुंद्रिका कुंज में हुई. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अधिवक्ता गौरव सहाय ने की. संचालन जिला सचिव पत्रकार सह अधिवक्ता बब्लू कुमार ने किया. बैठक में विशेष रूप से प्रांत संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति उपस्थित थे. ग्राहक गीत से बैठक शुरू हुई और शांति मंत्र के साथ संपन्न हुई. बैठक में आगामी 28 -29 सितंबर को रांची के राणी सती मंदिर में होने वाली प्रांत बैठक की चर्चा की गई. बताया किया इस बैठक में जिला कार्यकारणी के अलावा प्रखंड संयोजक अनिवार्य रुप से हिस्सा लेंगे. इसकी जवाबदेही जिलाध्यक्ष गौरव सहाय को दी गई.

झारखंड विस्थापित मोर्चा की बैठक आयोजित

लैंड बैंक रद्द करने की उठी मांग

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विस्थापित संघर्ष मोरचा की सोमवार को हुई बैठक में लैंड बैंक को रद्द करने की मांग की गई. पूर्व सांसद भुनेश्वर मेहता की अध्यक्षता में बैठक रांची के सीपीआई कार्यालय में हुई. बैठक में अडाणी इंटरप्राइजेज को आवंटित गोंदुलपुरा कोल ब्लॉक का आबंटन रद्द करने, पूर्व सीएम रघुवर दास द्वारा 23 लाख हेक्टेयर जमीन को लैंड बैंक में अधिकृत करने के आदेश को रद्द करने पर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही गैर मजरूआ जमीन की रशीद काटने और जमीन के अधिग्रहण करने पर रैयत की तरह मान्यता देकर मुआवजा और अन्य सुविधाएं देने पर भी चर्चा की गई.

लैंड बैंक के जरिये गरीब, दलित आदिवासियों की जमीन पर है कब्जा : पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा 23 लाख हेक्टेयर जमीन लैंड बैंक में जमा कराया गया है, जिसमें आधे से अधिक जमीन पर गरीब दलित आदिवासियों का कब्जा है. अभी तक मौजूदा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोई पहल नहीं की है. हजारीबाग जिले के गोंदलपुरा कोल ब्लॉक का आवंटन अडानी एंटरप्राइजेज को दिया गया है. इसे रद्द करने के सवाल पर 12 अप्रैल 2023 से पांच गांव के किसान धरना पर बैठे हैं. लगभग 17 महीना बीत चुका है, अभी तक राज्य सरकार ने ध्यान नहीं दिया. उल्टे किसानों को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है. स्थानीय प्रशासन के पदाधिकारी अडाणी को सहयोग कर रहे हैं. अगर सरकार ने ध्यान नहीं दिया तो पूरे झारखंड में आंदोलन किया जाएगा. अक्टूबर महीने रांची में एक सेमिनार कर आंदोलन की रूपरेखा तय की जाएगी.

बैठक में ये रहे मौजूद : बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष केडी सिंह, महेंद्र पाठक, अजय कुमार सिंह, बासवी कीड़ो, महासचिव पुष्कर महतो, छात्र के आंदोलनकारी अर्जुन कुमार, गेंदों राणा, मोती दांगी, गणेश दांगी, गणेश पासवान सहित कई अन्य मौजूद थे.

सीएमपीडीआई में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की शुरुआत

सीएमपीडीआई में निदेशक ने कर्मियों को दिलाई साफ-सफाई की शपथ

संवाददाता। रांची

सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने संस्थान के कर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाकर स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) -2024 अभियान की शुरुआत की. इस वर्ष एसएचएस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम के साथ मनाया जाएगा. इस अवसर पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेशक (तकनकी/ईएस) सतीश झा, निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) अच्युत घटक, मुख्य सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा, मुख्यालय-रांची और क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के वरीय अधिकारी एवं कर्मचारीगण ने स्वच्छता शपथ ली. मौके पर कर्मियों ने उत्साहपूर्वक एसएचएस सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें खिचवाईं. इस अभियान के दौरान सीएमपीडीआई स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और वॉकथान जैसे जागरूकता अभियान, स्वच्छता कार्यकर्ताओं के लिए कार्यशाला, नारा, निबंध लेखन और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा व स्वास्थ्य, स्वच्छता कार्य और स्वच्छता मित्रों के लिए पोषण शिविर और 6 राज्यों में फैले अपने कार्यक्षेत्र में बैनर, सेल्फी प्वाइंट डिजिटल डिस्प्ले आदि के माध्यम से व्यापक जागरूकता फैलाएगा.

पेज एक का शेष...

भाजपा को सता रहा...

करमा को पीएम ने दी बधाई मगर सरना धर्म पर कुछ नहीं बोले : उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने करमा पर्व की शुभकामनाएं दीं. करमा पर्व के बारे में बताया गया, मगर यह नहीं बताया कि यह किनका पर्व है. यह पर्व मूल रूप से सरना धर्मावालंबियों का है. हमलोग बार-बार इस बात को कहते हैं कि भाजपा के लोग सरना धर्म के ऊपर अपनी स्थिति साफ करें. केंद्र सरकार जो बैशाखी पर टिकी हुई है, यह बैशाखी नितीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू सहित कई लोग हैं. इन सबने प्रत्यक्ष तौर पर पब्लिक डोमेन में ऑफिशियल वेबसाइट से जातिगत जनगणना की बातें की है. लेकिन सरना कोड की बात नहीं की गई है. सरना धर्म को लेकर अब तक केंद्र सरकार ने अब तक अपनी स्थिति साफ नहीं की है।

उत्पाद पुलिस बहाली पॉलिसी रघुवर सरकार ने बनाई, हमने तो सरल किया : उन्होंने कहा कि आज जो उत्पाद आरक्षियों की भर्ती हो रही है, उसकी प्रकिया सरल कर दी गई है. भाई यही नियमावली तो आपके डबल इंजन वाली सरकार के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बनाई थी. उसके लिए इनके मुंह से आवाज नहीं निकलती है. इनके मुंह से केवल और केवल हेमंत सोरेन के लिए आवाज निकलती है.

हरियाण और जम्मू कश्मीर का नतीजा अब केवल औपचारिकता : उन्होंने कहा कि आज हरियाणा और जम्मू कश्मीर जो लगभग नतीजा लिखा जा चुका है, केवल औपचारिकता लिखी जानी है. ये लोग महाराष्ट्र भी नहीं घुस पाएंगे, इसलिए झारखंड का रूख कर लिया है. सोचा कि सीधे साधे लोगों का टोला है, झारखंड. यहां जाकर लोगों को बरगलाओ. मगर अब झारखंड की जनता ऐसा करने वाली नहीं है. कहा कि इस राज्य में बीजेपी को विधानसभा चुनाव में हार मिलनी तय है. इसी डर से अब बीजेपी के कई नेता झारखंड आ रहे हैं. हेमंत सोरेन के काम से पीएम इतने डरे हुए हैं कि अब अपनी सभा में वे हेमंत सरकार के कामों की चर्चा कर रहे हैं.

परिवर्तन यात्रा में बीजेपी...

घुसपैठियों की संरक्षक बन गई है सरकार : उन्होंने कहा, यह सरकार बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की संरक्षक बन गई है. घुसपैठियों के कारण राज्य की डेमोग्राफी में बदलाव आया है. आदिवासी आबादी तेजी से घटी है और मुस्लिम आबादी बढ़ी है. परिवर्तन यात्रा से जनता हेमंत सोरेन जवाब दो, 5 साल का हिसाब दो के नारों के साथ जवाब मांगेगी. राज्य में 1800 एकड़ से अधिक जमीन का फर्जीवाड़ा हुआ है, जिसमे सीएनटी एक्ट का उल्लंघन करते हुए 3000 करोड़ से अधिक रुपए का लेन-देन हुआ है. इसके तार कोलकाता तक जुड़े हैं.

परिवर्तन यात्रा जन भावनाओं की प्रतीक: दीपक प्रकाश : परिवर्तन यात्रा के प्रदेश संयोजक सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा सत्ता परिवर्तन के साथ व्यवस्था परिवर्तन के लिए है. यह यात्रा राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता की भावनाओं की अभिव्यक्ति है. जनता ने भ्रष्ट कांग्रेस, झामुमो और राजद गठबंधन को सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में यह यात्रा राज्य में मील का पत्थर साबित होगी.

ऐसा है परिवर्तन यात्रा का कार्यक्रम : पलामू प्रमंडल- 21 सितंबर को बंशीधर नगर से प्रारंभ होगी और 28 को संपन्न होगी. **हजारीबाग प्रमंडल**- 21 सितंबर से इटखोरी स्थित भद्रकाली मंदिर से प्रारंभ होगी और 28 को संपन्न होगी. **दक्षिण छोटानगपुर प्रमंडल**- खूंटी स्थित आम्रेश्वर धाम से 23 सितंबर से प्रारंभ होगी और 1अक्टूबर को संपन्न होगी. **संथाल प्रमंडल**- 20 सितंबर को भोगनाडीह से प्रारंभ होकर 30 को संपन्न होगी. **धनबाद प्रमंडल**- झारखंडी धाम से 20 सितंबर को प्रारंभ होगी और 26 को संपन्न होगी. **कोल्हान प्रमंडल**- चित्तेश्वर धाम बहरागोड़ा से 23 सितंबर को प्रारंभ होगी और 2 अक्टूबर को संपन्न होगी.

केजरीवाल आज देंगे इस्तीफा

बैठक मुख्यमंत्री आवास पर हुई. इसके अलावा पार्टी की राजनीतिक मामलों की कमेटी की बैठक भी हो रही है. केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा के बाद उनकी पत्नी सुनीता, दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और गोपाल राय के नामों पर चर्चा तेज हो गई है.दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात का समय मांगा है.

केजरीवाल ने एलजी से मांगा समय : इस बीच, सीएम केजरीवाल सीएम पद से इस्तीफा देने के लिए मंगलवार को शाम 4:30 बजे का समय उपराज्यपाल दफ्तर समय मांगा था. उप राज्यपाल ने केजरीवाल को मिलने का समय दे दिया है. दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं. दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और चुनाव फरवरी की शुरुआत में होने की उम्मीद है. हालांकि अरविंद केजरीवाल, आतिशी समेत आम आदमी पार्टी के कई दूसरे नेता ये चाहते हैं कि दिल्ली में समय से पहले विधानसभा के चुनाव कराए जाएं.

नया मुख्यमंत्री कौन होगा : केजरीवाल ने कहा कि जनता को तय करना है कि केजरीवाल ईमानदार है या बेईमान. चुनाव के बाद जनता ने चुना तो पद पर बैठूंगा. चुनाव होने तक पार्टी दो-तीन दिन में नया मुख्यमंत्री चुनेगी. सूत्रों के मुताबिक, राघव चड्ढा, आतिशी, कैलाश गहलोत, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज और सुनीता केजरीवाल में से कोई एक मुख्यमंत्री बन सकता है. हालांकि किसी नाम पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है.

वक्फ संशोधन बिल पर ...

जेपीसी में शामिल कई सांसदों ने बिल पर जताया विरोध : वक्फ (संशोधन) बिल पर जेपीसी की पहली बैठक से ही अलग-अलग विपक्षी दलों के कई सांसदों का कहना था कि बिल के मौजूदा प्रारूप से स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता व समानता के कानूनों का उल्लंघन होगा. एक बड़ा एतराज वक्फ ट्रिब्यूनल में डीएम व अल्पसंख्यक समुदाय के बाहर के सदस्यों को शामिल करने पर जताया गया है.

शीतकालीन सत्र से पहले पेश होगी रिपोर्ट : जेपीसी की ओर से ईमेल और लिखित सुझावों पर विचार करने के साथ ही कुछ विशेषज्ञों और हितधारकों की राय और सुझाव भी सुने जाएंगे. समिति बिल पर विचार विमर्श करने के बाद संसद के शीतकालीन सत्र से पहले अपनी रिपोर्ट पेश करेगी.

भारत फाइनल में, आज...

दक्षिण कोरिया के खिलाफ हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर से ही गोल दागने शुरू कर दिए और तीसरे क्वार्टर के अंत तक ही 4-1 की बढ़त हासिल कर ली थी. फाइनल में टीम इंडिया की मंगलवार को टक्कर चीन से होगी, जिसने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को पेनल्टी शूटआउट में हरा दिया. इस सेमीफाइनल में 60 मिननट तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ.

ओडिशा सीएम से हेमंत का आग्रह

जबकि छात्र के परिजनों को स्कूल प्रबंधन की बातों पर संदेह है. घरवालों का आरोप है कि रैगिंग की शिकायत करने के कारण उसकी हत्या कर दी गई है. परिजनों के मुताबिक जिस जगह से अभिषेक के गिरने की बात कही जा रही है, वहां की सीढ़ी के स्टील के रॉड को देखने से साफ पता चलता है कि उस रॉड को काटा गया है. उसकी मौत को सीढ़ी से गिरने से मौत जैसा साधारण मामला बता कर रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है.

सेमिनार समाज में विकासात्मक व सकारात्मक पत्रकारिता को लेकर सेमिनार का आयोजन

पत्रकारों को सच को आधार मानकर काम करने की जरूरत : राघवेंद्र

संवाददाता। लातेहार

समाज में विकासात्मक एवं सकारात्मक पत्रकारिता विषय पर सूचना व जनसंपर्क विभाग द्वारा पलामू प्रमंडल स्तरीय सेमिनार का आयोजन बेतला के एनआईसी में किया गया. सेमिनार का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र ,प्रमंडलीय उपनिदेशक संजीव कुजूर, डीपीआरओ, लातेहार के डॉ. चंदन, राणा अरुण सिंह और एपीआरओ विजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया. राघवेंद्र ने कहा कि पलामू प्रमंडल की धरती विचार और क्रांति की धरती रही है. आज पत्रकारिता के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की शुरुआत हुई है. यह पत्रकारों के लिए एक बड़ी चुनौती के साथ खतरा भी है.

डिजिटल क्रांति पत्रकारों के लिए चुनौती के साथ खतरा भी

उन्होंने कहा कि पत्रकारों को में खबरों को फॉरवर्ड करने से बचने की जरूरत है. इसकी पड़ताल की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि सभी पत्रकार संघर्ष के बल पर किसी मुकाम तक पहुंच पाते हैं .इसलिए उन्हें सभी समाज में कमियो के बारे में जानकारी होती है. पत्रकारों को सच को आधार मानकर काम करने की जरूरत है . कार्यक्रम के दौरान राणा अरुण सिंह ने कहा कि पत्रकारिता सूचनाओं के आदान-प्रदान के संप्रेषण का एक मौका है. इसमें झूठी व भ्रामक खबरों को आम जनता तक पहुंचाने से बचना चाहिए. वरिष्ठ पत्रकार संजय पांडे ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में बगैर पढ़ें और एडिटिंग के खबरों को फॉरवर्ड करने से पत्रकारों को बचने की जरूरत है. आज पत्रकारों के सामने कई चुनौतियां हैं. इससे विषय प्रवेश उप निदेशक संजीव कुजूर ने कराया. मौके पर पत्रकार अजीत कुमार, केतन आनंद ,नीलकमल, गजेंद्र प्रसाद, नीरज कुमार , मयंक विश्वकर्मा, आलोक कुमार, कृष्ण गुप्ता, प्रमोद कुमार और संतोष कुमार सहित पलामू गढ़वा व लातेहार के कई पत्रकार मौजूद थे .

क्षेत्रीय राजनीति और राष्ट्रीय अपेक्षाएं

निरंतर टूटने-जुटने का क्रम जारी रहा. कहीं कहीं तो समाजवादियों के धड़ों ने क्षेत्रीयता को हवा दे अपनी-अपनी दुकान खड़ी कर ली. पर सामान्यतः क्षेत्रीय राजनीतिक चिंतन ने ही क्षेत्रीय पार्टियों के गठन में भूमिका निभाई. इन पार्टियों द्वारा शोषण से आक्रांत स्थानीय क्षेत्रीय समाज को अभिव्यक्ति देने, समस्याओं को राष्ट्रीय फलक पर लाने एवं सम्यक समाधान के जोरदार स्वर बुलंद किए गए, पर जल्दी ही इन पर सत्ता हावी हो गई.

• देश-काल

अयोध्या नाथ मिश्र

आज वैश्विक स्तर पर राजनीतिक प्रशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्षेत्रीय चिंतन एवं उससे उद्भूत क्षेत्रीय दलों की अपरिहार्यता को झुठलाया नहीं जा सकता. भाषा-संस्कृति, सामाजिक-आर्थिक, भौगोलिक परिवेश और संतुलित क्षेत्रीय विकास, निवेश, समग्र विकास की अवधारणा सहित कई बिंदुओं को आधार बनाकर राजनीतिक अधिकारिता एवं सुशासन द्वारा नागरिक अधिकारों की रक्षा का आग्रह इन्हें बल प्रदान करते हैं. ऐसे में क्षेत्रीय हित रक्षा के नाम पर आंदोलन और फिर राजनीतिक दल का उदय सहज प्रक्रिया के रूप में देखा गया है. कुछ विचारक इसे देश के क्षेत्रीय वैविध्य एवं असंतुलन के साथ-साथ राष्ट्र की मुख्य धारा में विशिष्ट पहचान की सुगबुगाहट मानते हैं. आमतौर पर ये दल क्षेत्रीय स्तर पर किसी उलगुलान की राजनीतिक महत्वाकांक्षा की परिणति के रूप में देखे जाते हैं. इन्हें क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति, वैचारिक चिंतन और विकास की अवधारणाओं के साथ समन्वय बनाकर चलने की अनिवार्यता एवं अपरिहार्यता होती है. यही कारण है कि इन्हें कदम-कदम पर अपनी पहचान बनाए रखने हेतु विरोध, आंदोलन, संघर्ष का सहारा लेना पड़ता है और समझौतावादी दृष्टिकोण की भी अपेक्षा होती है.

इस प्रकार भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में विशेष कर एक सीमित कालखंड में प्रायः हर क्षेत्र में क्षेत्रीय पार्टियों का उदय हुआ. ये उन दलों की भूमिका में कभी नहीं आ सके, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत केंद्रीय सत्ता के विरोध में विचारधारा के तौर पर विद्यमान रहे. इनमें समाजवादी, साम्यवादी और नवोद्भूत भारतीय जनसंघ तथा कतिपय राष्ट्रवादी दक्षिण पंथी पार्टियों का अधिक प्रभाव देखा गया. पर वैचारिक या नेत्री वर्ग के वैयक्तिक अहम के कारण तत्कालीन विपक्षी राजनीतिक धारा में भी बहुत परिवर्तन आया. निरंतर टूटने-जुटने का क्रम जारी रहा. कहीं कहीं तो समाजवादियों के धड़ों ने क्षेत्रीयता को हवा दे अपनी-अपनी दुकान खड़ी कर ली. पर सामान्यतः क्षेत्रीय राजनीतिक चिंतन ने ही क्षेत्रीय पार्टियों के गठन में भूमिका निभाई. इन पार्टियों द्वारा शोषण से आक्रांत स्थानीय क्षेत्रीय समाज को अभिव्यक्ति देने, समस्याओं को राष्ट्रीय फलक पर लाने एवं सम्यक समाधान के जोरदार स्वर बुलंद किए गए, पर जल्दी ही इन पर सत्ता हावी हो गई और लोकगीत का बहम बनाए रखने के लिए उनके द्वारा भी कई नैरेटिव गढ़े जाते रहे. इनमें भाषा-संस्कृति जाति- जमात, संप्रदाय और विकास के मॉडल प्रमुख थे.

बताया जाता है कि एक बार भाषा को क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़कर स्वर दिए जाने को राष्ट्रीय राजनीतिक प्रशासन ने स्वीकृति प्रदान कर दी तो फिर क्षेत्रीय दलों की सोच के अनेक दरवाजे खुल गए. उग्र आंदोलन के बाद भाषाई आधार पर तेलुगु भाषा भाषियों की बहुलता को आधार बनाकर आंध्र प्रदेश का गठन हुआ. इस प्रकार क्षेत्रीय भाषा और संस्कृति की रक्षा का सर्व स्वीकार्य आग्रह क्षेत्रीय दलों की विवशता थी और विशेषता भी. राष्ट्रवाद की हिमायती शिवसेना का भी यही वैशिष्ठ्य कहा जाएगा.

1966 अर्थात अपनी स्थापना काल से ही बाल ठाकरे जी की शिवसेना मराठी भाषा- संस्कृति के प्रति विशेष आग्रही रही. जनता पार्टी की सरकार में बड़े स्तंभ रहे बीजू पटनायक के पुत्र नवीन पटनायक ने 1997 में बीजू जनता दल का गठन कर उड़िया भाषा- संस्कृति को परवान चढ़ाने के साथ-साथ क्षेत्रीय संतुलित विकास को हवा दी. उनकी लोकप्रियता को इस आईना से देखा भी गया. मूलतः कांग्रेस की राजनीति के पहचान बनाने वाली ममता बनर्जी ने भी वामपंथियों के गढ़ पश्चिम बंगाल में मां-माटी-मानुष अर्थात सार्वदेशिक विकास को क्षेत्रीय हित के साथ जोड़कर तृणमूल कांग्रेस बनाया. इसी प्रकार तत्कालीन बिहार के कोयलांचल की मजदूर एवं गांव-गरीब विरोधी पूंजी परक सामंती शोषण के विरुद्ध संघर्ष को शिबू सोरेन के जुझारू नेतृत्व ने स्वर दिया. कालक्रम से झारखंड मुक्ति मोर्चा एक क्षेत्रीय दल के रूप में उभर कर आया और एक बेहतर क्षेत्रीय पहचान बनायी.राज्य गठन के उपरांत यह दल झारखंड की प्रभावी राजनीति एवं सत्ता में अपना विशेष स्थान रखता है. छत्तीसगढ़ के अजीत जोगी के दल का भी उदय क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर थोड़े समय के प्रयास का परिणाम कहा जाएगा. इन दलों के उदय के पीछे सत्तारूढ़ राष्ट्रीय पार्टियों की क्षेत्रीय हितों को नजरंदाज किये जाने के रूप में भी लोग देखते हैं.

दूसरी तरफ समाजवादी नेताओं की महत्वाकांक्षा और वैचारिक मतभिन्नता ने बार-बार नए दलों को जन्म दिया और एक-एक क्षत्रप उसके शीर्ष पर विराजमान होकर अपनी राजनीतिक इच्छा को समाजवादी चाशनी में डुबोकर सत्ता सुख भोगते रहे. आपातकाल की प्रताड़ना से उभरी पीड़ा ने कुछ दिनों के लिए भले ही विभिन्न परस्पर विरोधी सोचों को एक साथ जोड़ा था, पर वह भी टिकाऊ न हो सका .परिणाम ढाक के तीन पात. अलग-अलग जमात की अपनी दुकान. परिणामतः कई क्षेत्रीय पार्टियों का सुविधानुसार अभ्युदय हुआ. मंडल आयोग की सिफारिश की लहर पर सवार ये दल संपूर्ण क्रांति की पुरोधाई को बहुत जल्दी भुला दिए और क्षेत्रीयता के हिमायती बन बैठे. जयप्रकाश बाबू की समग्र क्रांति के युवा तुर्क कहे जाने वाले लोगों ने देश की युवाशक्ति के सपनों को जल्दी ही भुला दिया. इन्हें सत्ता के राजनीतिक व्यामोह ने सामाजिक आर्थिक विकास से परे वर्ग जाति समूह की राजनीति सुविधाजनक लगी. सभी को तात्कालिक उपलब्धियों में सोशल जस्टिस की पूर्णता दिखाई देने लगी. यहां विचारणीय है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उदय एवं प्रभाव के पीछे मूल कारण क्या है? इतना तो स्पष्ट है कि स्वातंत्र्योत्तर भारत की सत्ता लंबी अवधि तक कांग्रेस के हाथों में रही. जनता शासन को छोड़ दें तो 1989 तक कांग्रेस बे रोक-टोक अबाध सत्ता सीन रही. कहीं न कहीं केंद्र-राज क्षेत्रीय संबंधों में संतुलन की कमी क्षेत्रीय चिंताओं की उपेक्षा और संतुलित क्षेत्रीय विकास की कमी में शुमार रहे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

इस्तीफे की राजनीति

राजनीति में त्याग पत्र एक तरह का स्मार्ट कदम साबित होता है, जब पार्टी प्रमुख भविष्य को ध्यान में रख कर इस तरह का कदम उठाता है. यह तो सभी मानते हैं कि अरविंद केजरीवाल एक स्मार्ट राजनीतज्ञ हैं.जमानत पर रिहा होने के बाद अचानक मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा का एलान एक ओर जहां अपनी साख की पुनर्वापसी की दिशा में उठाया गया कदम माना जा रहा है तो दूसरी ओर केंद्र की शह-मात की राजनीति में भाजपा की मुश्किलें बढ़ाने वाला भी. कुछ दिनों से राष्ट्रपति शासन का जो माहौल बनाया जा रहा था, उसे भी राजनीतिक तौर पर केजरीवाल ने चुनौती दे दी है. सर्वोच्च अदालत की जमानत शर्तों से केजरीवाल के मुख्यमंत्री के बतौर कार्यरत रहने पर कई सवाल उठ रहे थे. बेहतर तो यही होता कि केजरीवाल ने गिरफ्तारी के साथ ही मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिया होता, जैसा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था. इससे संविधान की मर्यादा की रक्षा होती. कथित शराब घोटाले के आरोप में 177 दिनों तक तिहाड़ जेल में रहने के बाद 13 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को जमानत मिली. केजरीवाल ने अपने पद से त्यागपत्र देने का ऐलान कर दिया है. यह स्पष्ट करते हुए कि उनके साथी मनीष सिसोदिया भी इस पद पर नहीं बैठेंगे, जो इसी आरोप में जेल में ही लम्बा समय बिताकर जमानत पर छूटे हैं. पार्टी सहयोगियों के साथ आयोजित एक बैठक में इस्तीफे के फैसले साथ ही उन्होंने बतलाया कि अगला मुख्यमंत्री उनके इस्तीफा देने के दो-तीन दिनों के बाद चुन लिया जायेगा. उन्होंने सरकार से यह मांग की कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी महाराष्ट्र के साथ नवम्बर में करा लिये जायें, जो वैसे अगले साल फरवरी में किये जाने की सम्भावना है. यह अलग बात है कि केन्द्रीय चुनाव आयोग आप की इस मांग को शायद ही माने. माना यह जा रहा है कि केजरीवाल ने इसीलिए इस्तीफा दिया, क्योंकि काम-काज के लिए कोई गुंजाइश ही नहीं रह गयी है. न तो वे सचिवालय जा सकते हैं और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं. उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए इतनी तरह की शर्तें लगा दी हैं कि वे शायद ही कोई काम कर सकें. दिल्ली चुनाव के पहले सरकार को अनेक तरह के काम पूरे करने हैं. जरूरी है कि ऐसा मुख्यमंत्री हो, जिसके पास तमाम अधिकार हों.अरविंद केजरीवाल के इस फैसले के तुरंत बाद भाजपा ने उन पर हमला बोलना शुरू कर दिया है. कोई सवाल उठा रहा है कि पहले इस्तीफा क्यों नहीं दिया, तो कोई आरोप लगा रहा है कि यह अपने जुर्म को स्वीकार करने जैसा है. यह फैसला ऐसे वक्त पर लिया गया है, जब हरियाणा के चुनाव अक्टूबर के पहले हफ्ते में होने जा रहे हैं, जिसमें लगभग सभी 90 सीटों पर आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशियों के नामों का ऐलान कर दिया है. ऐसा लगता है कि केजरीवाल की राजनीति या रणनीति में कोई खास बदलाव नहीं आया है. आम आदमी पार्टी ने राजनीति में एक अलग शुद्धता के दावे से शुरुआत की थी, लेकिन वह दौर अतीत में कैद रह गया है.

> सर्वोच्च अदालत की जमानत शर्तों से केजरीवाल के मुख्यमंत्री के बतौर कार्यरत रहने पर कई सवाल उठ रहे थे. बेहतर तो यही होता कि केजरीवाल ने गिरफ्तारी के साथ ही मुख्यमंत्री का पद छोड़ दिया होता, जैसा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था.

सुभाषित

**विद्वत्वं च नृपत्वं च न एव तुल्ये कदाचन्।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते॥**

विद्वत्ता और राजा होने में काफी अंतर है. मतलब यह कि एक विद्वान और एक राजा कभी एक समान नहीं हो सकते. उनकी तुलना नहीं हो सकती. इसलिए कि जो राजा है, उसकी पूजा उसके राज्य में ही होती है, किंतु विद्वान तो सर्वत्र पूजनीय होता है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

पर उपदेश कुशल बहुतेरे

दूसरों को उपदेश देना सरल होता है. चाहे ज्ञान, वैराग्य की बातें हों चाहे भक्ति की दूसरों को बताना आसान होता है. आजकल महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भी पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से भी लेक्चर लिए जाते हैं. प्रेजेन्टेशन देने वाला पढ़कर बोलता जाता है और स्लाइड बढ़ाता जाता है. उसका काम हो जाता है वह भी आसानी से. भले ही प्रेजेंटेशन देने वाला स्वयं कन्टेंट को न समझ रहा हो, लेकिन वह बोलकर और एक के बाद दूसरी स्लाइड दिखाकर अपना काम बना लेता है. आजकल कई लोग बताते हैं कि ऐसा करोगे तो लीला में प्रवेश हो जाएगा. ऐसा करोगे तो भगवद प्राप्ति हो जायेगी. ऐसा करोगे तो भगवान का दर्शन हो जाएगा. आदि. लेकिन यह नहीं बताते कि ऐसा करके हमने देख लिया है. मैंने लीला में प्रवेश कर लिया है. हमें भगवद प्राप्ति हो चुकी है. हमें भगवान के दर्शन हो चुके हैं. कोई पूछे कि क्या आपको भगवान के दर्शन हो चुके हैं तो कई लोग गोल-मटोल जवाब देते हैं. कई लोग प्रश्न सुनकर मौन भी हो सकते हैं. जिससे लोग समझें कि इनको हो तो चुका है, लेकिन ये बताना नहीं चाहते हैं. कई लोग स्पष्ट बोल, कह और लिख भी देते हैं कि हमें दर्शन हो चुका है. कई लोग ऐसा भी बोल देते हैं कि मुझे तो नहीं हुआ, लेकिन इसलिए बताते हैं कि हो सकता है सामने वाले को हो जाए. कई लोग ज्ञान, वैराग्य, भक्ति, साधन और साधना की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन उस स्तर का ज्ञान-वैराग्य-भक्ति और साधना आदि उसके भीतर होती नहीं है. सुनी-सुनाई बातें, पढ़ी हुई बातें बोलते जाते हैं लेकिन उन बातों को स्वयं के भीतर नहीं उतारते और 'आपुन मंद कथा शुभ पावन' को चरितार्थ करते रहते हैं. लेकिन सही लाभ ठीक-ठीक लाभ तो तभी मिलता है, जब ये बातें अपने भीतर भी उतरने लगें और उतर जाएं. गोस्वामी तुलसीदासजी कहते हैं कि उपदेश देने वाले तो बहुत से कुशल लोग हैं. लेकिन जिनके आचरण में भी उपदेश घटित होता हो ऐसे लोग बहुत कम हैं- पर उपदेश कुशल बहुतेरे. जे आचरहिं ते नर न घनेरे. इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस उपदेश को आचरण में उतारा न जा सके, वह व्यर्थ है. उपदेश को पहले उसके आचरण में उतरना चाहिए, जो उपदेश दे रहा हो. ऐसे उपदेशक द्वारा दिया गया उपदेश अपना वांछित प्रभाव नहीं छोड़ता, जिसने अपने आचरण में उसे स्वयं नहीं उतारा हो. जिस मिष्ठान का स्वाद आपने स्वयं नहीं चखा, उससे दूसरों को कैसे आनंदित कर पाएंगे या कैसे महसूस कर पाएंगे कि उस व्यक्ति को कैसा लग रहा है.

पदकों की प्रतिस्पर्धा में पीछे क्यों?

• खेल

नरेश कौशल

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कामयाबी की नई इबारत लिखते हुए सात सोने के तमगों समेत 29 पदक हासिल किये. पदकों की यह नफरी पिछले टोक्यो पैरालंपिक में मिले पदकों से दस पदक ज्यादा रही. साल 2016 से पैरालंपिक में भाग लेना शुरू करने वाले भारत की यह कामयाबी अभूतपूर्व है. इस साल के पेरिस ओलंपिक में जहां हमारे खिलाड़ी एक अदद सोने के तमगे के लिए तरसते रहे, वहीं पैरा खिलाड़ियों ने सात चमचमाते सोने के तमगे भारत की झोली में डाल दिए. इसके अलावा नौ चांदी के व 13 कांस्य पदक भी इस कामयाबी में इसमें शामिल हैं. इस काबिले तारीफ प्रदर्शन के बूते भारत पेरिस पैरालंपिक में पूरी दुनिया में 18वें स्थान पर रहा, जबकि पेरिस ओलंपिक में हमें एक रजत व पांच कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में 71 वें स्थान पर रहना पड़ा था. जबकि हमारा चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान सिर्फ एक स्वर्ण तमगे के बूते 62वें स्थान पर जा पहुंचा था, लेकिन इन आंकड़ों के बावजूद पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन करके भारत लौटे खिलाड़ियों के प्रति हमने जैसा ठंडा व्यवहार किया, वह कहीं न कहीं पैरा खिलाड़ियों के मनोबल को कम करने वाला ही कहा जाएगा. भारत जैसे देश में, जहां आम खिलाड़ियों के लिए भी ठीक-ठाक खेल सुविधाएं छोटे शहरों व ग्रामीण इलाकों में नहीं हैं, तो दिव्यांग खिलाड़ियों की जरूरत के हिसाब से तो ऐसी पर्याप्त सुविधाएं होना दूर की कौड़ी ही कही जाएगी. स्टेडियमों में व्हील चेयर वाले खिलाड़ियों के लिए रैंप तक जाने की व्यवस्था कम ही होती है. उनके लिए शौचालयों व अन्य सुविधाओं का अभाव होता है. वैसे भी उनका निजी जीवन का संघर्ष काफी बड़ा होता है. परिवारों में भी उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ता है. समाज उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करता है. उन्हें या तो दोयम नजरिये से देखता है या दया का पात्र मान लेता है.पैरालंपिक में गए खिलाड़ियों के दल में तमाम कहानियां ऐसी हैं, जो हैरत में डालती हैं कि उनका संघर्ष कितना बड़ा था. कोई गंभीर दुर्घटना से दिव्यांग बना तो कोई असाध्य बीमारी से शारीरिक अपूर्णता का शिकार हुआ. किसी ने जन्मजात अपूर्णता पायी तो कोई गलत इलाज से अभिशप्त जीवन जीने को मजबूर हुआ. लगातार दो पैरालंपिक में भाला फेंक में सोने का तमगा जीतने वाले हरियाणा के सुमित अंतिल को एक दुर्घटना के चलते एक पैर कटवाना पड़ा. सड़क दुर्घटना में शरीर के निचले हिस्से को निष्क्रिय पाने वाले अवनि लेखरा ने फिर दूसरी बार सोने का तमगा हासिल किया. करंट लगने से शारीरिक अपूर्णता से ग्रस्त होने वाले कपिल परमार ने पहली बार भारत को जूडो में पदक दिलाया. बिना हाथों के जन्म लेने वाली शीतल देवी का संघर्ष कितना बड़ा रहा, सोच कर हैरानी होती है. उसने पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक जीता. ऐसे में देखें तो पैरालंपिक खिलाड़ियों का संघर्ष सामान्य ओलंपिक खिलाड़ियों से कई गुना ज्यादा है. भारत के 84 सदस्यीय दल ने पैरालंपिक इतिहास में ट्रैक स्पर्धाओं में 17 पदक जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया. वहीं पेरिस ओलंपिक में 110 सामान्य खिलाड़ियों का दल सिर्फ एक रजत समेत छह पदक ही जीत पाया था.एक बात तो तय है कि इतनी बड़ी संख्या में पदक जीतने वाले पैरालंपिक खिलाड़ियों को देश लौटने पर जो सम्मान दिया जाना था, वो हमने नहीं दिया. ऐसा लगा कि सरकारों से लेकर मीडिया तक को जो तरजीह इन खिलाड़ियों को देनी चाहिए थी, वो नहीं दी गई. जिस तरह सामान्य पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में हम जुटे रहे, वैसा उत्साह पैरा खिलाड़ियों के प्रति हमने नहीं दिखाया. इन खिलाड़ियों ने अपने जीवन के कठिन संघर्ष के बावजूद देश का जो सम्मान बढ़ाया, उसका प्रतिसाद देने में हम चूके हैं. उनके लिए सरकार व निजी क्षेत्रों द्वारा वैसे पुरस्कारों की घोषणा नहीं हुई और न ही उनके लिए नौकरियों व अन्य सुविधाओं के अवसर मुहैया कराये गये. सात स्वर्ण पदक जीतना छोटी कामयाबी नहीं थी. नौ चांदी के तमगों की चमक कम नहीं होती. विडंबना यह कि उन्हें परंपरागत मीडिया व सोशल मीडिया पर वैसा सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे. यदि खिलाड़ियों के स्तर पर ऐसा भेदभाव न होता तो नये खिलाड़ियों में भी पैरा खेलों में भाग लेने का जुनून पैदा होता. इन खिलाड़ियों को, जिनका निजी व सार्वजनिक जीवन में संघर्ष बहुत बड़ा है, पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए. इन्होंने तमाम विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए देश का नाम रौशन किया. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> स्टेडियमों में व्हील चेयर वाले खिलाड़ियों के लिए रैंप तक जाने की व्यवस्था कम ही होती है. उनके लिए शौचालयों व अन्य सुविधाओं का अभाव होता है. वैसे भी उनका निजी जीवन का संघर्ष काफी बड़ा होता है. परिवारों में भी उन्हें भेदभाव का शिकार होना पड़ता है. समाज उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करता है. उन्हें या तो दोयम नजरिये से देखता है या दया का पात्र मान लेता है.

जरूरी है बाल मन को बाह्य प्रभावों से बचाना

• बालपन

दिनेश चित्रेश

पिछले दिनों बिहार के सुपौल से एक दहकती हुई खबर आयी- 'बैग में पिस्तौल लेकर स्कूल पहुंचा नर्सरी का बच्चा, तीसरी कक्षा के छात्र पर चलाई गोली.' कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र की गंगापुर कालोनी की एक हालिया खबर है कि यहां प्रयाग विद्या मंदिर में 10वीं के छात्र ने कक्षा में सहपाठी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी. ऐसे समाचार हमें बेचैन कर देते हैं, जहां बच्चे या किशोर किसी हिंसा अथवा गंभीर अपराध की दिशा में अग्रसर होते दिखते हैं. मन में स्वाभाविक सवाल उठता है कि जिस बालमन में रंग-बिरंगी कल्पना और जिज्ञासाओं का निवास होना चाहिए, वहां अपराध की दखलअंदाजी क्यों? मानते हैं कि किशोरावस्था की ओर बढ़ते बच्चों में तेजी से हार्मोनल परिवर्तन होते हैं. इस स्थिति में फिल्मों और टेलीविजन में दिखाए जाने वाले दृश्य उनके दिमाग में बैठ जाते हैं और वे उसी तरह प्रतिक्रिया देने लगते हैं. बालहिंसा के प्रकरण भी ऐसे किसी दृश्य के नकल के दुष्परिणाम होते हैं. दरअसल, ऐसी घटनाओं के पीछे और भी कई उलझे मनो-सामाजिक द्वंद्व होते हैं. पहले किशोरावस्था की दिशा में बढ़ते बच्चों में हार्मोनल परिवर्तन की आयु 12 वर्ष के आसपास शुरू होती थी, तब किन्हीं बच्चों में 'एनिमल इंस्टिंक्ट्स' प्रबल हो जाया करते थे. ये गुस्सैल, आक्रामक, चिड़चिड़े और आत्मनियंत्रण में कमजोर होते थे. मगर अब जो निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, उनके अनुसार झंझावात की अवस्था डेढ़-दो वर्ष पहले ही आने लगी है. इसका कारण है- प्रकृति से कटा कृत्रिम जीवन, भौतिकवाद से उपजी जीवनशैली, रेडीमेड खानपान, बच्चों में बढ़ता अकेलापन और सूचना विस्फोट.सुपौल वाली घटना का बच्चा तो मात्र पांच साल का है. संभवतः यह उन बच्चों में से हो सकता है जो अपना अधिक समय टीवी के आगे या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिता रहे हैं. इस श्रेणी में निम्नवर्ग के बच्चे भी शामिल हैं. इनके परिवार में स्मार्टफोन भले ही न हो, लेकिन अपने मध्यवर्गीय मित्रों के बीच यह भी मोबाइल में उपलब्ध वयस्क कंटेंट या क्राइम थ्रिलर का मजा लेने में पीछे नहीं रहते हैं. फिल्म, टीवी के क्राइम पर आधारित धारावाहिक और वीडियो गेम की मारधाड़ और खूनखराबे को बार-बार देखने वाला बच्चा हिंसा के प्रति संवेदनशून्य हो जाता है और हिंसात्मक कृत्य उसके लिए आनंद की सामग्री बन जाते हैं. आज के बचपन की स्थितियों को लेकर जब हम अपने आसपास गंभीरता से दृष्टिपात करते हैं, तो बच्चों का पूरा माहौल ही संवेदनाओं से कटा हुआ मिलता है. शिक्षा यांत्रिक हो चुकी है; यह बच्चों को तेज दिमाग वाला रोबोट बनाने में लगी है. अध्यापक के सामने भारी-भरकम पाठ्यक्रम पूरा करने की जिम्मेदारी है और विद्यार्थी के सामने इसे याद करने की चुनौती! छात्र-अध्यापक के बीच होने वाले अनौपचारिक संवाद समाप्तप्राय हैं. पारिवारिक परिवेश में आए बदलाव भी बच्चे पर गलत असर डाल रहे हैं. पहले बच्चे अपना अधिकतर समय परिवार के सदस्यों के बीच बिताते थे. माता-पिता, दादा-दादी से उनका सघन संवाद हुआ करता था. उन्हें भरपूर प्यार मिलता था तो गलती पर डांट भी! किन्तु अब ऐसा नहीं है.रवींद्रनाथ ठाकुर का कथन है 'बच्चों का सम्पूर्ण मानसिक और शारीरिक विकास प्रकृति की गोद में ही संभव है.' इस कथन के पीछे बच्चों के मन में संवेदनात्मक और नैतिकता का भाव भरने का विचार था. बच्चे प्रकृति से कोमलता और उदारता सीखते हैं. पहले पारिवारिक जीवन में कई परंपराएं थीं, जो बच्चों को परिवेश से जोड़ती थीं. रसोई में सिंकने वाली पहली रोटी गाय की और आखिरी रोटी कुत्ते को दी जाती थी. बुजुर्ग चींटियों के बिल के आसपास आटा डालते थे. झारने-बीनने के बाद जो मरियल अनाज बचता था, उसे चिड़ियों के चुगने के लिए पेड़ के नीचे डालने की परंपरा थी. छोटे बच्चों के लिए इसमें भरपूर रोचकता थी. इससे वे गाय, कुत्ता, चींटी, चिड़िया से ही नहीं, बल्कि धीरे-धीरे ढेर सारे जीव-जंतुओं, वनस्पति, नदी, पहाड़, झरने से जुड़ते थे. इनको लेकर वे ढेर सारी कल्पनाएं करते थे. उनकी कल्पनाएं बेसिर-पैर की होती थीं, लेकिन यह उनके दिमाग को झाड़-पोंछकर साफ और सक्रिय रखती थीं.आज कहा जाने लगा है कि दुनिया तर्क, विज्ञान, सूचना और वास्तविकता पर टिकी है. यथार्थ के नाम पर कल्पना, किस्से-कहानियों और कविता को भी खारिज कर दिया गया है. कल्पनाविहीन सृजनात्मकता की दुनिया में नैसर्गिकता का अभाव है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> दरअसल, ऐसी घटनाओं के पीछे और भी कई उलझे मनो-सामाजिक द्वंद्व होते हैं. पहले किशोरावस्था की दिशा में बढ़ते बच्चों में हार्मोनल परिवर्तन की आयु 12 वर्ष के आसपास शुरू होती थी, तब किन्हीं बच्चों में 'एनिमल इंस्टिंक्ट्स' प्रबल हो जाया करते थे. ये गुस्सैल, आक्रामक, चिड़चिड़े और आत्मनियंत्रण में कमजोर होते थे.

मीडिया में अन्यत्र

नीतियों और बाजार के लिए छिपा खजाना

सात वर्ष पहले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरुआत के बाद से अब तक जीएसटी नेटवर्क यानी जीएसटीएन ने बहुत बड़ी तादाद में लेनदेन दर्ज किए हैं. सवाल यह है कि क्या इन आंकड़ों को अन्य स्थानों पर इस्तेमाल किया जा सकता है. जीएसटीएन इन आंकड़ों को अन्य स्थानों पर इस्तेमाल करने का अनिच्छुक रहा है और इस बात को समझा जा सकता है, क्योंकि इसे लेकर निजता और सुरक्षा संबंधी जोखिम हैं.परंतु समुचित गोपनीयता के साथ इस आंकड़े का इस्तेमाल न केवल नीति निर्माताओं के काम आ सकता है बल्कि व्यापक जनता और बाजार भी इससे उपयोगी काम कर सकते हैं. जीएसटी परिषद को जीएसटीएन को यह निर्देश देना चाहिए ताकि वह जनता और नीति निर्माताओं को समुचित ढंग से सूचित कर सके.जीएसटी के आंकड़ों का एक संभावित इस्तेमाल केंद्र सरकार के सांख्यिकीविदों (जो केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को रिपोर्ट करते हैं) ने सुझाया है. खबरों के मुताबिक देश का आधिकारिक उत्पादन अनुमान जल्दी ही जीएसटी आंकड़ों पर आधारित हो सकता है. सकल घरेलू उत्पाद यानी जीएसटी के आकलन के आधार वर्ष में बदलाव की समुचित व्यवस्था बन जाने के बाद ऐसा किया जा सकता है.आर्थिक गतिविधियों के आकलन के मौजूदा तरीकों को लेकर कई किस्म की आलोचनाएं देखने को मिल चुकी हैं. एक प्रमुख चिंता रही है केंद्रीय कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत कंपनियों की बैलेंस शीट का इस्तेमाल किया जाना. कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के आंकड़ों में निजी क्षेत्र के मूल्यवर्धन को कारोबारी आय में शामिल करने से यह जोखिम रहता है कि अनुमान बड़े और संगठित उपक्रमों की ओर झुक जाएंगे.खासतौर पर यह देखते हुए कि फिलहाल बड़े और छोटे उपक्रमों के बीच नीतियों के अलग और असमान प्रभाव को लेकर कई तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं. आधिकारिक आंकड़ों में ऐसा पूर्वग्रह एक गंभीर समस्या है.जीएसटी परिभाषा के अनुरूप ही संगठित क्षेत्र द्वारा किए जाने वाले भुगतान पर आधारित है. इसके बावजूद इसकी पहुंच कहीं अधिक विस्तृत है और इसमें इतने विविध लेनदेन शामिल हैं कि इससे बेहतर अनुमान निकाले जा सकते हैं. इसके अलावा जीएसटी के आंकड़े कंपनियों की रिपोर्ट की तुलना में अधिक नियमित और ठोस भी होते हैं. कंपनियों की रिपोर्ट तिमाही आती हैं जबकि जीएसटी के आंकड़े मासिक स्तर पर दर्ज किए जाते हैं.निश्चित रूप से अलग-अलग और समेकित जीएसटी डेटा का इस्तेमाल करने के और भी कई तरीके हैं. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

घड़ा/धड़ा

सर पे तूफ़ान भी है सामने गिर्दाब भी है, मेरी हिम्मत कि वही कच्चा घड़ा है देखो. किसी शायर ने अपनी कमजोर हिम्मत की तुलना कच्चे घड़े से की है. कच्चा घड़ा का मतलब है पानी डालो और घड़े का काम तमाम हो जाता है. कच्चा घड़ा का मतलब किसी काम का नहीं, क्योंकि घड़ा का आविष्कार ही पानी रखने के लिए हुआ है. इस प्रसंग में दिलचस्प बात यह है कि घ और ध में मामूली अंतर के कारण कई बार घड़ा भी धड़ा बन जाता है. हालांकि घड़ा और धड़ा दोनों ही सार्थक शब्द हैं. घड़ा संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है मिट्टी या धातु का बना गोल पात्र, पानी भरने हेतु मिट्टी या धातु से बना एक पात्र, कलश, घट, बड़ी गगरी, कलसा, पानी या अनाज रखने का बरतन. घड़ा का अर्थ पेट या तोंद और काल्पनिक भी होता है. घड़ा शब्द से बने कई मुहावरे प्रचलित हैं. उनमें से एक है घड़ों पानी पड़ना. मतलब बहुत शर्मिंदा होना. दूसरा शब्द है धड़ा. यह भी संज्ञा पुल्लिंग है. इस प्रचलित अर्थ है गुट, जत्था, झुंड, समुदाय, समूह. हिंदी शब्दसागर के अनुसार धड़ा पत्थर लोहे आदि का बोझ, जो बंधी हुई तौल का होता है और तराजू के एक पलड़े पर रखकर दूसरे पलड़े पर उसी के बराबर चीज रखकर तौलते हैं. यानी बाट, बटखरा. इससे मुहावरा बनता है धड़ा करना यानी कोई वस्तु रखकर तौलने के पहले तराजू के दोनों पलड़ों को बराबर कर लेना. मतलब जब किसी वस्तु को बरतन सहित तौलना होता है, तब पहले बरतन को पलड़े पर रखकर दोनों पलड़ों को बराबर कर लेते हैं, इसी को धड़ा करना कहते हैं. इसी प्रकार मुहावरा धड़ा बांधना का मतलब है दोषारोपण करना, कलंक लगाना. धड़ा पुरानी माप पद्धति के अनुसार चार सेर की एक तौल को कहा जाता है. मुहावरा है धड़ा उठाना, जिसका मतलब है तौलना या वजन करना. इसी प्रकार धड़ा बांधने का मतलब दल बांधना होता है.

न मंजिल का पता, न रास्तों का ज्ञान

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

आपने कभी आवारा कुत्तों को ध्यान से देखा है? यह बिना मतलब के इधर-उधर घूमते रहते हैं. न मंजिल का पता , न रास्तों का ज्ञान. जिधर भाग्य ले गया, उधर चल दिए. न चलने का सलीका है, न बैठने की सभ्यता है. इनके पास कोई जीवन दर्शन है, इसकी तो आशा ही नहीं की जा सकती. इसके विपरीत पालतू कुत्तों को देखिए! घर से निकलते हैं तो नहा-धोकर बाल काढ़ कर कितने सलीके से सड़क पर उतरते हैं! देखो तो दूर से पता चल जाता है कि कोई पालतू कुत्ता आ रहा है. ऐसा नहीं कि केवल गले में पट्टा और हाथ में पकड़ी हुई चेन ही इनकी पहचान है. वास्तव में अगर सभ्यता है तो केवल पालतू कुत्तों में ही है. वरना आवारा कुत्तों ने तो सभ्यता का नाम-निशान मिटा देने का ही मानो संकल्प ले रखा है. आवारा कुत्ते एक समस्या के रूप में सभी जगह हैं. क्या गांव, क्या शहर, क्या गली-मोहल्ले और क्या सड़क! जिधर से गुजर जाओ, यह दिखाई पड़ जाते हैं. अच्छा-भला आदमी प्रसन्नचित्त होकर कहीं जा रहा है और देखते ही देखते उदासी और भय से ग्रस्त हो जाता है. आमतौर पर आवारा कुत्ते झुंड में मिलते हैं. इकट्ठे होकर चार-पांच आवारा कुत्ते टहलना शुरू करते हैं. इन्हें कोई फिक्र नहीं होती. दुनिया में सबसे ज्यादा मस्ती इनको ही छाती है. चाहे जिधर को मुड़ गए, जिसको देखा, मुंह फैला लिया. दांत दिखाने लगे और वह बेचारा इस सोच में पड़ जाता है कि इन से अपनी जान कैसे बचाई जाए? कुछ आवारा कुत्ते जरूरत से ज्यादा आवारा होते हैं. यह जब देखो तब मनचले स्वभाव के साथ विचरण करते नजर आते हैं. इनको देखकर आदमी की हालत पतली हो जाती है. कई बार यह लोगों को दौड़ा देते हैं, लेकिन आदमी की रफ्तार से आवारा कुत्ते की रफ्तार ज्यादा तेज होती है. यह छलांग लगाकर उसे पकड़ लेते हैं, कई बार काट खाते हैं. आवारा कुत्ते हमेशा कटखने नहीं होते. कुछ बेचारे इतने सीधे-साधे होते हैं कि बच्चे तक उन्हें कंकड़-पत्थर मार देते हैं और वह रोते हुए चले जाते हैं. कुछ आवारा कुत्तों को लोग प्रेमवश भोजन भी कराते हैं. कुछ लोग बिस्कुट खिलाते हैं. यह तो मानना पड़ेगा कि पालतू कुत्ता शरीफ होता है, हालांकि जिन घरों में कुत्ता पाला जाता है उसके गेट के भीतर कोई आदमी घुसना पसंद नहीं पड़ता, क्योंकि मालिक से पहले कुत्ता अतिथि की आवभगत के लिए आकर खड़ा हो जाता है. यद्यपि मालिक का कहना यही रहता है कि हमारा कुत्ता काटेगा नहीं. लेकिन कुत्ता तो कुत्ता है. अगर काट ले तो कोई क्या कर सकता है? मालिक को नहीं काटेगा, इसके मायने यह नहीं है कि वह किसी को नहीं काटेगा. जब पालतू कुत्ता किसी मेहमान को काट लेता है, तब भी मालिकों के पास बड़ा सुंदर-सा जवाब रहता है कि हमारे कुत्ते के काटने से घबराने की कोई बात नहीं है.

डिजिटल फुटप्रिंट

भविष्य पर भारी पड़ सकता "अनजान गलियों" में भटकना

11% 2023 में भारत में साइबर अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई

20% की बढ़ोतरी हुई भारत में वर्ष 2023 में डेटा उल्लंघनों के मामलों में.

2024 में 2023 की तुलना में दोगुने से अधिक पैसे का नुकसान साइबर फ्रॉड के कारण भारत में हुआ. फाइनेंशियल ईयर 2023 में या रकम 69.68 करोड़ रुपए रिपोर्ट की गई, वहीं फाइनेंशियल ईयर 2024 में 177.05 करोड़ रुपए की रकम का साइबर क्राइम के कारण नुकसान हुआ.

इंटरटेनमेंट हो या पेमेंट, शॉपिंग हो या दोस्तों-परिजनों से बातचीत, पढ़ाई हो या नौकरी...यह आज की सच्चाई है कि हम जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा ऑनलाइन गुजार रहे. पर यहां हमारे गुजरते वक्त का एक निशां हमारे लॉग ऑफ होने के बाद भी मौजूद रहता है. कुछ वैसे ही जैसे रेत पर हमारे पदचिह्न. इसे कोई अपने मतलब, स्वार्थ या जरुरत से एक्सेस कर सकता है. इसे ही डिजिटल फुटप्रिंट कहते हैं. यह वह डेटा है, जो आप इंटरनेट पर छोड़ते हैं. इसमें आपकी वेबसाइट विजिट, सोशल मीडिया पोस्ट, लाइक्स, ऑनलाइन सर्च शामिल हैं. यह जानकारी आपकी ऑनलाइन प्रोफाइल बनाने में मदद करती है और इंटरनेट उपयोग को ट्रैक करती है.

प्राइवेसी को खतरा

डिजिटल फुटप्रिंट्स से हमारी प्राइवेसी खतरे में पड़ती है. इंटरनेट पर उपलब्ध हमारी सूचना पर आधारित डेटा का गलत उपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं. कमजोर पासवर्ड, गलत प्राइवेसी सेटिंग्स या असुरक्षित वेबसाइटों के माध्यम से हमारी व्यक्तिगत जानकारी चुरा कर अहित कर सकते हैं. हमें आर्थिक तौर पर चूना लगा सकते हैं.

खुद करें जांच

प्राथमिक जांच आप खुद बहुत आसानी से कर सकते हैं. इसके लिए अपने नाम को सर्च इंजन में सर्च करें और देखें कि आपके बारे में क्या जानकारी उपलब्ध है. अगर नकारात्मक जानकारी है तो साइट एडमिन से संपर्क कर हटाने का अनुरोध करें. गूगल अलर्ट सेट कर अपने नाम की निगरानी रखें.

सोच समझ कर जानकारी दें

व्यक्तिगत जानकारी केवल उन्हीं प्लेटफॉर्म पर दें जहां वाकई जरूरी हो. रियल स्टेट वेबसाइट जैसी जगहों पर अपने बारे में व्यक्तिगत सूचनाएं देने से बचें.

कैसे काम करें डिजीटल फुटप्रिंट

- **प्राइवेसी सेटिंग की समीक्षा करें**
इन दिनों छोटी उम्र से ही कई सोशल मीडिया पर सक्रियता रहती है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स को नियमित रूप से चेक करते रहें.
- **ओवर शेयरिंग से बचें**
कहां आउटिंग के लिए निकले, किस रेस्त्रां में क्या खाया, कहां शॉपिंग की, किससे मिले जैसी तमाम जानकारियां हम सोशल मीडिया पर इन दिनों शेयर करते रहते हैं. ऐसी सूचनाओं को सोशल मीडिया पर साझा करने से बचें.
- **असुरक्षित वेबसाइट से परहेज करें**
ऑनलाइन पेमेंट करते समय ध्यान रखें कि वेबसाइट का यूआरएल एचटीटीपीसी से शुरू हो और पैडलॉक आइकॉन हो. असुरक्षित साइट पर अपने पेमेंट डिटेल्स नहीं दें.
- **पब्लिक वाईफाई से बचें**
पब्लिक वाईफाई ऐसे मामलों में सबसे संवेदनशील होते हैं. इसलिए जब इंटरनेट के लिए इनका इस्तेमाल करें तब महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करने से परहेज करें.
- **रद्द करें सोशल मीडिया के निष्क्रिय एकाउंट**
सोशल मीडिया या न्यूज लेटर के जो एकाउंट एक्टिव नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल आप नहीं कर रहे, बेहतर हो कि उन्हें खत्म कर दें.
- **वीपीएन का करें उपयोग**
अपनी ऑनलाइन गतिविधियों को छिपाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल करें. दरअसल वीपीएन आपकी आईपी एड्रेस को जाहिर नहीं करते. इसकारण इंटरनेट पर आपकी ट्रैकिंग नहीं हो पाती है.

नौकरी के लिए प्रयासरत हैं तो सर्तक रहें

डिजिटल फुटप्रिंट आपके रोजगार को भी प्रभावित कर सकती है. नौकरी के लिए भर्ती करने वाले लोग भी नियमित रूप से डिजिटल फुटप्रिंट का इस्तेमाल करते हैं. इसे 'साइबर वेटिंग' कहते हैं. यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत भर्ती करने वाला व्यक्ति आवेदकों की ऑनलाइन गतिविधि पर शोध करता है ताकि उनकी उपयुक्तता का पता लगाया जा सके. ध्यान देने वाली बात यह है कि यह सिर्फ़ आपके इंस्टाग्राम फ़ोटो को देखने से कहीं आगे तक जा सकता है. भर्ती करने वाले अब विशेष कंपनियों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो आपके द्वारा हस्ताक्षरित याचिकाओं से लेकर आप क्या खरीदारी कर रहे हैं, तक सब कुछ जांच सकती हैं.

जो खोजते हैं, उसके अनुरूप दिखता विज्ञापन

आपकी सर्च हिस्ट्री, आपके द्वारा देखी गई वेबसाइट्स की कुकीज़ या फेसबुक पर आपकी पसंद के डेटा का उपयोग करके यह निर्धारित कर सकते हैं कि आप क्या खरीदना चाहते हैं. फेसबुक के विज्ञापन इस तरह से काम करते हैं - यदि कोई मार्केटर अपने उत्पाद के लिए फेसबुक विज्ञापन बनाता है, तो वे आपके लिंग, आयु, रुचियों, ऑनलाइन व्यवहार, स्थान और आपके द्वारा पहले क्लिक किए गए विज्ञापनों जैसी चीज़ों के आधार पर आपको लक्षित कर सकते हैं.

फायनाइंस कंपनियां करतीं इस्तेमाल

अधिकतर गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं जो तेजी से लोन देने के काम में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं, वह इनका प्रयोग करती हैं. इनका प्रयोग करके कंपनियां ग्राहकों की साख क्षमता जानने में मदद लेती हैं, जिससे किसी को लोन देने का निर्णय लेने में आसानी रहती है.

आपके दिल का ख्याल रखेंगे ये हेल्थ ऐप

इन दिनों आपके हेल्थ को मॉनिटर करने के लिए, इसके इम्प्रूवमेंट के लिए कई ऐप मौजूद हैं. आइए, आज बात कुछ ऐसे ऐप की जो आपके दिल का ख्याल रखने का माद्दा रखते हैं.

- **इंस्टैंट हार्ट रेट**
यह ऐप हार्ट हेल्थ की मॉनिटरिंग के लिए हार्ट रेट, बीपी व अन्य स्वास्थ्य मापदंडों को मॉनिटर करता है. साथ ही आहार और व्यायाम के बारे में भी अपडेट करता है. अगर आपने कम वॉक किया है तो अलर्ट भी देता है. इसमें हृदय से जुड़ी हर जानकारी रिकॉर्ड भी होती है.
- **कॉर्डियो विजुअल**
हार्ट हैल्थ की मॉनिटरिंग करने के लिए यह उपयोगी इस एप को अमरिका की कॉर्डियोलॉजिस्ट टीम की देखरेख में तैयार किया गया है. कई देशों में यह बेहद लोकप्रिय है. इसमें दिल के साथ डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के बारे में भी जानकारी मिलती है. हिस्ट्री भी देख सकते हैं.
- **हार्ट रेट मॉनिटर**
यह ऐप हार्ट हेल्थ को ट्रैक करने और हेल्थ इम्प्रूवमेंट को मॉनिटर करने के लिए उपयोगी हो सकता है. यह हार्ट रेट के साथ व्यायाम करते समय शरीर की स्थिति-तनाव की भी मॉनिटरिंग करता है. इसमें डेटा भी सुरक्षित रखने का विकल्प है जिसको बाद में अपने डॉक्टर के साथ भी साझा कर सकते हैं. इसमें डॉक्टर के साथ चैट की भी सुविधा है.

रॉयल एनफील्ड के बुलेट 350 का बटालियन ब्लैक' एडिशन लॉन्च

पुरानी यादों के साथ लीजिए राइडिंग का बेहतरीन अनुभव

रॉयल एनफील्ड के बुलेट 350 का 'बटालियन ब्लैक' एडिशन पिछले दिनों लॉन्च हुआ. मिड-साइज मोटरसाइकिल सेगमेंट (250सीसी-750सीसी) की इस बाइक की कीमत 1.75 रुपए लाख से भी कम है. इसकी बुकिंग देश के कुछ हिस्सों में शुरू हो चुकी है.

रॉयल एनफील्ड बुलेट लोगों की यादों-अनुभवों में खास स्थान रखती है. यह पीढ़ियों से हमारे जीवन का अहम हिस्सा रही है. 90 साल पुरानी बुलेट को एक नए अंदाज में 'बटालियन ब्लैक' एडिशन के नाम से पेश किया है, खास कर उनके लिए जो अपनी पसंदीदा बाइक में पुराना स्टाइल चाहते हैं. बेंच सीट, विंटेज स्टाइल टेल लाइट, हाथों से पेंट की गई सोने की पिनस्ट्रिप्स, टैंक और साइड पैनल बैज... ये सभी पुराने अंदाज में है. इसके अलावा स्पोक व्हील्स के साथ क्रोम रिम और ब्लैक मिरर भी मिलते हैं. इसमें 300 एमएम फ्रंट डिस्क और 153 एमएम रियर ड्रम ब्रेक के साथ सिंगल चैनल एबीएस भी है. बारीकी से तैयार की गई बुलेट 'बटालियन ब्लैक' एडिशन को जे-प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है, जो बेहतर परफॉर्मेंस और भरोसेमंद राइडिंग का अनुभव देता है. इसमें 349 सीसी का दमदार इंजन है, जो 6100 आरपीएमपर 20.2 पीएस की पावर और 4000 आरपीएम पर 27एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है.

बढ़ रहा अंतरिक्ष में सैर का ट्रेंड

खो जाएं सितारों में कहीं

चलो, दिलदार चलो/चांद के पार चलो...फिल्मी गीत के ये पुराने बोल अब आम लोगों के लिए साकार हो रहे हैं. जी हां अगली छुट्टियों में कहीं अनोखी जगह जाना चाहते हैं तो अंतरिक्ष की ट्रिप के खर्च व अन्य आवश्यक जानकारी जरूर हासिल करें क्योंकि इन दिनों अंतरिक्ष में सैर का ट्रेंड बढ़ रहा है.

- **क्या है मामला**
12 सितंबर 2024 को मानव इतिहास में पहली बार 737 किमी की ऊंचाई पर दो आम इंसानों ने स्पेसवॉक की. ये एस्ट्रोनॉट नहीं थे. इनमें एक अरबपति थे तो दूसरे इंजीनियर. दोनों ने स्पेसएक्स के पोलैरिस डॉन मिशन के तहत अंतरिक्ष की सैर की. ड्रैगन कैप्सूल से 737 किलोमीटर ऊपर बाहर निकले और बहुत प्यार से धरती को निहारते हाय-हेलो बोला. इन दोनों का नाम है जारेड आइसैकमैन और सारा गिलिस. जारेड आइसैकमैन इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट कंपनी फोर डॉट इन के संस्थापक हैं. जबकि सारा स्पेसएक्स में इंजीनियर. यात्रा के खर्च का वहन जारेड ने किया. जारेड ने कहा कि हमें घर आकर बहुत सारा काम करना है, लेकिन जहां मैं हूं, यहां से धरती एक खूबसूरत दुनिया दिखती है.
- **कितना लगता खर्च**
दो आम इंसानों की अंतरिक्ष सैर मन में सहज यह प्रश्न उठाती है कि सितारों की दुनिया में सैर के लिए कितना खर्च करना होगा और किस तरह की ट्रेनिंग लेनी होगी. इसके लिए किससे संपर्क करना होगा. बेशक स्पेसवॉक के लिए अरबों रुपए खर्च करने होते हैं. इसमें कई चीजें शामिल होती है. स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की एक सीट की कीमत ही करीब 55 मिलियन डॉलर है. यानी 461.41 करोड़ रुपए से ज्यादा. इतने पैसे इसलिए क्योंकि आपको ट्रेनिंग दी जाती है. आपके शरीर के मुताबिक स्पेस सूट तैयार किया जाता है. भयानक स्तर की शारीरिक क्षमता विकसित कराई जाती है.
- **कैसे होता चयन**
सिर्फ वह व्यक्ति अंतरिक्ष में सैर की ख्वाहिश पूरी कर सकता है जिसका चयन नासा या उसे ले जाने वाली स्पेस कंपनी करें. लेकिन इसमें व्यक्ति के स्किल, अनुभव और शारीरिक फिटनेस पर बहुत ध्यान दिया जाता है.

किस वाहन में जाते हैं
नासा या स्पेसएक्स या किसी अन्य कंपनी के स्पेसक्राफ्ट में बैठकर. रॉकेट की मदद से स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में छोड़ा जाता है. इसके बाद एस्ट्रोनॉट उससे बाहर निकल कर स्पेसवॉक करते हैं. लेकिन तार से बंधे रहते हैं. यही काम स्पेस स्टेशन पर भी होता है.

- **किस तरह होती ट्रेनिंग**
अंतरिक्ष की विशेष स्थिति में बचाव के लिए कड़ी ट्रेनिंगदी जाती है. फिजिकल कंडिशनिंग कराई जाती है. स्पेसवॉक से संबंधित तकनीकी और वैज्ञानिक प्रोसीजर का ज्ञान दिया जाता है. स्वीमिंग पूल्स में स्पेसवॉक की ट्रेनिंग होती है. साथ ही वर्चुअल रियल्टी प्रोग्राम्स के तहत ट्रेनिंग होती है. इमरजेंसी ट्रेनिंग कराई जाती है. सिमुलेशन में स्पेसवॉक की प्रैक्टिस कराई जाती है. यंत्रों की जांच कैसे करें, यह भी बताया जाता है. टीम के सदस्यों के साथ बेहतर कॉर्डिनेशन और मिशन कंट्रोल पर काम कराया जाता है.

गुलजार होने वाला है इलेक्ट्रिक कारों का बाजार

आ रही हैं ये तीन धांसू इलेक्ट्रिक कार

पिछले कुछ सालों से अपने देश में इलेक्ट्रिक कारों की लोकप्रियता में लगातार इजाफा हुआ है. कार कंपनियां इलेक्ट्रिक कार पर लगातार काम कर रही हैं, और नए फीचर्स के साथ कारों को लॉन्च भी कर रही हैं. हालांकि फिलवक्त इस सेगमेंट में टाटा मोटर्स ने कुल बिक्री में 66% की हिस्सेदारी के साथ मार्केट में अपना वर्चस्व बना रखा है. अगर आप भी आने वाले कुछ महीनों में नई इलेक्ट्रिक कार खरीदने की योजना बना रहे हैं तो जरा थमें और मार्केट पर नजर रखें. इस सेगमेंट में जल्द ही मारुति सुजुकी से लेकर हुंडई इंडिया और किआ जैसी कंपनियां अपने कई इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करने वाली हैं. आइए आज बात करें ऐसी ही अपकमिंग 3 इलेक्ट्रिक कारों के संभावित फीचर्स, ड्राइविंग रेंज और कीमत पर

मारूति सुजुकी ईवीएक्स

भारतीय ग्राहकों के बीच विशेष लोकप्रिय मारुति सुजुकी जल्द ही अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करेगी. कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार मारुति सुजुकी ईवीएक्स होगी जो साल 2025 की शुरुआत में लॉन्च होने की संभावना है. मारुति की अपकमिंग इलेक्ट्रिक एसयूवी में 60 किलो वाट का बैट्री पैक दिया जा सकता है. ऑटो मोबाइल फील्ड के दिग्गजों की मानें तो यह कार सिंगल चार्ज पर 500 से 550 किलोमीटर तक सरपट दौड़ेगी.

हुंडई क्रेटा ईवी

हुंडई क्रेटा ने भी पिछले कुछ सालों में अपनी कारों की लोकप्रियता बढ़ाई है. जनवरी, 2024 में हुंडई क्रेटा के अपडेटेड वर्जन की लॉन्चिंग पर मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब कंपनी जल्द भारतीय मार्केट में हुंडई क्रेटा के इलेक्ट्रिक वेरिएंट को लॉन्च करने के लिए कमर कसी है. कई बार इस इलेक्ट्रिक कार को सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है. ऑटो मोबाइल सेक्टर के दिग्गजों की मानें तो हुंडई क्रेटा ईवी साल 2025 की शुरुआत में भारतीय मार्केट में लॉन्च हो सकती है.

किया ईवी 9

किआ इंडिया भारतीय मार्केट में आगामी 3, अक्टूबर महीने में अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवी 9 को लॉन्च करने जा रही है. अपकमिंग किआ इलेक्ट्रिक एसयूवी में फीचर्स के तौर पर 12.3-इंच का स्क्रीन सेटअप, 14-स्पीकर साउंड सिस्टम और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम जैसे फीचर्स मौजूद रहेंगे. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अपकमिंग किआ इलेक्ट्रिक एसयूवी सिंगल चार्ज पर 541 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है पाकिस्तान क्रिकेट

बाबर आजम की जगह रिजवान को बनाएं कप्तान : बाशित अली

एजेंसी। नयी दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है. बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में 2-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तान को हराया. पाकिस्तान क्रिकेट में लगातार फेरबदल का दौर जारी है. खासकर, पाकिस्तान के कप्तान पर लगातार सवाल उठ रहे हैं. अब पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी बासित अली ने कप्तानी पर बड़ा बयान दिया है. बासित अली का मानना है कि मोहम्मद रिजवान को कप्तान बनाना चाहिए. बासित अली ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मोहम्मद

रिजवान को कप्तान बनाने पर विचार करें. उन्होंने कहा कि मोहम्मद रिजवान विकेटकीपर होने के नाते पिच को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे, लेकिन बाबर आजम ऐसा करने में नाकाम रह रहे हैं. इसलिए अगर मोहम्मद रिजवान को कप्तान बनाया जाता है तो पाकिस्तान को फायदा मिलेगा. बासित अली कहते हैं कि डोमेस्टिक मैचों में जिस तरह मोहम्मद रिजवान ने कप्तानी की, उससे साफ जाहिर होता है कि उससे बेहतर कप्तानी के विकल्प उपलब्ध नहीं हैं.

मोहम्मद रिजवान पिच को समझ लेते हैं

बासित अली आगे कहते हैं कि विकेटकीपर के तौर पर मोहम्मद रिजवान पिच को समझ लेते हैं, यह बहुत अहम है. लेकिन बाबर आजम पिच को समझने में नाकाम रहते हैं. हालांकि, मैं शान मसूद की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन मेरा मानना है कि अगर इस वक्त मोहम्मद रिजवान को कप्तान नहीं बनाया गया तो यह पाकिस्तान क्रिकेट का नुकसान होगा. मेरा मानना है कि मोहम्मद रिजवान को कप्तानी मिले. वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मोहम्मद रिजवान को बाबर आजम की जगह वनडे और टी20 टीम की कप्तानी मिल सकती है.

खेलते कम बोलते ज्यादा हैं पाकिस्तानी क्रिकेटर : यूनुस खान

नयी दिल्ली। बाबर आजम इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार खराब परफॉर्म कर रहे हैं. हाल में हुई बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी उनका बल्ला नहीं चला और टीम को दोनों मैच गंवाने पड़ गए. पूर्व क्रिकेटर यूनुस खान ने बाबर और पाकिस्तान के अन्य प्लेयर्स को लेकर कहा है कि वह खेलते कम हैं और बोलते ज्यादा है. उन्हें विराट कोहली को देखना चाहिए. यूनुस खान ने क्रिकेट पाकिस्तान के एक कार्यक्रम में कहा, अगर बाबर और अन्य खिलाड़ी मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो परिणाम सामने आ जाता है. हमारे खिलाड़ी खेलते कम हैं लेकिन बोलते ज्यादा हैं. विराट कोहली को देखिए. उन्होंने खुद कप्तानी छोड़ने

का फैसला किया और अब वह दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं. इससे पता चलता है कि देश के लिए खेलने की प्राथमिकता सबसे पहले होनी चाहिए. युनूस ने आगे कहा, बाबर आजम से मैं यही कहूंगा कि उन्हें अपने क्रिकेट पर सच में ध्यान देना चाहिए. उन्हें बेहतर परफॉर्म करना चाहिए. बाबर आज़म को कप्तान इसलिए बनाया गया क्योंकि वह उस समय सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी थे. मैं उस समय वहां मौजूद था, जब यह निर्णय लिया गया था. फिलहाल कप्तान बदलने पर कोई चर्चा नहीं हुई है. पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कप्तानी पर फैसला करने का काम कोच और चयनकर्ताओं पर छोड़ दिया है.

बता दें कि भारत में हुए 2023 वनडे विश्व कप से पाकिस्तान के बाहर होने के बाद बाबर आज़म को वाइट गेंद की कप्तानी से हटा दिया गया था और उनकी जगह शाहीन शाह अफरीदी कप्तान बनाया गया था. इसी तरह टेस्ट में भी बाबर के इस्तीफ़े के बाद शान मसूद को कप्तान बनाया गया.

विराट कोहली-रोहित शर्मा के अलावा इस खिलाड़ी पर रहेगी नजर

बांग्लादेश के खिलाफ भारत तैयार

एजेंसी। नयी दिल्ली

टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होगा. पहला टेस्ट चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा. सभी खिलाड़ी चेन्नई पहुंच चुके हैं और प्रैक्टिस शुरू कर दी. भारतीय पिचों पर स्पिनरों को मदद मिलती रही है. ऐसे में इस सीरीज में बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा. गौतम गंभीर की बतौर कोच ये पहली टेस्ट सीरीज है. ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके नेतृत्व में टीम इंडिया टेस्ट फॉर्मेट में किस अंदाज में खेलती है. रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपनी तैयारियों को और पुख्ता करने के लिए पहले ही खूब पसीना बहा रही है, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान को उसके घर में पस्त करने के बाद बांग्लादेश की क्रिकेट टीम भारत को चुनौती देने के लिए आत्मविश्वास से लबरेज होगी. नजमुल हुसैन की कप्तानी वाली टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ चेन्नई पहुंची है. बांग्लादेशी कप्तान ने भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई है. हालांकि टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा एकतरफा भारी रहा है और बांग्लादेश के लिए भारत को टेस्ट में हराना 'लोहे के चने' चबाना जैसा है. पाकिस्तान का दौरा करने से पहले बांग्लादेश ने उसे टेस्ट में नहीं हराया था लेकिन इस बार बांग्लादेश ने बड़ा उलटफेर करते हुए सीरीज भी जीत ली. ऐसे में रोहित शर्मा एंड कंपनी भी बांग्ला टाइगर्स को हल्के में नहीं ले सकती.

विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर. अश्विन जैसे अनुभवी और उम्रदराज खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम पड़ाव में है. हालांकि, तीनों ही खिलाड़ी अपनी फिटनेस और फॉर्म के आधार पर बड़े-बड़े दिग्गजों को छकाने का माद्दा रखते हैं. एकतरफ दोनों ही बल्लेबाज टीम इंडिया के मुख्य बैटर हैं, जबकि विशेषज्ञ ऑफ स्पिनर अश्विन बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी परेशानी का सबब हो सकते हैं. इन तीनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टीम इंडिया की नजर टिकी होगी. भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह एक बार फिर टीम इंडिया के लिए 'संकटमोचन' बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. शुरुआती सफलता दिलाने का जिम्मा एक बार फिर उनके कंधों पर होगा. जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल भी एक्शन में लौटने को उत्सुक होंगे.

टर्निंग पिच रही तो जूझते नजर आएगी बांग्लादेश की टीम

चेन्नई टेस्ट के लिए भारतीय टीम टर्निंग पिच तैयार करवा सकती है. ऐसे में बांग्लादेश के बल्लेबाज टीम इंडिया के स्पिनरों के सामने जूझते नजर आ सकते हैं. भारत और बांग्लादेश की टीमों के बीच स्पिन गेंदबाजी ही सबसे बड़ा फैक्टर रहेगी जिससे सीरीज की तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी. चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया तीन स्पिनरों के साथ उतर सकती है. आइए एक नजर डालते हैं कि बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में भारत किस प्लेइंग इलेवन के साथ उतरता है. बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा के साथ यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत कर सकते हैं. कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से टीम इंडिया को एक आक्रामक शुरुआत दे सकते हैं. बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में नंबर 3 पर शुभमन गिल को उतारा जाएगा. नंबर 4 पर विराट कोहली उतरेंगे. नंबर 5 पर विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मौका मिल सकता है. ऋषभ पंत विकेटकीपर का रोल निभाएंगे. विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को ऐसे में प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना होगा. ध्रुव जुरेल को कुर्बान करने के लिए कप्तान रोहित शर्मा मजबूर होंगे.

यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा है. इस समय भारत तालिका में शीर्ष पर है, और यकीनन एक बड़ी जीत के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहेगा.

केएल राहुल स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे

बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में नंबर 6 पर केएल राहुल को बल्लेबाजी की जिम्मेदारी दी जाएगी. केएल राहुल स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे. सरफराज खान को ऐसे में प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना होगा. सरफराज खान को कुर्बान करने के लिए कप्तान रोहित शर्मा मजबूर होंगे. बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में नंबर 7 पर ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे, जो गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी टीम इंडिया को मजबूती देंगे. कुलदीप यादव और रविचंद्रन अश्विन को प्लेइंग इलेवन में मौका दिया जा सकता है. कुलदीप यादव और रविचंद्रन अश्विन घातक स्पिन गेंदबाजी में माहिर हैं. अक्षर पटेल को कुर्बान करने के लिए कप्तान रोहित शर्मा मजबूर होंगे. बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में होने वाले पहले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को बतौर तेज गेंदबाज टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलना तय है.

आज अपना 38वां जन्मदिन मनाएंगे आर. अश्विन

बांग्लादेशी खिलाड़ियों के मन में अश्विन के 'स्पिन' का खौफ

एजेंसी। नयी दिल्ली

चेपॉक की पिच स्पिन के अनुकूल है. भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर को पहला टेस्ट मैच यहीं खेला जाना है. पाकिस्तान को उसके घर में हराकर भारत आए 'टाइगर्स' के हौसले बुलंद हैं, लेकिन अश्विन की फिरकी और कैरम बॉल का 'खौफ' उन्हें सता रहा है, जबकि दूसरी तरफ इस दिग्गज ऑफ स्पिनर के निशाने पर कई बड़े रिकॉर्ड हैं. विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अग्रणी विकेट लेने वालों की सूची में नंबर 1 स्थान हासिल करने से लेकर भारतीय धरती पर खेले गए मैचों में अनिल कुंबले के 476 विकेटों के आंकड़े को पीछे छोड़ने तक, आर अश्विन भारत और बांग्लादेश के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में कई रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं. विश्व का यह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज बांग्लादेश के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के स्पिन आक्रमण की अगुवाई करेगा.

सीरीज का पहला मैच अश्विन के घरेलू मैदान चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा और दूसरे मैच की मेजबानी कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम 27 सितंबर को करेगा. मंगलवार (17 सितंबर) को अश्विन अपना 38वां जन्मदिन मनाएंगे. इस खास मौके पर आगामी दो मैचों में वह कौन से रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं, उस पर एक नजर डालते हैं. बांग्लादेश के खिलाफ 2 पारियों में 5 प्लस विकेट लेते ही अश्विन ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न से आगे

निकल जाएंगे. साथ ही उनके पास टेस्ट विकेट के मामले में ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन से आगे निकलने का भी मौका है. ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के नाम फिलहाल 129 टेस्ट में 530 विकेट हैं, जबकि अश्विन 100 टेस्ट में 516 विकेट ले चुके हैं. बांग्लादेश के खिलाफ 15 विकेट लेकर अश्विन आगे निकल सकते हैं. फिलहाल उनके नाम 100 टेस्ट की 36 पारियों में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं. वॉर्न के नाम 37 पारियों में 5 प्लस विकेट लेने का रिकॉर्ड है. इस लिस्ट में टॉप पर श्रीलंका के पूर्व ऑफ स्पिनर मुरलीधरन हैं, जिनके नाम 67 बार 5 प्लस विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है. भारत में खेले गए 126 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अश्विन ने कुल 455 विकेट लिए हैं. अगर वह बांग्लादेश सीरीज में 22 विकेट ले लेते हैं, तो वह भारतीय धरती पर खेले गए मैचों में अनिल कुंबले के 476 अंतरराष्ट्रीय विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे. भारतीय क्रिकेट टीम में अश्विन का टेस्ट करियर बेमिसाल रहा है. उन्होंने अपने लगभग डेढ़ दशक लंबे टेस्ट करियर में 100 टेस्ट खेले हैं, जिसमें 23.75 की औसत के साथ 516 विकेट लिए हैं. वह 4 और विकेट लेते ही विश्व के आठवें सर्वाधिक टेस्ट विकेट वाले गेंदबाज बन जाएंगे. भारतीय टीम में उनसे ज्यादा टेस्ट विकेट सिर्फ अनिल कुंबले (619) ने लिए हैं. अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर संन्यास से जुड़ी खबरों पर अश्विन ने एक मीडिया इंटरव्यू में कहा था, मैंने अभी संन्यास का फैसला नहीं किया है, लेकिन जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं सुधार नहीं करना चाहता, मैं खेल को अलविदा कह दूंगा.

कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग की हुई घोषणा

नयी दिल्ली। भारतीय पहलवान साक्षी मलिक और गीता फोगाट ने सोमवार को कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग (डब्ल्यूसीएसएल) के गठन की घोषणा की. साक्षी ने एक्स पर घोषणा की, हमारे गांव और समुदायों ने हमें पाला-पोसा, लेकिन पूरे राष्ट्र ने हमें चैंपियन बनाने में एकजुट होकर मदद की. तिरंगे के लिए लड़ने से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता है, और आपके प्यार और प्रेरणा से यह संभव हो सका. हम आपके प्रति आभारी हैं और अपने सार्वजनिक एवं निजी सहयोगियों के भी योगदान के लिए धन्यवाद करते हैं. हम विशेष रूप से सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आभारी हैं. उन्होंने आगे कहा, आपके विश्वास का एकमात्र उत्तर यही है कि हम अपनी खेल प्रतिभा, अनुभव, दृढ़ता और सफलता को खेल की सेवा में समर्पित करें.

आईसीसी प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुने गए दुनीथ वेल्लालगे, हर्षिता समरविक्रमा

एजेंसी। दुबई

आईसीसी ने सोमवार को श्रीलंकाई खिलाड़ी दुनीथ वेल्लालागे और हर्षिता समरविक्रमा को अगस्त 2024 के लिए क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया. वेल्लालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और समरविक्रमा ने आयरलैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया. इससे पहले एक ही देश के खिलाड़ियों द्वारा एक ही महीने में पुरस्कार जीतने का एकमात्र उदाहरण तब था जब इस साल जून में जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुना गया था. वेल्लालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज

और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स से आगे रहते हुए प्रतिष्ठित मासिक पुरस्कार जीता, जो शॉर्टलिस्ट किए गए अन्य खिलाड़ी थे.

वेल्लालागे के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने भारत पर 2-0 से सीरीज जीत हासिल की. 31 वर्षीय बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने नाबाद 67, 39 और दो रन बनाए, जबकि सीरीज में सात विकेट भी चटकाए, जिसमें तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लेना भी शामिल है. यह पांचवीं बार है जब किसी श्रीलंकाई खिलाड़ी ने पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीता है, इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रभात जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) व कामिंडु मेंडिस (मार्च 2024) इस पुरस्कार को जीत चुके हैं. आयरलैंड की जोड़ी ओरला प्रेंडरगैस्ट और गैबी लुईस को पछाड़ने वाली समर विक्रमा ने आयरलैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया.

पीसीबी ने महिला क्रिकेट टीम का दैनिक भत्ता रोका

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने नेशनल कैंप में हिस्सा ले रहीं महिला क्रिकेट टीम का दैनिक भत्ता रोक दिया है. इससे महिला क्रिकेटरों में निराशा है, क्योंकि पुरुष टीम को यह सुविधा दी जा रही है. पीसीबी के अधिकारियों का कहना है कि नेशनल कैंप के दौरान बोर्ड ने महिला क्रिकेटरों के रहने की व्यवस्था की है. साथ ही तीन टाइम भरपेट खाना उपलब्ध करवाया जा रहा है. इसका कारण दैनिक भत्ता रोक दिया गया है.

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का ट्रेनिंग कैंप मुल्तान में चल रहा है, जहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए तैयारी चल रही है. टी20 सीरीज खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम मुल्तान पहुंच चुकी है. अगले महीने यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले यह

दौरा अहम है. महिला खिलाड़ियों में निराशा है, क्योंकि पुरुष टीम को पीसीबी की ओर से दैनिक भत्ता दिया जा रहा है. साथ में दो वक्त का भरपेट खाना भी शामिल है.

महिला खिलाड़ी अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा का भी इंतजार कर रही हैं, जिसमें पहले ही एक महीने से अधिक की देरी हो चुकी है. महिला क्रिकेटरों के लिए भत्ते में कटौती का निर्णय ऐसे समय में आया है, जब बोर्ड फैसलाबाद में चल रहे चैंपियंस कप में टीमों के पांच मेंटर्स को 50 लाख रुपये मासिक वेतन दे

खास बातें

- मुल्तान में चल रहा है महिला टीम का ट्रेनिंग कैंप
- दक्षिण अफ्रीका के साथ घरेलू सीरीज की है तैयारी

रहा है. साथ ही क्रिकेट से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं. बोर्ड अगले साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी से पहले देश में तीन टेस्ट स्थलों के नवीनीकरण पर भी लगभग 12.8 बिलियन डॉलर खर्च कर रहा है. पाकिस्तान के एक पूर्व खिलाड़ी ने कहा, कुछ लाख रुपये से बोर्ड पर क्या फर्क पड़ेगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं है, लेकिन इससे महिला क्रिकेट में असंतोष पैदा होने की संभावना है.

ऐलान न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज कल से

टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम की घोषणा

- पहला टेस्ट मैच गॉल में खेला जाएगा

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. ये टीम 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए चुनी गई है, जिसका आगाज 18 सितंबर से होगा. श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच गॉल में खेला जाएगा. 16 सदस्यीय टीम में काफी उथल-पुथल मची है. सबसे पहले तो इसमें बल्लेबाज ओशादा फर्नांडो की वापसी देखने को मिली है, जो 18 महीने से टीम से बाहर थे. उसके अलावा इंग्लैंड दौरे पर गई टीम में से

3 खिलाड़ियों को बाहर किया गया है. इंग्लैंड दौरे की टीम में शामिल जिन 3 खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया उनमें निशान मधुशंका, निसाला थाराका और कसुन रजिता का नाम शामिल है. श्रीलंकाई टीम की कप्तानी का दरोमदार धनंजया डि सिल्वा के कंधे पर होगा.

18 महीने बाद टीम में लौटे ओशादा फर्नांडो : न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंकाई टीम के सेलेक्शन में ओशादा फर्नांडो की वापसी सबसे बड़ी खबर हैं. 32 साल के इस बल्लेबाज को साउथ अफ्रीका दौरे पर श्रीलंका ए के लिए किए प्रदर्शन का इनाम मिला है. ओशादा ने 122 और 80 रन की बड़ी पारी खेली और श्रीलंका ए को पहला अनऑफिशिएल मैच जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की. उन्हें दोनों पारियों में लाजवाब बैटिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.

टीम इस प्रकार है : धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके, दिनेश चांडीमल, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, ओशादा फर्नांडो

21 टेस्ट में ओशादा ने 1029 रन बनाए

श्रीलंका के लिए 21 टेस्ट खेल चुके ओशादा फर्नांडो 18 महीने से टेस्ट टीम से दूर थे. उन्होंने 21 टेस्ट में 33.06 की औसत से 1091 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं. पहले मौके पर ज्यादा असर नहीं डाल पाने वाले ओशादा फर्नांडो की कोशिश टेस्ट टीम में खुद को मिले दूसरे मौके को अच्छे से भुनाने की होगी. श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 18 सितंबर से गॉल में खेला जाएगा. जबकि दूसरा टेस्ट मैच भी 26 सितंबर से गॉल में ही होगा.

गोवा के लिए खेलते हुए केएससीए इलेवन के खिलाफ कहर बरपाया

अर्जुन तेंदुलकर ने झटके नौ विकेट, टीम को जिताया

एजेंसी। मुंबई

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर फिर से सुर्खियों में हैं. बाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज इस वक्त कर्नाटक में चल रहे डॉक्टर के थिमाप्पिया मेमोरियन टूर्नामेंट में खेल रहा है जहां उन्होंने गोवा के लिए खेलते हुए केएससीए इलेवन के खिलाफ कहर बरपाया. अर्जुन ने रेड बॉल के इस टूर्नामेंट में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए गोवा को पारी और 189 रनों से जीत दिलाई. अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा क्रिकेट एसोसिएशन के लिए मैच में कुल 9 विकेट झटके. पहली पारी में वो पांच विकेट ले गए और दूसरी पारी में इस खिलाड़ी ने चार विकेट अपने नाम किए.

अर्जुन तेंदुलकर का 'पंजा' : अर्जुन तेंदुलकर ने केएससीए इलेवन

की पारी के ताश के पत्तों की तरह बिखेर दिया. बाएं हाथ के इस पेसर ने पहली पारी में महज 41 रन देकर 5 शिकार किए. अर्जुन तेंदुलकर ने केएससीए इलेवन के पहले पांच में से चार बल्लेबाजों को अकेले ही निपटा दिया और फिर अक्षन राव का विकेट लेकर उन्होंने अपना फाइव विकेट हॉल पूरा किया. केएससीए इलेवन की टीम पहली पारी में सिर्फ 103 रन ही बना सकी. जवाब में गोवा क्रिकेट एसोसिएशन की टीम ने पहली पारी में 413 रनों का विशाल स्कोर बनाया.

अर्जुन के लिए अहम है अगला रणजी सीजन

अर्जुन तेंदुलकर के लिए अगला रणजी सीजन बेहद अहम है. अगले महीने से रणजी ट्रॉफी का आगाज ह रहा है और उससे पहले ये खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में दिखाई दे रहा है. गोवा के लिए अच्छा प्रदर्शन उनके लिए आगे के रास्ते खोल सकता है. अर्जुन के फर्स्ट क्लास करियर की बात करें तो वो 13 मैचों में 21 विकेट अपने नाम कर चुके हैं. इसके अलावा ये खिलाड़ी बल्ले से भी अपनी धमक दिखा चुका है.

अभिनव तेजराना ने 109 रनों की पारी खेली. मंथन खुटकर ने 69 रनों की पारी खेली.अर्जुन तेंदुलकर 18 रनों का योगदान दे पाए.

ब्रीफ खबरें

पिकअप वैन से 50 मवेशी जब्त, 6 गिरफ्तार

अररिया । फारबिसगंज थाना पुलिस ने पटना बस स्टैंड से सटे आईटीआई के समीप सोमवार को सात पिकअप वाहन पर लदे 50 से अधिक मवेशी को जब्त किया. पुलिस ने यह कार्रवाई श्री राम सेना के सहयोग से किया. नरपतगंज में लगे सरकारी मवेशी हाट से मवेशियों को लेकर गाड़ी सिमराहा स्थित मांस फैक्ट्री के साथ पश्चिम बंगाल के पांजीपारा ले जाया जा रहा था. इसी क्रम में श्री राम सेना के कार्यकर्ता आईटीआई के समीप फोरलेन सड़क पर वाहनों को पकड़ लिया.

नेता पर हुए हमला मामले में एक पकड़ाया

भागलपुर । बीते दिनों जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र में भाजपा नेता सह पार्षद पति शशि मोदी पर हुए हमले का एक आरोपी फुट्टो यादव उर्फ रोशन कुमार को बेगूसराय थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है. उक्त आशय की जानकारी सोमवार को डीएसपी ट्रू राकेश कुमार ने दी. डीएसपी ने बताया कि बीते दिनों शशि मोदी पर अपराधियों ने हमला कर दिया था. इसके बाद शशि मोदी बुरी तरह से घायल हो गए थे. आनन-फानन में इलाज के लिए शशि मोदी को स्थानीय लोग एवं पुलिस के द्वारा जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां अभी शशि मोदी का इलाज जारी है.

चौकीदार ने शव को रस्सी बांधकर बहा दिया

समस्तीपुर । समस्तीपुर जिले में पुलिस की अमानवीयता का एक शर्मनाक मामला सामने आया है. मुफस्सिल थानाक्षेत्र के रघुनाथपुर छतौना गांव के पास बूढ़ी गंडक नदी में उतरा रहे एक शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने के बजाय स्थानीय चौकीदार ने रस्सी बांधकर नदी की तेज धारा में बहा दिया. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसके बाद पुलिस प्रशासन की आलोचना हो रही है. जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम को रघुनाथपुर छतौना गांव के पास बूढ़ी गंडक नदी में एक शव उतराया हुआ मिला.

मधेपुरा के श्रीनगर थानाक्षेत्र अंतर्गत पोखरिया टोला में हुई वारदात

पति ने पत्नी की काटी गर्दन, फिर सिर हाथ में लेकर थाने पहुंचा

संवाददाता । मधेपुरा

खौफनाक मंजर देख कांप उठे लोग

मधेपुरा के श्रीनगर थानाक्षेत्र अंतर्गत पोखरिया टोला वार्ड-2 में सोमवार की सुबह एक सनकी पति ने अपनी पत्नी की दबिया से गर्दन काट कर हत्या कर दी. हत्या करने के बाद आरोपी पति अपनी पत्नी के कटे हुए सिर को हाथ में लेकर घूमता रहा. यह देखकर लोगों के बीच सनसनी फैल गई. हालांकि, पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है.

हेडक्वार्टर डीएसपी मनोज मोहन ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब सात बजे श्रीनगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पूजा देवी की धारदार दबिया से गला काटकर हत्या कर दी है. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर घटना के मुख्य आरोपी अर्जुन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है. उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है. साथ ही घटना में प्रयुक्त दबिया को बरामद कर जब्त किया गया है. बताया जा रहा है कि आरोपी ने अपनी पत्नी का धड़ उसके सिर से अलग कर दिया. सिर काटने के बाद वह उसे हाथ में लेकर घूमता रहा, जिससे लोगों के बीच सनसनी फैल गई. वहीं, इसकी सूचना मिलने पर पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी पति अर्जुन शर्मा ने अवैध संबंध के शक में अपनी पत्नी का धारदार दबिया से गला काट दिया. फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

ग्रामीण मो. नजीर ने बताया कि आरोपी अर्जुन हाथ में एक झोला लेकर थाने की ओर आ रहा था. झोला से खून टपक रहा था. इस बीच एक पुलिसकर्मी ने उसे रोका. फिर झोले में कटा सर देख सभी दंग रह गए. इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. जब उससे पूछा गया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या क्यों की तो उसने अवैध संबंध होने की बात कही. इसके बाद कटे हुए सर के साथ उसे थाने ले जाया गया.

10 किलो 144 ग्राम चरस के साथ शिक्षक समेत दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । नेपाल से भारत में लाए जा रहे 10 किलो 144 ग्राम चरस के साथ एक सरकारी शिक्षक व एक अन्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. उक्त आरोपी से चरस की खेप लेकर आइसीपी बाइपास के रास्ते रामगढ़वा की ओर जा रहे थे.इसी दौरान गुप्त सूचना के बाद इन्हे दबोच लिया गया. इसकी जानकारी देते हुए सोमवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार व पुलिस निरीक्षक राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि दोनों आरोपी हाथ में झोला लेकर तेजी से गम्हरिया की ओर जा रहे थे, इसी दौरान उन्हें रोककर तलाशी ली गयी. तलाशी में आरोपियों के पास से 10 किलो 144 ग्राम चरस बरामद किया गया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान हरैया थाना क्षेत्र के हरैया निवासी शैलेंद्र कुमार व रक्सौल थाना क्षेत्र के कोइरिया टोला निवासी अंकेश कुमार के रूप में की गयी है. जिसमें एक आरोपी शैलेंद्र कुमार मध्य विद्यालय हरैया में शिक्षक के पद पर कार्यरत है. बरामद किये गये चरस की कीमत अंतराष्ट्रीय बाजार में 1 करोड़ रुपये आंकी गयी है. पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है.

मछली पकड़ने को लेकर हुआ था विवाद

बेटे के सामने पिता को पीट पीटकर मार डाला, केस दर्ज

संवाददाता । नालंदा

तालाब से मछली पकड़ने को लेकर हुए विवाद के बाद बात इतनी बढ़ गई कि एक व्यक्ति की जान चली गई. बेटे के सामने पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. मामला नालंदा के छबिलापुर थाना इलाके के कटारी गांव का है. मृतक की पहचान जितेंद्र राजवंशी (45 साल) के रूप में की गई है. मृतक जितेंद्र राजवंशी के 16 वर्षीय पुत्र राजा से पुलिस ने पूछताछ की है. उसके बयान के आधार पर मामला दर्ज करते हुए जांच की जा रही है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सार्वजनिक तालाब से मछली पकड़ने को लेकर हुए विवाद में कुछ दबंगों ने राजा की पिटाई कर दी. इससे किशोर जख्मी हो गया. पिटाई के बाद वापस बेटे को लेकर जितेंद्र राजवंशी दबंगों के पास चले आए और गाली-गलौज करने लगे. इस पर बात बढ़ गई और दबंगों ने जितेंद्र राजवंशी की पिटाई कर दी. इससे उनकी मौत हो गई.

आरोपी फरार हो गए : हालांकि पिटाई से जख्मी हुए जितेंद्र राजवंशी को गांव वाले इलाज के लिए राजगीर के सरकारी अस्पताल पहुंचे. हालांकि डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया. बताया गया कि पिता की पिटाई पर बेटे ने शोर मचाया तो गांव के कुछ लोग पहुंचे मगर दबंग छुप गए. उसके बाद वे गांव से फरार हो गए हैं. घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है. परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है.

बेगूसराय सदर अस्पताल से नवजात बच्चे की हुई चोरी

संवाददाता । बेगूसराय

बेगूसराय जिले में एक नवजात शिशु को सदर अस्पताल के एसएनसीयू से चोरी कर लिया गया. बच्चे चोरी का पता उस वक्त चला, जब सदर अस्पताल के कर्मचारियों का शिफ्ट चेंज हो रहा था. जब एसएनसीयू के कर्मचारी बच्चे बीएस्टी के आधार पर बच्चे का मिलाना शुरु किया तो एक बच्चा गायब मिला. जैसे ही बच्चे के गायब होने की सूचना मिली पूरे अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया. ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने इसकी सूचना अस्पताल अधीक्षक डॉ संजय कुमार और सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार को गई. अधीक्षक और सिविल सर्जन दोनों अधिकारी भागे हुए अस्पताल पहुंचे और अपने कर्मचारियों से पूछताछ शुरु की.

एक दिन पूर्व बच्चे का हुआ था जन्म : बताया जाता है कि नंदिनी नाम कि महिला जिसका ससुराल मुंगेर जिला है और मायके बेगूसराय है, वो शनिवार को देर रात पहले संतान के रूप में एक बेटे को जन्म दी थी. जन्म के बाद बच्चे की स्थिति ठीक नही थी तो चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल स्थित एसएनसीयू में भर्ती कर दिया. बताया जाता है कि रविवार को करीब दो बजे के आस पास बच्चे को उसकी मां के पास दिया गया. मां जब बच्चे को दूध पिला दी तो पुनः उसके जगह छोड़ दी. रात शाम जब बच्चे की मां फिर अपने बच्चे के पास पहुंची तो नर्स उसके बच्चे को देने में आनाकानी करने लगी, जब ड्यूटी चेंज हुई और फिर नर्स आई और रजिस्टर से बच्चे का मिलाना शुरु की तो एक बच्चा कम पाया गया. जैसे ही बच्चा गायब की सूचना मिली परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरु कर दिया.

पटना में तेज रफ्तार ट्रक तीन को कुचला, दादी-पोती की मौत

पटना । पटना-पाली मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार से आ रही है एक हाईवा ने दो महिला एवं एक बच्चे को कुचल दिया इसमें एक महिला और एक बच्ची की मौत मौके पर हो गई. वहीं एक दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गया. इसे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और हाइवा एवं उसके ड्राइवर को पकड़ लिया. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना रानी तालाब थाने को दी. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. इस बीच लोगों ने पटना पाली मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर जमकर प्रदर्शन शुरू कर दिया. वहीं एक महिला घायल हो गयी. मृतक की पहचान रानीतालाब थाना क्षेत्र के चौकीपुर निवासी पासवान की पत्नी झरोखा देवी और उसकी पोती कामिनी कुमारी के रूप में हुई है. वहीं जख्मी की पहचान पारस पासवान की पत्नी चम्पा देवी के रुप में हुई है. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

तलाकशुदा पत्नी के घर पर युवक ने की फायरिंग

पुलिस ने चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को किया गिरफ्तार, हथियार हुआ बरामद

संवाददाता । पूर्णिया

पूर्णिया में प्रोफेसर कॉलोनी में सुबह-सुबह उस समय गोलियों की तड़तड़ाहट और चार घंटे का हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला, जब एक तलाकशुदा पति अपनी पत्नी से मिलने उसके मायके पहुंच गया. उसने पत्नी को बंधक बनाया और ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने लगा. पत्नी डर से दूसरे कमरे में कैद हो गई. पति घर के अंदर ही हॉल में दो देसी कट्टा लेकर सिर पर ताने बैठा रहा. पुलिस को चार घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, तब जाकर शातिर तरीके से जाल बिछाया और युवक को धर दबोचा. युवक के पास से दो देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद हुआ है. घर के बाहर सदर एसडीपीओ और तीन थाना की पुलिस हाथ में लोडेड पिस्टल लेकर इंतजार करती रही थी. पूर्णिया केके हाट थाना क्षेत्र अन्तर्गत डीआईजी चौक स्थित प्रोफेसर कॉलोनी में एक युवक ने सुबह से ही हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया. दो-दो देसी कट्टा लेकर न सिर्फ अपनी पत्नी को बंधक बना लिया बल्कि छह राउंड फायरिंग भी की. युवक के हाथ में दो-दो पिस्टल थामा विजुअल भी नजर आ रहा है. आखिरकार कुछ पुलिस वाले और स्थानीय लोगों के समझाने के बाद जब युवक थोड़ा नरम हुआ तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया और दोनों पिस्टल छीन लिया.

दरअसल, बड़हरा कोठी थाना क्षेत्र के भटोतर का रहने वाला मनोहर की शादी 2014 में हुई थी और 3 साल पहले उसका तलाक हो गया था. सोमवार की सुबह करीब 6 बजे वो देसी कट्टा लेकर युवती के घर पहुंचा और फिर ताबड़तोड़ गोलियां हवा में बरसा दी. घर में युवती अपनी मां के साथ थी. मनोहर के इस रूप को देखते हुए वो अंदर कमरे में बंद हो गई. इधर मां मौका देखकर मनोहर के चंगुल से फरार हो गई और अपने बगल वाले गोतनी सुशीला भारती के घर जा पहुंची. सुशीला ने तुरंत पुलिस को कॉल लगा दिया. इधर युवक घर को चारों तरफ से बंद कर लिया और अंदर हॉल में दो देसी कट्टा अपने सिर पर तान कर बैठ गया.

हथियार अपने सिर पर लगाए बैठा रहा : करीब 4 घंटे के बाद पुलिस के अधिकारी और कुछ स्थानीय लोगों ने उनके साथ बातचीत शुरू की. मनोहर हथियार अपने सिर पर लगाए बैठा रहा. लंबी वार्ता के बाद जब युवक थोड़ा नरम होता दिखा तो पुलिस ने जाल बिछाया और बातों में उलझा कर दबोच लिया फिर उसे युवती को घर से रिकवर करके बाहर निकाला गया. आरोपी युवक मनोहर ने बताया कि सोमवार सुबह वे अपनी पत्नी से बात करने आया था, लेकिन जब वह बात नहीं मानी तो उसने अपनी जान देने के लिए पिस्तौल का सहारा लिया. मनोहर ने कहा कि उसने अंतरजातीय लव मैरिज किया था, जिसका परिवार वाले विरोध कर रहे थे. पत्नी भी उसका साथ नहीं दे रही थी. लिहाजा उसके सामने कोई चारा नहीं था.

कारोबार

उजास एनर्जी के शेयर फोकस में रहेंगे

नयी दिल्ली । पावर जेनरेटेड कंपनी उजास एनर्जी के शेयर की कीमत 16-20 सितंबर के बीच कारोबारी सेशन के दौरान फोकस में रहेगी. ऐसा इसलिए है, क्योंकि कंपनी अपने आगामी 1:4 के रेशियो में बोनस इश्यूको पांच दिनों में एक्स-डेट करने जा रही है. बता दें कि उजास एनर्जी दिवालियापन प्रक्रिया से गुजर रही है. इसलिए कंपनी के शेयर 9 सितंबर से कारोबार नहीं कर रहे हैं. इसका लास्ट शेयर प्राइस 532.65 रुपये है. यह इसका 52 वीक का नया हाई प्राइस भी है. इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर 2.05 रुपये है.

खुल गया नॉर्दर्नआर्क कैपिटल का आईपीओ

नयी दिल्ली । गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी नॉर्दर्नआर्क कैपिटल का 777 करोड़ रुपये का आईपीओ सोमवार को खुल गया. निवेशक इस इश्यूमें 19 सितंबर तक दांव लगा सकते हैं. नॉर्दर्नआर्क कैपिटल के आईपीओ का प्राइस बैंड 249-263 रुपये प्रति शेयर तय किया है. एंकर एं निवेशकों के लिए यह इश्यू 13 सितंबर को ओपन हुआ था. आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये वैल्यू के ताजा इक्विटी शेयरों के साथ निवेशकों की तरफ से 277 करोड़ रुपये तक के 1,05,32,320 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी.

वीरहेल्थ केयर के शेयर पर टूट पड़े निवेशक

नयी दिल्ली। वीरहेल्थ केयर लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं. कंपनी के शेयर में बीते शुक्रवार को 5% का अपर सर्किट लगा था. कंपनी के शेयर 25 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे. ओरल केयर प्रोडक्ट्स की प्रमुख निर्माता वीरहेल्थ केयर लिमिटेड ने ऐलान किया है कि उसे संयुक्त राज्य अमेरिका में एक प्रमुख संस्थागत सप्लाइर्स से लगभग 33,35,000 रुपये या 40,111 अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त निर्यात ऑर्डर हासिल किया है. एलकेपी सिक्योरिटीज लिमिटेड के शेयर 25 रुपये पर बंद हुए थे. स्टॉक का 52-सप्ताह का हाई 30.10 रुपये है.

सीमा शुल्क बढ़ने से त्योहारों से पहले कीमतों में होगी बढ़ोतरी

खाद्य तेल पर आयात शुल्क में 20% का इजाफा

एजेंसी । मुंबई

कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20% लगा सीमा शुल्क

सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगाया गया है. इसमें तीनों तेलों पर कुल आयात शुल्क 5 .50 प्रतिशत से बढ़कर 27 .5 प्रतिशत हो जाएगा. रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सोया तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल के आयात पर 13 .75 आयात शुल्क के मुकाबले अब 35 .75 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा . घरेलू सोयाबीन की कीमतें लगभग 4,600 रुपये (54 .84 डॉलर) प्रति 100 किलोग्राम है जो राज्य द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 4,892 रुपये से कम है.

केंद्र सरकार ने कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को 20 प्रतिशत बढ़ा दिया है. पाम ऑयल, सोया ऑयल और सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क बढ़ने से त्योहारों से पहले इनकी कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है. इसका असर त्योहारी सीजन के दौरान सीधे आम लोगों के जायके पर पड़ेगा. अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ का कहना है कि इस फैसले से किसानों को राहत मिलेगी और उनकी कमाई भी बढ़ेगी, लेकिन दूसरी ओर आम जनता पर इसका बोझ बढ़ेगा. इससे पहले भी सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए सोयाबीन की खरीदारी समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्देश दिया था. अब 20 प्रतिशत तक आयात शुल्क बढ़ाने की कोई आवश्यकता यहां नजर नहीं आती है. इसके असर से खाद्य तेलों के भाव 15 से 22 प्रतिशत प्रति किलो तक बढ़ जाएंगे.

महासंघ के अनुसार इस फैसले से छोटे किसान तो नहीं बल्कि स्टॉक करने वाले बड़े व्यापारियों को अधिक फायदा होगा. पिछले एक से दो हफ्ते पहले खाद्य तेलों के दामों 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि पहले ही देखी जा चुकी है. जिसमें रिफाइंड ऑयल के दाम 10 प्रतिशत और सरसों का तेल 12 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं.

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर बताते हैं कि इस साल देश भर में अच्छे मॉनसून की वजह से चार राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में सोयाबीन की अच्छी फसल होने की उम्मीद है. वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक देश अर्जेंटीना और ब्राजील तथा अमेरिका में भी फसल अच्छी आने की संभावना है.

रूस और यूक्रेन द्वारा सूरजमुखी के तेल बेचने की होड़ के चलते खाद्य तेलों के दाम नीचे आ गए थे. इस वजह से सोयाबीन के दाम भी समर्थन मूल्य के नीचे चले गए थे. वे कहते हैं कि महाराष्ट्र में वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों के किसान संगठनों द्वारा सरकार पर बनाए गए दबाव के कारण कुछ दिन पहले ही इन चार राज्यों में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खीदने के आदेश सरकार ने जारी किए थे.

ग्रेन एसोसिएशन के सदस्य और खाद्य तेल व्यापारी अतुल शाह बताते हैं कि गत दो महीनों से खाद्य तेलों का भारत का आयात कम रहा है. आगामी त्योहारों को देखते हुए मांग को पूरा करने के लिए भी व्यापारियों ने स्टॉक कर लिया है. वहीं दूसरी ओर सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदी गई सरसों की बिक्री का आदेश दिया गया, तब पता चला कि सरसों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता दोनों की मात्रा में अंतर पाया गया. जिसकी वजह से खाद्य तेलों के दामों पिछले कुछ सप्ताह में 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं और अब 20 प्रतिशत की ड्यूटी की वृद्धि महंगाई को बढ़ाएगी.

अभिनेता ऋतिक रोशन सोमवार को मुंबई हवाईअड्डे पर पहुंचते ही तस्वीरों के लिए पोज देते हुए.

अडाणी समूह ने चेताया, कहा-

झूठ फैलाने वालों पर करेंगे कार्रवाई

- इन फर्जी धोखाधड़ी वाली विज्ञप्तियों को पूरी तरह से नजरअंदाज करने का आग्रह करते हैं

एजेंसी । नयी दिल्ली

अडाणी समूह ने बयान जारी कर उसके नाम से फर्जी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रसारित करने वालों को चेताया है. समूह ने एक बयान में कहा, दुर्भावनापूर्ण इरादे वाले कुछ निहित स्वार्थी तत्व कई धोखाधड़ी वाली प्रेस विज्ञप्तियां प्रसारित कर रहे हैं. अडाणी समूह ने कहा, हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि न तो अदाणी समूह और न ही इसकी किसी भी कंपनी या सहायक कंपनी ने केन्या से संबंधित कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी की है. हम इस धोखाधड़ीपूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और सभी से इन फर्जी धोखाधड़ी वाली विज्ञप्तियों को पूरी तरह से नजरअंदाज करने का आग्रह करते हैं. हम झूठी कहानियां फैलाने में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई करेंगे.

सोना 445 बढ़कर 73,489 पर पहुंचा

चांदी 2214 महंगी होकर 88,314 प्रति किलो बिकी

नयी दिल्ली । सोने-चांदी की कीमतों में सोमवार को बढ़त रही. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, सोमवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 445 रुपए बढ़कर 73,489 रुपए पर पहुंच गया. इससे पहले इसके दाम 73,044 रुपए प्रति दस ग्राम थे. वहीं चांदी 2214 रुपए बढ़कर 88,314 रुपए प्रति किलो हो गई है. इससे पहले चांदी 86,100 रुपए प्रति किलो पर थी. इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है. वहीं, चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी. आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 10,342 रुपए बढ़ चुके हैं. 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,694 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है.

बाजार

भारतीय शेयर बाजार के प्राइमरी और सेकेंडरी दोनों ही मार्केट ऐतिहासिक रहा

सेंसेक्स ने 83,184 व निफ्टी ने 25,445 का हाई बनाया

निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुआ

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के प्राइमरी और सेकेंडरी दोनों ही मार्केट के लिए सोमवार का दिन बेहद ऐतिहासिक रहा है. प्राइमर मार्केट में बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ की बंपर लिस्टिंग हुई. तो सेंकेडरी मार्केट में बीएसई सेंसेक्स और एमएसई निफ्टी दोनों ही ऐतिहासिक हाई को छूने में कामयाब रहा है. सोमवार के ट्रेड में बैंकिंग और एनर्जी शेयरों में भारी खरीदारी देखने को मिली है. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 98 अंकों के उछाल के साथ 82,989 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंकों की तेजी के साथ 25,384 अंकों पर बंद हुआ है. भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते मार्केट कैपिटलाइजेशन ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा है. बीएसई पर लिस्टेड शेयरों का मार्केट कैप 470.49 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ है जो पिछले सेशन में 468.71 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है. यानि सोमवार के सेशन में बाजार के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 1.78 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

15 स्टॉक्स तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए : सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 स्टॉक्स तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 25 तेजी के साथ और 25 गिरकर बंद हुआ. तेजी वाले शेयरों में एनटीपीसी 2.44 फीसदी, एलएंडटी 1.35 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.97 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.94 फीसदी, नेस्ले 0.72 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.66 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. बजाज फाइनेंस 3.36 फीसदी एचयूएल 2.30 फीसदी गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा अडानी पोर्ट्स 0.87 फीसदी, टाइटन 0.79 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.73 फीसदी, एसबीआई 0.65 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.46 फीसदी गिरकर बंद हुआ है.

सोमवार के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि आईटी, एफएमसीजी, फार्मा सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है. सोमवार के कारोबार में मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में फिर से शानदार तेजी देखने को मिली है. सोमवार के कारोबार में भी निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स ऑलटाइम हाई को छूने में कामयाब रहा है.

एलआईसी ने डिजिटल प्लेट फॉर्म के लिए इंफोसिस को चुना

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म (मंच) के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस को चुना है. इस समझौते के तहत इंफोसिस एलआईसी को ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर अनुभवों और डेटा आधारित वैयक्तिकरण सुविधाएं प्रदान करेगा. इंफोसिस ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में यह जानकारी दी है. कंपनी ने बताया कि देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के साथ इंफोसिस ने सहयोग का समझौता किया है, ताकि एलआईसी डीआईवीई (डिजिटल नवाचार एवं मूल्य संवर्धन) नामक अपनी डिजिटल रूपांतरण पहल को आगे बढ़ा सके. इंफोसिस के मुताबिक इस समझौते के तहत वो एलआईसी के साथ मिलकर डिजिटल इनोवेशन एंड वैल्यू एन्हांसमेंट (डीआईवीई) नामक अपनी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पहल को आगे बढ़ाया है. कंपनी ने बताया कि एलआईसी ने बैंकिंग, वित्तीय और बीमा क्षेत्रों में इंफोसिस की गहन विशेषज्ञता और अनुभव को देखते हुए उस चुना है. इस समझौते के तहत इंफोसिस अगली पीढ़ी का डिजिटल मंच तैयार करेगी, जो एलआईसी के ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर जुड़ाव और डेटा आधारित वैयक्तिकृत अनुभव देने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा. हालांकि, कंपनी ने इस सौदे की राशि के बारे में नहीं बताया है.

न्यूज अपडेट

नेपाल में 362 पर्वतारोही को अनुमति

काठमांडू। नेपाल में सोमवार को 54 देशों के 362 लोगों को पर्वतारोहण की अनुमति दी गई. इनमें 88 महिला पर्वतारोही भी हैं. पर्यटन विभाग के अनुसार, पर्वतारोहियों में से 308 को 8,163 मीटर ऊंची दुनिया की आठवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मनास्लू पर चढ़ने की अनुमति दी गई है. वहीं 14 लोगों को 8,167 मीटर ऊंची दुनिया की सातवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट धौलागिरी पर चढ़ने की अनुमति दी गई है. सरकार को परमिट जारी करने से रॉयल्टी शुल्क के रूप में 3,00,525 अमेरिकी डॉलर का राजस्व मिला है.

हूतियों ने ली हमले की जिम्मेदारी

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने मध्य इजरायल पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है. ग्रुप का कहना है कि उसने इस ऑपरेशन में नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया. हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि फिलिस्तीनी लोगों और हमास के समर्थन में हमने एक सैन्य अभियान चलाया, जिसके तहत जफा क्षेत्र में इजरायली दुश्मन के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया. एक नई हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया गया. मिसाइल अपने लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब रही.

सूडान में हमले में 40 लोगों की मौत

खार्तूम। मध्य सूडान के एक गांव पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में करीब 40 नागरिक मारे गए. यह जानकारी गैर-सरकारी ग्रुप अबू गौता प्रतिरोध समिति ने दी. समिति ने एक बयान में कहा कि आरएसएफ ने गेजीरा राज्य के अबू गौता क्षेत्र के गौज अल-नका गांव पर हमला किया. आरएसएफ विस्थापित ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए शव नहीं लौटा रहा है. इस वजह से गांव में कई शव खुले में पड़े हैं. आरएसएफ ने अभी तक हमले के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है.

उत्तर कोरिया में होगा संविधान संशोधन

सोल। उत्तर कोरिया अगले महीने एक महत्वपूर्ण संसदीय बैठक आयोजित करेगा. बैठक में मुख्य रूप से देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा. 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली का 11वां सत्र 7 अक्टूबर को प्योंगयांग में आयोजित किया जाएगा. इससे पहले जनवरी में उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन बताने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया था. वहीं, युद्ध की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी.

केन्या में अल-शबाब के हमले का खतरा

नैरोबी। आतंकी खतरों के बीच केन्याई पुलिस ने पूरे देश में सुरक्षा बढ़ा दी है. पुलिस को विश्वसनीय जानकारी मिली है कि अल-शबाब के आतंकी राजधानी नैरोबी और अन्य शहरों में हमला करने की योजना बना रहे हैं. राष्ट्रीय पुलिस सेवा की प्रवक्ता रेसिला ओनयांगो ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिया है और कहा कि देश भर में तैनात पुलिस अधिकारी सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं. उन्होंने जनता से किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन या टोल-फ्री नंबर पर देने की अपील की.

यमन में सैन्य अड्डे पर हूतियों का हमला

सना। यमन में हूती विद्रोहियों के हमले में तीन सैनिक मारे गए और पांच घायल हो गए. एक सरकारी सैन्य सूत्र ने बताया कि हमला दक्षिणी यमनी प्रांत ढाले में हुआ. हूतियों ने हमले को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है. नाम न बताने की शर्त पर सूत्र ने बताया कि हूती ग्रुप ने रविवार सुबह एक सरकारी सैन्य ठिकाने पर तोपखाने और रॉकेट से हमला किया. उत्तर-पश्चिमी ढाले प्रांत के कताबा जिले के बाब गलाक क्षेत्र में यह हमला हुआ. मृतकों में कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद अल-हमीदी भी शामिल हैं.

जापान के एच2ए रॉकेट का प्रक्षेपण टला

टोक्यो। जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप पर स्थित अंतरिक्ष केंद्र से सूचना एकत्र करने वाले उपग्रह को ले जाने वाले एच2ए रॉकेट का निर्धारित प्रक्षेपण सोमवार को दूसरी बार स्थगित कर दिया गया. रॉकेट निर्माता ने यह जानकारी दी. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा कि उसने ऊपरी वायुमंडल में अनुपयुक्त हवा की स्थिति के कारण, कागोशिमा प्रान्त में तनेगाशिमा द्वीप पर तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से रॉकेट संख्या 49 का प्रक्षेपण स्थगित करने का निर्णय लिया है.

इराक में मारे गए आईएस के 3 आतंकी

बगदाद। इराक के उत्तरी शहर किरकुक में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के तीन आतंकवादी मारे गए हैं. एक पुलिस सूत्र ने यह जानकारी दी. इराकी सुरक्षाबलों ने रविवार को बगदाद से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में किरकुक के एक मोहल्ले में मोटरसाइकिल पर विस्फोटक बेल्ट पहने दो आईएस आतंकवादियों को घेर लिया. किरकुक के पुलिस अधिकारी सलाम अल-ओबैदी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दोनों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया.

नोएडा में रोड रेज में आरक्षी की पिटाई

नोएडा। नोएडा में पीआरवी में तैनात एक आरक्षी की चार युवकों ने पिटाई कर दी. मामला सेक्टर-24 थाना क्षेत्र का है. आरक्षी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. उनसे पूछताछ की जा रही है. आरक्षी को मेडिकल कराकर घर भेज दिया गया है. बताया जा रहा है कि आरक्षी को पीटने वालों में दूसरे जनपद के सांसद का ड्राइवर भी है. हालांकि, पुलिस ने इस बात से इनकार किया है. घटना को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है.

फ्लोरिडा में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास पर एलन मस्क ने दिया विवादित बयान, कहा

बाइडेन और हैरिस की हत्या का कोई प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा?

- राष्ट्रपति ने की ट्रंप पर हमले की निंदा, कहा-देश में हिंसा के लिए जगह नहीं
- एफबीआई राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के प्रयास की जांच में जुटी

एजेंसी। वाशिंगटन

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक बार फिर कथित तौर पर हत्या करने का प्रयास हुआ है. रविवार को यह घटना फ्लोरिडा में हुई, जहां ट्रंप वेस्ट पाम बीच पर गोल्फ खेल रहे थे. एफबीआई ने कहा कि वह रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के प्रयास की जांच कर रही है. इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है. वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस हमले की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा है कि "हमारे देश में राजनीतिक हिंसा या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है." साथ ही उन्होंने ट्रंप को गोलीबारी की घटना के दौरान सुरक्षित रखने में मदद करने के लिए सुरक्षा में तैनात अधिकारियों की प्रशंसा की. इस घटना पर एलन मस्क ने एक विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि कोई भी बाइडेन और कमला की हत्या की कोशिश क्यों नहीं कर रहा है? उन्होंने सवाल किया, "अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस पर हत्या का कोई प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है?" एक एक्स यूजर के सवाल, "वे डोनाल्ड ट्रंप को क्यों मारना चाहते हैं?" का जवाब देते हुए टेस्ला के सीईओ ने लिखा, "और कोई भी बाइडेन/कमला की हत्या करने की कोशिश नहीं कर रहा है." टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख ट्रंप समर्थक हैं और अक्सर उनके पक्ष में पोस्ट लिखते रहे हैं. बता दें कि ट्रंप पर ये हत्या के प्रयास का दूसरा मामला है. पहला 13 जुलाई 2024 को बटलर, पेंसिल्वेनिया में हुआ था. तब उनके दाहिने कान में गोली लगी थी. शूटर, को मार गिराया गया था.

अट्ठावन वर्षीय रयान वेस्ले राउथ हिरासत में : अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में अट्ठावन वर्षीय रयान वेस्ले राउथ को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले का आरोपी बताया जा रहा है. जांचकर्ताओं को एक AK-47 स्टाइल राइफल, सिरेमिक टाइल से भरे दो बैकपैक और एक गोप्रो कैमरा मिला, जिसे मौका ए वारदात पर छोड़ दिया गया था. रविवार की घटना दोपहर 1:30 बजे के आसपास वेस्ट पाम बीच में ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ़ क्लब में हुई. जांचकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति से आगे बढ़ रहे सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स को झाड़ियों में एक बंदूक की नली दिखाई दी. एजेंट उस दिशा में गया. यह अभी तक स्पष्ट नहीं था कि संदिग्ध ने गोली चलाई थी या नहीं, लेकिन वह लगभग 350 से 500 गज पीछे ही था.

ट्रंप ने कहा- मुझे कोई भी रोक नहीं सकता

इस हमले के बाद ट्रंप ने समर्थकों के नाम बयान जारी किया. कहा, "मुझे गोलीबारी की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं, लेकिन अफ़वाहों के अनियंत्रित होने से पहले, मैं बताना चाहता हूं कि मैं सुरक्षित और स्वस्थ हूं! मुझे कोई भी रोक नहीं सकता. मैं कभी भी आत्मसमर्पण नहीं करूंगा!" वहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक्स पोस्ट में कहा कि मुझे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और फ्लोरिडा में उनकी संपत्ति के पास गोलीबारी की रिपोर्ट के बारे में जानकारी दी गई है, और मुझे खुशी है कि वह सुरक्षित हैं. अमेरिका में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है." सीएनएन ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप कोर्स पर थे और उन पर गोलियां चलाई गईं. अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के कर्मियों ने उस दिशा में जवाबी फायरिंग की.

राहत महसूस कर रहा हूं कि ट्रंप सुरक्षित हैं : बाइडन

बाइडेन ने फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में ट्रंप के गोल्फ क्लब में गोलीबारी के बारे में जानकारी दिए जाने के बाद कहा कि मैंने अपनी टीम को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है कि सीक्रेट सर्विस के पास पूर्व राष्ट्रपति की निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सभी संसाधन, क्षमता और सुरक्षात्मक उपाय हैं. उन्होंने एक बयान में कहा कि मेरी टीम ने मुझे इस बारे में जानकारी दी है कि फेडरल लॉ एनफोर्समेंट पूर्व राष्ट्रपति की संभावित हत्या के प्रयास की जांच कर रहा है. एक संदिग्ध हिरासत में है, और मैं सीक्रेट सर्विस और उनके कानून प्रवर्तन भागीदारों की सतर्कता और पूर्व राष्ट्रपति और उनके आस-पास के लोगों को सुरक्षित रखने के उनके प्रयासों की सराहना करता हूं. मैं इस बात से काफी राहत महसूस कर रहा हूं कि पूर्व राष्ट्रपति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. इस घटना की सक्रिय जांच चल रही है.

जेएंडके में दहाड़े शाह, कहा-राज्य को फिर अशांत करने की कोशिश, लेकिन

भाजपा सरकार आतंकवाद को जमीन में दफन कर देगी

एजेंसी। किश्तवाड़

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का प्रचार अपने चरम पर है. ऐसे में राजनेता एक-दूसरे पर हमला कर वोटरो को अपनी तरफ लुभाने की कोशिश में हैं. इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को राज्य के किश्तवाड़ में एक चुनावी सभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा. केंद्रीय गृह मंत्री ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पर अपने परिवार की सरकार बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे जम्मू कश्मीर में सत्ता में नहीं आ सकते. उमर अब्दुल्ला और राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में एक बार फिर से आतंकवाद को बढ़ाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन बीजेपी सरकार इसको जमीन में दफन कर देगी. आतंकवाद के मुद्दे पर बीजेपी के दिग्गज नेता ने कहा कि कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर को फिर से आतंकवाद की ओर धकेलना चाहते हैं. उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस और एनसी की सरकार आएगी तो आंतकवाद को छेड़ देंगे. मैं आपको वचन देता हूं. आतंकवाद को नीचे दफन कर देंगे. आतंकवाद को उस स्तर तक दफनाने का संकल्प लिया है कि वह फिर न लौट पाए.

इंजीनियर राशिद और जमात के गठजोड़ पर भड़के फारूक-महबूबा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सोमवार को पहले चरण के प्रचार का आखिरी दिन था. 18 सितंबर को पहले चरण में डोडा, किश्तवाड़ और रामबन की 8 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है. इस बीच वर्तमान सांसद और अवामी इत्तेहाद पार्टी के इंजीनियर राशिद को अलग-अलग पार्टियों के नेता निशाने पर ले रहे हैं. महबूबा मुफ्ती से लेकर उमर और फारूक अब्दुल्ला तक इंजीनियर राशिद को बीजेपी का प्लांट किया हुआ बता रहे हैं. सोमवार को जम्मू-कश्मीर के तीन बड़े नेताओं ने इंजीनियर राशिद पर निशाना साधा. सबसे पहले तो जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कश्मीर में विचारधाराएं. स्थाई नहीं हैं. कश्मीर में नेताओं की विचारधाराएं बदलती रहती हैं.

हमने गठबंधन की कोशिश की : महबूबा

इस बीच जम्मू-कश्मीर में अवामी इत्तेहाद पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के चुनाव पूर्व गठबंधन पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, पीएजीडी जो बना था, मैंने कोशिश की थी कि हम साथ चलें, लेकिन दुर्भाग्य से यह पसंद नहीं आया. क्योंकि सत्ता की लालसा इतनी तीव्र है कि उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने कुछ सीटें किसी और को दे दीं तो सत्ता उनके हाथ से निकल जाएगी. हमें साथ रहना चाहिए ताकि दिल्ली ने वोटों को बांटने के लिए, जो बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवार उतारे हैं, वह न हो.

राशिद को जमानत रणनीति : फारूक : इंजीनियर राशिद के चुनाव लड़ने पर नेशनल कांफ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि यह हमें लूटने, बांटने और हमारी मां-बहनों की इज्जत बेचने की रणनीति है. फारूक ने राशिद को 20 दिनों के लिए जेल से छोड़ने पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि राशिद को चुनाव के समय 20 दिनों के लिए छोड़ना दिखाता है कि यह किस रणनीति का हिस्सा है. आर्टिकल 370 को लेकर फारूक ने कहा कि हम एक बार फिर आर्टिकल हटाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे.

जीप-ट्रक की भिड़ंत, आठ की मौत

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान के सिरोही जिले के पिंडवाड़ा इलाके में रविवार रात एक जीप और ट्रक के बीच टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 18 घायल हो गए. इस घटना के बारे में पुलिस ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल है. पुलिस के मुताबिक जीप गलत दिशा में जा रही थी और सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई. वाहन में क्षमता से अधिक सवारी भी भर रखी थी. गाड़ी में 29 लोग सवार थे. हादसा पिंडवाड़ा हाईवे पर चढ़ते वक्त हुआ. सभी जीप सवार पाली में मजदूरी के लिए जा रहे थे. सिरोही के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनिल कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. पिंडवाड़ा पुलिस थाने के एसएचओ हमीर सिंह ने बताया कि जीप एक ट्रक से टकरा गई, जिससे पांच पुरुषों, एक बच्चे और दो महिलाओं की मौत हो गई. पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया. हादसा उदयपुर-पालनपुर फोरलेन हाईवे (एनएच27) पर कैंटल पुलिया के पास रविवार रात हुआ. पुलिस ने शनिवार को बताया कि इसी तरह की एक और घटना में राजस्थान के बीकानेर जिले में एक कार और पिकअप जीप की आमने-सामने की टक्कर में दो पुरुषों और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो महिलाएं घायल हो गई थीं. यह दुर्घटना शुक्रवार देर रात नौरंगदेसर के पास उस समय हुई थी, जब परिवार एक शोक सभा से लौट रहा था.

बेलगाम में आठ वाहनों के बीच टक्कर, चार की मौत

बेलगाम। कर्नाटक के बेलगाम में भीषण सड़क हादसा हुआ, जहां निप्पानी स्थवनिधि घाट के पास 8 वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए. हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 6 की हालत गंभीर बताई गई. मृतकों में दो बाइक सवार और दो कार सवार लोग शामिल थे. घटनास्थल की तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें टैंकर के नीचे कार बुरी तरह फंसी हुई देखी जा सकती है. कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त दिख रही है.

केजरीवाल 'आप' में एकमात्र अहम व्यक्ति हैं, बाकी सभी घरेलू नौकर

- दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे सह पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने कहा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने सोमवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में दिल्ली के अगले सीएम को लेकर अरविंद केजरीवाल की बैठक पर कहा कि ज्यादातर राजनीतिक दलों में जब इस तरीके का सत्ता बदलती है, नेता बदलता है, मुख्यमंत्री बदलता है, तो एक जिज्ञासा इसलिए होती है क्योंकि तमाम राजनीतिक पार्टियों में और भी नेता होते हैं. उन्होंने राजनीतिक जीवन में कुछ किया है, समाज सेवा में योगदान दिया है. किसी मुद्दे या क्षेत्रीय राजनीति के लिए या विषय के लिए वह लोग जाने जाते हैं. आम आदमी पार्टी में केवल केजरीवाल है, बाकी सब उनके घरेलू नौकर है. किसी का कोई वजूद नहीं है. मेरे हिसाब से यह निर्णय इस हिसाब से लेंगे कि कौन ऐसा व्यक्ति आएगा जो इनके भरोसे का हो, जो फाइल नहीं निकलने दे. इनके खिलाफ जो भ्रष्टाचार के सबूत हैं उसको दबा के रखें, जो इनके कहने पर काम करे, जिस कांट्रेक्ट पर हस्ताक्षर करना है, उस पर हस्ताक्षर कर दे. एक तरीके से इनका पिट्ठू बनकर वहां रहे. दो-तीन लोगों ने तय कर लिया होगा. वो दिखाने के लिए तमाम औपचारिकता करेंगे.

हिंदू होने का मतलब उदार होना व सभी के प्रति सद्भावना दिखाना है : भागवत

एजेंसी। जयपुर

हिंदू होने का मतलब उदार होना और सभी के प्रति सद्भावना दिखाना है, भले ही उनकी धार्मिक मान्यताएं, जाति या आहार संबंधी प्रथाएं कुछ भी हों. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत राजस्थान के अलवर में एक कार्यक्रम में यह बात कही. उन्होंने हिंदू समाज को देश का कर्ता-धर्ता करार देते हुए कहा, इस देश में कुछ भी गलत होता है, तो इसका असर हिंदू समाज पर पड़ता है. साथ ही कहा, अगर देश में कुछ भी अच्छा होता है, तो इससे हिंदुओं का गौरव बढ़ता है. भागवत ने हिंदू धर्म को लेकर अपने विचार रखते हुए कहा कि जिसे आमतौर पर हिंदू धर्म कहा जाता है, वह संक्षेप में एक सार्वभौमिक मानव धर्म है. कहा कि हिंदू सबकी भलाई चाहता है. हिंदू होने का मतलब दुनिया का सर्वाधिक उदार व्यक्ति होना है. हिंदू सभी को गले लगाता है और सभी के प्रति सद्भावना दर्शाता है. हिंदुओं को यह संस्कार उसके महान पूर्वजों से मिले हैं. भागवत के अनुसार हिंदू शिक्षा का उपयोग किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं, वरन् ज्ञान बांटने के लिए करता है. कहा, वह धन का उपयोग भोग-विलास के लिए नहीं, दान के लिए करता है. अपनी शक्ति कमजोर लोगों की रक्षा में लगाता है. आरएसएस प्रमुख का कहना था कि जो व्यक्ति इन मूल्यों और संस्कृति के साथ रहता है, उसे हिंदू माना जा सकता है. चाहे वह किसी की भी पूजा करता हो, कोई भी भाषा बोलता हो, उसकी जाति, क्षेत्र या आहार-व्यवहार कुछ भी हो.

पूरे पांच साल चलेगी मोदी सरकार: गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रधानमंत्री पद वाला बयान चर्चा में है. इसी बीच एक कार्यक्रम में गडकरी से सवाल किया गया, आप कह रहे हैं कि मोदी सरकार अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन एक धारणा यह भी बन रही है कि सरकार 5 साल पूरे नहीं कर पाएगी. इसपर मंत्री ने कहा, लोगों को हमारे ऊपर भरोसा है, फिर चाहे पार्टी या राजनेता कोई भी हो. कोई भी हर मैच में शतक नहीं मारता, लेकिन हमें लोगों को निर्णायक समर्थन मिलेगा और देश को आगे बढ़ाएंगे.

म्यांमार में बाढ़ से 113 लोगों की मौत, 64 लापता

यांगून। म्यांमार में व्यापक बाढ़ के कारण 113 लोगों की मौत हो गई है और 64 लापता हैं. राज्य प्रशासन परिषद की सूचना टीम ने के अनुसार बाढ़ ने ने-पी-ता, काया राज्य, कायिन राज्य, बागो, मैगवे, मांडले इलाकों समेत मोन और शान राज्य तथा अयेयारवाडी क्षेत्र को प्रभावित किया है. 14 सितंबर की शाम तक 72,900 से अधिक घर और 78,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं, जिससे देश भर में 320,000 से अधिक लोगों को अस्थायी आश्रय गृह में पनाह लेनी पड़ी. -एजेंसी

तैयारी दशकीय जनगणना प्रक्रिया में जाति संबंधी कॉलम शामिल करने को लेकर अभी तक कोई भी फैसला नहीं

महिला आरक्षण से जनगणना तक, मोदी सरकार जल्द लेगी बड़े फैसले

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने दशकीय जनगणना कराने की तैयारी शुरू कर दी है. हालांकि इस प्रक्रिया में जाति संबंधी कॉलम शामिल करने को लेकर अभी तक कोई भी फैसला नहीं किया गया है. जानकारी के अनुसार, जल्द ही दशकीय जनगणना कराई जाएगी.

1881 से देश में हर दस साल में जनगणना कराई जाती है. पहले जनगणना का चरण 1 अप्रैल, 2020 को शुरू होना था. लेकिन कोरोना महामारी की वजह इसे स्थगित करना पड़ा था. सरकार के लिए इस समय जनगणना कराना काफी ज्यादा जरूरी है कि क्योंकि सरकार के कई नए कानून और अधिनियम इसी से जुड़े हुए हैं. तो आइये जानते हैं कि जनगणना के साथ-साथ सरकार और क्या-क्या फैसले ले सकती है. पिछले साल संसद द्वारा पारित महिला आरक्षण अधिनियम का कार्यान्वयन भी दशकीय जनगणना से जुड़ा हुआ है. लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने संबंधी कानून इस अधिनियम के लागू होने के बाद होने वाली पहली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़ों के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद लागू होगा.

2011 के आंकड़ों के आधार पर बन रही हैं नीतियां : नए आंकड़े ना होने की वजह से सरकारी एजेंसियां अभी भी 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर निभर हैं. वो उनकी कड़ों के आधार पर नीतियां बना रहे हैं और सब्सिडी आवंटित कर रहें हैं. पहले जनगणना के अंतर्गत घरों को सूचीबद्ध करने का चरण और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अद्यतन करने का कार्य 1 अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक होना था. लेकिन कोरोना की वजह से इसे स्थगित कर दिया था. अधिकारियों ने बताया कि पूरी जनगणना और एनपीआर प्रक्रिया पर सरकार के 12,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो सकते हैं. इस बार डिजिटल जनगणना होगी. इस दौरान आधार या मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से एकत्र किया जाएगा. जनगणना में एनपीआर का काम भी पूरा कर हो सकेगी.

मौजूदा कार्यकाल में वन नेशन, वन इलेक्शन की नीति भी लागू कर सकती है सरकार

वहीं, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल में वन नेशन, वन इलेक्शन की नीति लागू कर सकती है. सरकार इस नीति को लेकर आशावादी है.वहीं, साल की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले पैनल द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद वन नेशन, वन इलेक्शन की प्रक्रिया जोर पकड़ रही है. पैनल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रिपोर्ट प्रस्तुत किया और लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की अवधारणा का जोरदार समर्थन किया.

वन नेशन, वन इलेक्शन नामुमकिन : चिदंबरम

देश में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम का कहना है कि एनडीए सरकार के पास इतनी क्षमता नहीं है कि वे इसे लागू कर पाएं. इसे लागू करने के लिए कम से कम पांच संशोधनों की जरूरत पड़ेगी, और पीएम मोदी के पास इसके लिए पर्याप्त संख्या नहीं है. चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार द्वारा मार्च तक वन नेशन, वन इलेक्शन लागू करने की खबरें हैं, लेकिन यह वर्तमान संविधान के तहत संभव नहीं है.

'बेबिंका' ने शंघाई में दी दस्तक भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट

- 'बेबिंका' 75 वर्षों में शंघाई में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान

एजेंसी। शंघाई

तूफान 'बेबिंका' ने सोमवार को शंघाई में दस्तक दी. शंघाई केंद्रीय मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, तूफान स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7.30 पर शहर में पहुंचा. तूफान पुडोंग जिले में लिंगांग क्षेत्र के तट पर पहुंचा. तूफान के केंद्र के पास अधिकतम हवा का बल 42 मीटर प्रति सेकंड तक पहुंच गया. माना जा रहा है कि 'बेबिंका' 75 वर्षों में शंघाई में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान है.

राज्य बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय ने रविवार को पूर्वी चीन के अनहुई प्रांत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया के लेवल-4 को सक्रिय कर दिया जबकि शंघाई और झेजियांग में प्रतिक्रिया को लेवल-3 तक बढ़ा दिया. वहीं चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने शंघाई, जियांग्सू, झेजियांग और अनहुई प्रांतों में बाढ़ के मद्देनजर लेवेल-4 आपातकालीन प्रतिक्रिया जारी की. मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि तूफान ''बेबिंका'' के कारण चीन के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है और क्षेत्र की कुछ मध्यम एवं छोटी नदियों का जल स्तर चेतावनी लेवल से अधिक हो सकता है. मंत्रालय ने प्रभावित क्षेत्रों में छोटी और मध्यम आकार की नदियों और पहाड़ी झरनों में बाढ़ की रोकथाम पर जोर दिया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)